रांची, मंगलवार
18.08.2026
वर्ष : 11, अंक : 256, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

बंगाल में एसटीएफ का एक्शन, राणा रऊफ का सहयोगी गिरफ्तार

पश्चिम बर्दवान। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने सोमवार को कथित पाकिस्तानी खुफिया एजेंट राणा रऊफ के सहयोगी इमरान हुसैन उर्फ पुतुल बेग को कोलकाता के तपसिया इलाके से गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि इमरान जाली दस्तावेजों के माध्यम से राणा रऊफ के लिए भारतीय पासपोर्ट तैयार कराने में उसकी मदद कर रहा था। इस गिरफ्तारी के बाद पूरे मामले की कड़ी पश्चिम बर्दवान जिले के आसनसोल से भी जुड़ती दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि इमरान का पुश्तैनी मकान आसनसोल के बोतल मस्जिद गली में स्थित है। वह अपने भाइयों के साथ इसी मकान में रहता था। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब 20 वर्ष पहले इमरान आसनसोल छोड़कर कोलकाता चला गया था।

नौसेना के लिए दो एमक्यू-9बी सशस्त्र अमेरिकी ड्रोन 30 महीने की लीज पर लेगा भारत

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के लिए दो एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन अमेरिका से 30 महीने के लिए लीज पर लिए जाएंगे। अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन खरीदने का सौदा फाइनल न होने पर यह रास्ता निकाला गया है। लगभग 1,943 करोड़ रुपये के इस समझौते पर सोमवार को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए। भारत को यह ड्रोन मिलने के बाद समुद्री मार्गों में मानव रहित निगरानी और टोही गश्ती को सक्षम करके वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए भारत की क्षमता बढ़ेगी। खास तौर पर चीन सीमा पर भारत की निगरानी आसान होगी। रक्षा विभाग के एडिशनल सेक्रेटरी और डायरेक्टर जनरल (एक्विजिशन) ए. अनबरसु की मौजूदगी में आज दो एमक्यू-9बी सी गार्डियन हाई-एल्टीट्यूड लॉन्ग-एंड्योरेंस रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम लीज पर लेने के लिए जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स, इंक के साथ समझौते पर हस्ताक्षर हुए। एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन एडवांस्ड सिस्टम, स्टेट-ऑफ-द-आर्ट सेंसर और सोफिस्टिकेटेड पेलोड से लैस हैं, जो भारतीय नौसेना की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाएंगे। ये सिस्टम समुद्री डोमेन के बड़े क्षेत्र में लगातार खुफिया, निगरानी और टोही कवरेज देंगे, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र पर नजर रखने और जवाब देने की भारत की क्षमता मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री हेमंत ने टीडीपीएल की सभी जेएसएससी-सीजीएल परीक्षाएं कीं रद्द

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को 14 वीं जेपीएससी और सीजीएल परीक्षा एवं टीडीपीएल की ओर से 2014 से अब तक ली गई सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को रद्द कर करने की घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री ने यह बातें सोमवार की रात को प्रोजेक्ट भवन में अपने कैबिनेट के मंत्रियों के साथ लगभग चार घंटे की मैराथन बैठक के बाद कही।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि साल 2014 से जितनी भी परीक्षाएं हुई हैं, सभी को रद्द किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईएएस अमिताभ कौशल के नेतृत्व में एक कमेटी का गठन किया जायेगा, जो परीक्षा को बिना किसी गड़बड़ी को आयोजित कराने से संबंधित नियमों को तय करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईटी और सीआईडी दोनों की जांच में कई चौकाने वाले तथ्य सामने आये हैं। मामले की जांच चल रही है। इसलिए हर बात खुले तौर पर बताना संभव नहीं है। इसमें कई कंपनियों का एक जटिल और आपस में जुड़ा हुआ नेटवर्क शामिल है। 2014 से लेकर अबतक आयोजित सभी परीक्षाओं की जांच सीआईडी से कराई जायेगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने 14वीं जेपीएससी और बैकलॉग की दो परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला पहले ही कर चुकी है। सरकार ने यह फैसला जेपीएससी, जेएसएससी की परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर चल रहे छात्रों के आंदोलन को देखते हुए लिया है। हालांकि मुख्यमंत्री की ओर से इन परीक्षाओं की सीबीआई जांच वाली मांग को मानने की बात नहीं कही। कुल 2025 पदों के लिए जेएसएससी-सीजीएल 2023 की परीक्षा 21-22 सितंबर 2024 को हुई थी। 08 दिसंबर 2025 को परीक्षा का परिणाम जारी किया गया था। उस समय पूर्व डीजीपी नीरज सिन्हा जेएसएससी के अध्यक्ष थे। पेपर लीक के आरोपों के बाद छात्रों के हंगामे को देखते हुए उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। 30 दिसंबर 2025 को सरकार ने सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया था।

छात्र जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में पेपर लीक और गड़बड़ी के आरोप शुरू से लगाते रहे हैं। जेपीएससी नियुक्ति में गड़बड़ी के बाद छात्रों ने आंदोलन शुरू किया था। इसी दौरान अभय तिवारी की गिरफ्तारी हुई। अभय तिवारी के स्वीकारोक्ति बयान में यह खुलासा हुआ है कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में भी बड़े पैमाने पर धांधली की गई थी।

परीक्षा में धांधली के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों की मांगों में जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा को रद्द करना भी शामिल है। इसके साथ ही छात्र जेपीएससी और जेएसएससी की उन सभी परीक्षाओं को रद्द करने की मांग कर रहे हैं, जिसे टीडीपीएल कंपनी ने आयोजित की थी। सरकार से वार्ता के दौरान भी अन्य मांगों पर सहमति बन गई थी, लेकिन जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने और सभी परीक्षाओं की जांच सीबीआई से कराने की मांग पर सहमति नहीं बन पाई थी।

इधर, छात्रों से वार्ता के लिए समय सोमवार की दोपहर 2.30 बजे तय किया गया था। लेकिन वार्ता से पहले ही मुख्यमंत्री ने मंत्रियों की बैठक बुलायी। इसके बाद उन्होंने परीक्षाएं रद्द करने की घोषणा कर दी।वहीं, मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद आंदोलन कर रहे छात्र नेता दवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जांच बहुत बारीकी से हो। इसमें शामिल हर भ्रष्ट व्यक्ति को पकड़ा जाये। इन गिरोहों के पीछे जो मास्टरमांइड है, उसे पकड़ा जाये। उन्होंने इन परीक्षाओं को रदद करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद आंदोलन कर रहे छात्रों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया है। प्रोजेक्ट भवन के पास मौजूद सैकडों छात्रों ने मुख्यमंत्री के समर्थन में नारेबाजी की।

टीडीपीएल द्वारा आयोजित ये परीक्षाएं होंगी रद्द

- जेपीएससी की 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा
- संयुक्त सिविल सेवा बैकलाग परीक्षा-2023
- संयुक्त सिविल सेवा बैकलाग परीक्षा 2025
- झारखंड पात्रता परीक्षा (जेट)
- वन क्षेत्र पदाधिकारी नियुक्ति परीक्षा
- सहायक वन संरक्षक नियुक्ति परीक्षा आदि।

तीसरी सोमवारी पर लखीसराय में भगदड़, सात महिला श्रद्धालुओं की मौत, 18 घायल

एजेंसी

लखीसराय: बिहार के लखीसराय जिले में अशोकधाम मंदिर परिसर के समीप तीसरी सोमवारी के अवसर पर आज सुबह भगदड़ मच जाने से सात महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गयी तथा 18 से अधिक लोग घायल हो गये।पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना अशोकधाम मंदिर परिसर से करीब 400 मीटर पश्चिम और अशोकधाम रेलवे स्टेशन से लगभग 100 मीटर की दूरी पर हुई। मंदिर में प्रवेश के लिए श्रद्धालुओं के पंक्तिबद्ध होने के दौरान धक्का-मुक्की शुरू हो गयी। भीड़ का दबाव बढ़ने से बांस की बैरिकेडिंग टूट गयी और महिलाओं का एक बड़ा समूह समीप स्थित रेलवे हाता के जलजमाव वाले क्षेत्र में गिर गया।

इसी दौरान भीड़ के दबाव से सड़क किनारे लगा बिजली का पोल भी गिर गया। पोल गिरने के बाद करंट फैलने की अफवाह से श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गयी और लोग जान बचाने के लिए भागने लगे। इस दौरान कई लोग एक-दूसरे के ऊपर गिर गये।

भगदड़ में सात महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गयी।मृतकों की पहचान सरोज देवी (65) मणिमाला देवी (44), हेमलता देवी (55), सावित्री देवी (48),सविता देवी (35), ललिता देवी (50) तथा रिंकू देवी के रूप में की गयी है। घायलों को सदर अस्पताल तथा निजी क्लीनिकों में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया।मृतकों के शव सदर अस्पताल लाये गये, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गयी।

इस बीच सदर अस्पताल के बाहर मृतकों के परिजनों ने शव रखकर सड़क जाम कर दिया है। प्रशासन की ओर से स्थिति सामान्य करने और परिजनों से बातचीत का प्रयास किया जा रहा है।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने श्रद्धालुओं की मौत पर शोक जताया और मृतक के परिजनों को चार लाख अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने घायलों का समुचित और शीघ्र इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

प्रधानमंत्री ने लखीसराय हादसे में मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख मुआवजे का ऐलान किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार में लखीसराय जिले के अशोकधाम शिव मंदिर में हुए हादसे में मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्रा कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पोस्ट में बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के निकटतम परिजन को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। हादसे में घायल हुए लोगों को 50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। पीएमओ ने कहा, प्रधानमंत्री ने बिहार के लखीसराय में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मृतकों के निकटतन परिजन के लिए पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की घोषणा की है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने लखीसराय में हुई दर्दनाक घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहार के लखीसराय में भगदड़ से हुई मौतों से वह बेहद दुखी हैं। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

बाबा बैद्यनाथ पर तीसरी सोमवारी पर तीन लाख कांवरियों ने किया जलाभिषेक

बिभा संवाददाता

देवघर। श्रावणी माह की तीसरी सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ धाम में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। बंगला सावन की अंतिम सोमवारी के साथ नाग पंचमी और मनसा पूजा के संयोग के कारण श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। अनुमान के मुताबिक करीब तीन लाख कांवरियों ने बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण किया। कांवरियों की कतार करीब सात किलोमीटर दूर चमारडीह तक पहुंच गई।

भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन सुबह से ही पूरी तरह मुस्तैद रहा। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानियां ने अहले सुबह रूटलाइन और मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को श्रद्धालुओं के साथ सेवा भाव से पेश आने एवं सुगम जलार्पण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

वहीं रविवार की देर रात को भी उपायुक्त ने नंदन पहाड़, कालीबाड़ी, कुमुदिनी घोष रोड, बरमसिया, सरकार भवन, बीएड कॉलेज, तिवारी चौक, जलसार मोड़ और शिवराम झा चौक सहित कई संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने सूचना केंद्र, मातृत्व विश्राम गृह, स्वास्थ्य केंद्र, पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था को लगातार सक्रिय रखने का निर्देश दिया। बाबा मंदिर परिसर स्थित केंद्रीय कंट्रोल रूम पहुंचकर उपायुक्त ने सीसीटीवी के माध्यम से रूटलाइन और मेला क्षेत्र की निगरानी की। भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। भीड़ अधिक होने के कारण कई कांवरियों ने मंदिर परिसर में बनाए गए बाह्य अर्घा से भी जलार्पण किया।

पं. बंगाल के तारापीठ के होटल में लगी आग, छह श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के तारापीठ मंदिर के सामने स्थित एक होटल में आज तड़के लगी आग में कम से कम छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और अन्य कई लोग झुलस गए । इन लोगों को रामपुरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। झुलसे लोगों की स्थिति को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

बताया गया है कि तारापीठ थाने से कुछ ही दूरी पर स्थित पांच मंजिला होटल विदेशिनी में सोमवार सुबह करीब साढ़े चार बजे यह हादसा हुआ। होटल के बिजली आपूर्ति केंद्र में अचानक विस्फोट के बाद आग लगी। शुरूआती अनुमान के मुताबिक, बिजली के तारों में खराबी के कारण विस्फोट हुआ।इस दौरान अधिकांश श्रद्धालु सो रहे थे। कुछ ही देर में लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। चारों ओर धुआं फैल गया। कई लोग अपने कमरों में फंस गए। सूचना मिलते ही तारापीठ और रामपुरहाट थाने की पुलिस तथा दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

होटल मालिक कल्याण पाल के अनुसार, सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों ने आग लगते ही अग्निशमन यंत्र चलाया और बिजली की आपूर्ति बंद करने का प्रयास किया। हालांकि, होटल की सजावट में इस्तेमाल रेशेदार सामग्री ने आग को तेजी से फैलने में मदद की। धुआं पांचवीं मंजिल तक पहुंच गया। कई श्रद्धालु घबराकर बाहर निकलने लगे और इसी दौरान आग की चपेट में आ गए।

होटल में ठहरे उत्तर 24 परगना जिले के बादुड़िया निवासी तपनज्योति मंडल ने बताया कि वह अपनी पत्नी, दो बच्चों, मां और बहन के साथ तारापीठ में पूजा करने आए थे। उनका परिवार करीब 45 मिनट तक होटल के कमरे में फंसा रहा। कमरे में खिड़की नहीं होने के कारण उन्होंने शौचालय के ऊपरी हिस्से से बाहर निकलने का प्रयास किया। बाद में तारापीठ पुलिस ने दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला। उनकी मां अभी भी बेहोश हैं, जबकि बहन झुलस गई है।

शिक्षा का मूल्य केवल अंकों से नहीं, सीखते रहने की क्षमता से तय होता है : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

तिरुवरूर। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूटीएन) का 11वां दीक्षांत समारोह सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित बहुउद्देश्यीय सभागार में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पद्मनाभन ने की। भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में हिस्सा लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं डिग्रियां प्रदान कीं।

समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों के बीच उपस्थित होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि यह दिन विश्वविद्यालय के इतिहास में एक अविस्मरणीय मील का पत्थर है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा को केवल परीक्षा में प्राप्त अंकों या डिग्री के आधार पर नहीं मापा जा सकता। शिक्षा का वास्तविक मूल्य व्यक्ति की स्वतंत्र रूप से सोचने की क्षमता, मिलकर कार्य करने की योग्यता और जीवनभर सीखते रहने की इच्छा से निर्धारित होता है।

सात महीने बाद नितिन नवीन ने घोषित की टीम-वसुंधरा राजे और राम माधव सहित 13 लोग राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाये गये

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन निवीन ने सोमवार को अपनी नई टीम की घोषणा कर दी। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, वरिष्ठ नेता राम माधव समेत 13 लोगों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े, हरीश द्विवेदी समेत आठ नेताओं को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

भाजपा की विज्ञप्ति के मुताबिक वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत जय पांडा, डी पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वषार्बेन नरेंद्रभाई दोशी, भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, एम. नागराज, तारिक मंसूर और मधुचंद्र कर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। बीएल संतोष राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) होंगे। शिव प्रकाश और सौदान सिंह को फिर राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गयी है। विनोद तावड़े, सुनील बंसल, विप्लब देव, स्मृति ईरानी, सतीश पूनिया, गजेन्द्र पटेल, हरीश द्विवेदी, संजय भाटिया राष्ट्रीय महासचिव होंगे। पीयूष गोयल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। पार्टी ने कुल 7 राज्यों से 8 महामंत्री बनाए हैं और सबसे ज्यादा दो नेता उत्तर प्रदेश से आते हैं। चार महिलाओं को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है।

राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व कविता पाटिदार, के सुरेन्द्रन, भोला सिंह, प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, संदीप पाठक, फांग्नोन कोन्यक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम वेंकटेशन , मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभू, स्वदेश सिंह, मृगांका देव बर्मन, रोहन गुप्ता, जय प्रकाश को सौंपा गया है। वहीं, तरुण चुग को राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी और महेन्द्र पांडे को राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री बनाया गया है। डॉ. संबित पात्रा को नॉर्थ ईस्ट संयोजक बनाया गया है। प्रकोष्ठ संकुल संयोजक विष्णु दत्त शर्मा को बनाया गया है। इस प्रकोष्ठ के सह संयोजक ऋतुराज सिंहा और विष्णु वर्धन रेड्डी को बनाया गया है।

हेमांग जोशी को युवा मोर्चा, रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा, अमरपाल मौर्य को ओबीसी मोर्चा, बंसीलाल गुर्जर को किसान मोर्चा, शिवेश कुमार राम को अनुसूचित जाति मोर्चा, जॉ. मन्नालाल रावत को अनुसूचित जनजाति और कुंवर बासित अली को अल्पसंख्क मोर्चा की कमान सौंपी गई है। अनिल बलूनी को फिर मीडिया संयोजक बनाया गया है। आशीष उषा अग्रवाल, प्रदीप भंडारी, सिद्धार्थ यादव को सह संयोजक बनाया गया है। दीपक म्हस्के को सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है। प्रीति गांधी, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट, अरुण यादव को सह संयोजक बनाया गया है।

कतर में रहने वाले भारतीय अब यूपीआई से जुड़े बैंक खातों में सीधे पैसे भेज सकेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। कतर में रहने वाले भारतीय अब डाकघरों के माध्यम से भारत में यूपीआई से जुड़े बैंक खातों में सीधे पैसे भेज सकेंगे। कतर-भारत धन प्रेषण (पोस्टल रेमिटेंस) सेवा 15 अगस्त से शुरू हो गई है। यह सुविधा डाक विभाग और कतर डाक समेत अन्य संबंधित संस्थाओं के सहयोग से शुरू की गई है।

केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि इस सेवा के तहत कतर में ग्राहक कतर डाक के डाकघर जाकर भारत में किसी व्यक्ति की यूपीआई आईडी के जरिए पैसे भेज सकेंगे। इसके लिए उन्हें प्राप्तकर्ता की यूपीआई आईडी के साथ जरूरी पहचान संबंधी जानकारी देनी होगी। भारत में पैसे प्राप्त करने वाले व्यक्ति को अपने यूपीआई ऐप में विदेश से धन प्राप्त करने की सुविधा सक्रिय करनी होगी। इसके बाद भेजी गई राशि सीधे उसके यूपीआई से जुड़े बैंक खाते में जमा हो जाएगी।

एक लेनदेन में न्यूनतम 10 कतर रियाल और अधिकतम 4,000 कतर रियाल भेजे जा सकेंगे। हालांकि, एक लेनदेन की अधिकतम भारतीय मुद्रा में सीमा एक लाख रुपये के बराबर होगी। प्रत्येक लेनदेन पर 15 कतर रियाल का सेवा शुल्क लिया जाएगा।

शक्ति, सृजन और संस्कार की वाहक है नारी : राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि आज महिलाएं जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं। विज्ञान, खेल, प्रशासन, उद्योग, शिक्षा एवं सामाजिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियां देश के लिए गौरव का विषय हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति, सृजन और संस्कार की वाहक के रूप में देखा गया है। इतिहास में अनेक महिलाओं ने अपने समय की सीमाओं से आगे बढ़कर समाज और राष्ट्र को दिशा दी है।

राज्यपाल सोमवार को रांची के ऑड्रे हाउस में डॉ. शोभा विजेन्द्र की ओर से लिखित पुस्तक शतायु संघ और महिला सहभागिता की परिचर्चा के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शतायु संघ और महिला सहभागिता पुस्तक एक शताब्दी की यात्रा के संदर्भ में महिलाओं की सहभागिता और समाज-निर्माण में उनकी भूमिका को समझने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने पुस्तक की लेखिका डॉ. शोभा विजेन्द्र को इस कृति के लिए बधाई देते हुए कहा कि पुस्तक केवल शब्दों का संकलन नहीं होती, बल्कि वह किसी समय के अनुभव, विचार और संवेदना को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का माध्यम होती है।

राज्यपाल ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किया जा रहा है। इसका प्रभावी क्रियान्वयन अभी आगे की संवैधानिक प्रक्रिया से जुड़ा है। प्रधानमंत्री ने सभी पक्षों से इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मिलकर आगे बढ़ने का आह्वान किया है। राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ने से वे देश की नीतियों और विकास की दिशा तय करने में और अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 की यात्रा में नारी शक्ति की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने निकट से देखा है कि पंचायतों एवं स्थानीय निकायों में महिलाएं अपने दायित्वों का कुशलता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि निर्णय-प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से विकास में संवेदना जुड़ती है और विकास अधिक मानवीय बनता है। उन्होंने कहा कि महिला सहभागिता की शुरूआत परिवार से होती है और उसका प्रभाव समाज एवं राष्ट्र तक पहुंचता है। एक शिक्षित महिला आने वाली पीढ़ी की दिशा को प्रभावित करती है, वहीं एक आत्मनिर्भर महिला परिवार और समाज में आत्मविश्वास तथा परिवर्तन की नई चेतना उत्पन्न करती है।

राज्यपाल ने डॉ. शोभा विजेन्द्र के महिला एवं बाल कल्याण, सामाजिक सेवा, शिक्षा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुभवों की व्यापकता इस पुस्तक को विशिष्ट दृष्टि प्रदान करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक शोधार्थियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं नई पीढ़ी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी तथा महिला सहभागिता के विभिन्न आयामों पर सार्थक चिंतन को प्रेरित करेगी।

एकरा मस्जिद से सुजाता चौक तक नगर निगम का विशेष अभियान, अतिक्रमण और अवैध विज्ञापनों पर कड़ी कार्रवाई

बिभा संवाददाता

रांची: शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और पैदल यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रांची नगर निगम ने 17 अगस्त 2026 को मेन रोड पर एक बड़ा जांच और अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। उप नगर आयुक्त रविंद्र कुमार के नेतृत्व में यह विशेष अभियान एकरा मस्जिद और रतन टॉकीज चौक से लेकर सुजाता चौक तक चलाया गया।

अभियान के दौरान चर्च कॉम्प्लेक्स, रोसपा टावर और हेब्रोन सिटी बिल्डिंग सहित अन्य भवनों के सेटबैक और सड़क चौड़ीकरण के लिए दी गई गिफ्ट डीड भूमि की मापी कर अतिक्रमण हटाया गया। इस क्रम में रोसपा टावर के गिफ्ट डीड क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे दो प्रतिष्ठानों को भी हटाया गया। वहीं, रोसपा टावर के सामने स्थित रीबॉक और स्केचर्स शोरूम द्वारा पार्किंग और गिफ्ट डीड की जमीन पर अवैध रूप से विज्ञापन लगाने के कारण दोनों पर 25,000-25,000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

पूरे मार्ग पर सघन अभियान चलाकर अवैध कब्जों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान नगर निगम की टीम ने पांच ठेले, एक गुमटी और अन्य सामान जब्त किए। इसके साथ ही, माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए मार्ग में 12 फीट से कम ऊंचाई वाले सभी होर्डिंग्स और मोनोपोल को हटा दिया गया। रोड डिवाइडर (मीडियन) पर बने मोनोपोल को भी उखाड़ दिया गया। इस अवसर पर उप नगर आयुक्त रविंद्र कुमार ने स्पष्ट किया कि रांची को मास्टर प्लान के अनुरूप व्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए यह जांच और कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि भवन निर्माण नियमों के उल्लंघन, अतिक्रमण और अवैध विज्ञापनों के खिलाफ आगे भी नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

नाग पंचमी पर ब्रह्माकुमारी केंद्र में हुई विशेष पूजा

रांची(बिभा)। कांके-पिठोरिया स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान में नाग पंचमी का पर्व सोमवार को बेहद श्रद्धा भाव से मनाया गया। इस अवसर पर विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम, पूजन, नाग देवता का भव्य श्रृंगार और श्रृंगार आरती का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत बीके राजमती बहन ने नाग कथा और पर्व के आध्यात्मिक रहस्यों के वर्णन से की। उन्होंने कहा कि नाग पंचमी केवल नाग पूजा का पर्व नहीं, बल्कि आत्मा के आंतरिक शुद्धिकरण और रूपांतरण का संदेश भी देता है। मनुष्य के भीतर काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकार विष के समान हैं। परमात्मा शिव की याद और ज्ञान के माध्यम से इन विकारों का त्याग कर जीवन को पवित्रता और शांति से भरना ही सच्ची नाग पंचमी है। मौके पर मुख्य यजमान आशुतोष द्विवेदी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से नाग देवता की पूजा की। समापन पर महाप्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर उर्मिला देवी, लीला देवी, कविता सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

सावन मिलन समारोह में महिला कांग्रेस ने महिलाओं के लिए काम करने का लिया संकल्प

रांची(बिभा)। सावन के पावन महीने के अवसर पर सोमवार को झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की ओर से सावन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से महिला कांग्रेस की अध्यक्ष और पदाधिकारियों के साथ सैकड़ों की संख्या में महिला कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, प्रदेश सह-प्रभारी डॉ सिरीबेला प्रसाद एवं भूपेंद्र मरावी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय उपस्थित थे। इस अवसर पर कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने, महिलाओं की संगठन में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने और सामाजिक एवं धार्मिक समरसता को मजबूत करने को लेकर विशेष चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन कार्यकताओं के बीच आपसी सौहार्द, भाईचारा और संगठनात्मक एकजुटता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में महिला कांग्रेस की कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव को मजबूत करने के साथ-साथ महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। सावन मिलन समारोह में महिला कांग्रेस की प्रदेश और जिला स्तर की महिला नेताओं और कार्यकताओं ने पारंपरिक उत्साह के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम में प्रतिभा पांडेय, आभा सिन्हा, सीता राणा, नीतिमा बाड़ी, मीनू सिंह, यशस्विनी सहाय, नीतू देवी, मेरी तिर्की, सुषमा कुमारी, सुनीता गोप, संगीता प्रधान, बेबी सिंह, शिखा सिंह, उषा सिंह सहित विभिन्न जिलों से आईं कई महिला कार्यकर्ता उपस्थित थीं।

संगिनी ग्रुप का सावन मिलन समारोह: निशा सुल्तानिया बनीं 'सावन क्वीन'

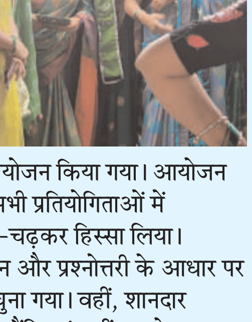

रांची(बिभा) : संगिनी ग्रुप की महिलाओं द्वारा सोमवार को सावन मिलन समारोह का धूमधाम से आयोजन किया गया। सावन थीम के अनुरूप सभी महिलाएं हरे रंग की खूबसूरत साड़ियों में सज-धज कर कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस अवसर पर महिलाओं के लिए कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आयोजन से जुड़ीं आशा किरण ने बताया कि सभी प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के परिणामों में लकी कूपन और प्रश्नोत्तरी के आधार पर निशा सुल्तानिया को 'सावन क्वीन' चुना गया। वहीं, शानदार प्रदर्शन करते हुए निशा सिन्हा 'सावन चैंपियन' बनीं। इसके अलावा आरती सिंह को 'प्रथम सावन सखी' और प्रियंका सिंह को 'द्वितीय सावन सखी' का खिताब प्रदान किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में सीमा साहू, आंचल, निशा और सुनीता सहित ग्रुप की कई अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं और उन्होंने सावन के इस उत्सव का भरपूर आनंद लिया।

ब्राउन शुगर के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के बीआईटी मेसरा थाना क्षेत्र की पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 89.32 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद ब्राउन शुगर की अनुमानित बाजार कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने महिला के पास से एक मोबाइल फोन और 20 हजार रुपये नकद भी बरामद किए हैं।

नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा ने सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बिहार की ओर से एक महिला भारी मात्रा में ब्राउन शुगर लेकर रांची आ रही है। सूचना के मुताबिक महिला बरियातू के जुमार पुल बस स्टैंड के पास उतरने के बाद रांची की ओर जाने वाली थी।

सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक, सदर के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम को जुमार पुल बस स्टैंड के पास तैनात किया गया और संदिग्ध महिला के आने का इंतजार किया गया।

पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 3:10 बजे जुमार पुल के पास एक महिला ऑटो में अकेली बैठी दिखाई दी। पुलिस टीम को अपनी ओर आते देखकर महिला घबरा गई और ऑटो से उतरकर भागने का प्रयास करने लगी। हालांकि छापेमारी दल में शामिल महिला चौकीदार की मदद से पुलिस ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

पूछताछ के दौरान महिला की पहचान मुन्नी देवी, पति बाबला राम, निवासी कोकर देवी मंडप जतरा टांड़, सदर थाना क्षेत्र, रांची के रूप में हुई। पुलिस ने महिला की तलाशी ली तो उसके हैंडबैग में छिपाकर रखा गया एक प्लास्टिक पाउच मिला। पाउच की जांच करने पर उसमें 89.32 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई।

इसके अलावा पुलिस ने महिला के पास से एक काले रंग का की-पैड मोबाइल फोन और 20 हजार रुपये नकद भी बरामद किए। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में मुन्नी देवी ने रांची के अलग-अलग चौक-चौराहों पर ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने की बात स्वीकार की है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ सदर थाना में वर्ष 2024 और 2025 में मामले दर्ज हैं। वर्ष 2025 में दर्ज मामले में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेज (एनडीपीएस) एक्ट की धाराएं भी शामिल थीं।

पुलिस ने गिरफ्तार महिला को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुलिस अब ब्राउन शुगर की आपूर्ति करने वाले स्रोत और रांची में इसकी खरीद-बिक्री से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला को नशीला पदार्थ कहां से मिला और रांची में इसकी सप्लाई तथा बिक्री के नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच के दौरान सामने आने वाली जानकारियों के आधार पर अन्य संदिग्धों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

खनिज संशोधन विधेयक के खिलाफ झामुमो का आंदोलन का ऐलान, पंचायत स्तर तक चलेगा जनजागरण अभियान

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची जिला की बैठक सोमवार को कडरू स्थित एक बैंक्वेट हॉल में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक मंडली प्रमुख मुस्ताक आलम ने की, जबकि संचालन केंद्रीय सदस्य सह महानगर संयोजक अंतु तिर्की ने किया। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा पारित खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। केंद्रीय सदस्य सह महानगर संयोजक अंतु तिर्की ने कहा कि विधेयक को वापस लेने की मांग को लेकर पार्टी जिला, प्रखंड और राज्य स्तर पर आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने के साथ आम लोगों को विधेयक के प्रावधानों और संभावित प्रभावों से अवगत कराने की जरूरत है। बैठक में प्रखंड स्तर से लेकर जिला और राज्य स्तर तक आंदोलन का बिगुल फूंकने पर सहमति बनी और कार्यकताओं को तैयारियों में जुटने का निर्देश दिया गया।

राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने आरोप लगाया कि खान एवं खनिज संशोधन विधेयक को जल्दबाजी में पारित कराया गया है। उन्होंने कहा कि इसके लागू होने से झारखंड के राजस्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिसका सीधा असर राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं पर पड़ेगा। सांसद ने दावा किया कि इससे राज्य के बकाये में करीब 1.60 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि खनिज संपदा से समृद्ध झारखंड के खनिज संसाधनों से जुड़े अधिकारों और राजस्व का राज्य के हित में संरक्षण जरूरी है।

रांची जिला संयोजक मंडली प्रमुख मुस्ताक आलम ने कहा कि विधेयक कानून बनने से झारखंड के हक-अधिकार का हनन होगा। उन्होंने कहा कि राजस्व में संभावित कमी का असर राज्य की विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे को लेकर चरणबद्ध आंदोलन करेगी और इसे प्रखंड एवं पंचायत स्तर तक ले जाया जाएगा।

बैठक में विधेयक के विरोध में व्यापक जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत पंचायत स्तर तक लोगों को जागरूक करने, प्रखंड मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन और पुतला दहन करने तथा जिला मुख्यालय में भी धरना एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित करने के प्रस्ताव रखे गए। केंद्रीय नेतृत्व की ओर से घोषित आंदोलनात्मक कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्णय लिया गया। पार्टी नेताओं ने कहा कि आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए कार्यकताओं के साथ आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही संगठन को बूथ और पंचायत स्तर तक मजबूत करने तथा कार्यकताओं को सक्रिय करने पर भी चर्चा हुई।

बकरी बाजार में शिव परिवार और हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा, निकली भव्य नगर यात्रा

बिभा संवाददाता

रांची : भारतीय युवक संघ, बकरी बाजार (रांची) द्वारा 14 से 19 अगस्त 2026 तक शिव परिवार और हनुमान जी का भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार (17 अगस्त) को सर्ववेदि पूजन, भगवान के महास्नान और नेत्रोंन्मीलन के बाद एक विशाल नगर यात्रा निकाली गई। इसमें श्रद्धालुओं ने सपरिवार बजरंगबली का झंडा लेकर और जयकारे लगाते हुए भारी संख्या में हिस्सा लिया।

नगर यात्रा का सफल संचालन संयोजक सौरभ बजाज, मनीष सरावगी, अंशुल मोदी और आशीष अग्रवाल ने किया। यात्रा के समापन पर मुख्य यजमान राजा बालोटिया और चेतन पोद्दार ने सपरिवार हवन-पूजन की विधि संपन्न की।

संघ के अध्यक्ष राहुल अग्रवाल ने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन के तहत मंदिर के नवनिर्मित स्वरूप का अनावरण भी किया जा रहा है, जिसे विद्वानों द्वारा विधि-विधान से संपन्न कराया जा रहा है। कार्यक्रम में सचिव रवि रोहतगी ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया, वहीं इसे सफल बनाने में संघ के कई अन्य गणमान्य सदस्यों का अहम योगदान रहा।

तेज रफ्तार पर लगेगी ब्रेक, ओवरस्पीडिंग पर कटेगा 1000 रुपये का ऑनलाइन चालान

रांची : राजधानी रांची की सड़कों पर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाना अब भारी पड़ सकता है। रांची ट्रैफिक पुलिस ने शहर के प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर 'स्पीड वायलेशन डिटेक्टर' (एसवीडी) कैमरे लगाए हैं। 40 और 60 किलोमीटर प्रति घंटे की निर्धारित गति सीमा को पार करते ही इन कैमरों की मदद से वाहन का 1,000 रुपये का ऑनलाइन चालान स्वतः कट जाएगा, जिसकी सूचना सीधे वाहन मालिक के मोबाइल नंबर पर मैसेज के जरिए भेज दी जाएगी। यातायात पुलिस द्वारा जारी जागरूकता पोस्टर के अनुसार, इस नियम को बेहद सख्ती से लागू किया जा रहा है। यदि कोई चालक तीन बार से अधिक गति सीमा का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है, तो उसका ड्राइविंग लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। प्रशासन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहर में सड़क हादसों पर नियंत्रण पाना और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाना है।

मनरेगा से बदली किसान की तस्वीर : आम बागवानी ने किरण मिन्ज के परिवार को दी नई आजीविका

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार इस बात पर जोर दे रही है कि विकास योजनाओं का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। ग्रामीण परिवारों को रोजगार के साथ ऐसी परिसंपत्तियाँ उपलब्ध कराने पर बल दिया जा रहा है, जो लंबे समय तक उनकी आय का आधार बन सकें। फलदार पौधों और बागवानी को आजीविका से जोड़ने की सोच भी इसी दिशा का हिस्सा है।

सिमडेगा जिला प्रशासन ने ग्रामीण विकास और आजीविका संवर्धन को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। बोलबा प्रखंड, ग्राम पंचायत और पंचायत स्तर के कर्मियों के समन्वय से योजना को जमीन पर उतारा गया। क्रियान्वयन से लेकर परिसंपत्ति के पूर्ण होने तक स्थानीय स्तर पर निगरानी और सहयोग ने इस पहल को सफल बनाया।

झारखंड के ग्रामीण इलाकों में आज भी कई परिवार अपनी जमीन से जुड़ी आजीविका की तलाश में संघर्ष करते हैं। खेती पर निर्भर परिवारों के लिए नियमित आय का अभाव अक्सर बड़ी चुनौती बन जाता है। लेकिन जब सही योजना, सही समय और सही सहयोग मिल जाए, तो वही जमीन समृद्धि का आधार बन सकती है। सिमडेगा जिले के बोलबा प्रखंड के मलसरा ग्राम की किरण मिन्ज की कहानी इसी बदलाव की मिसाल है।

किरण मिन्ज अनुसूचित जनजाति परिवार से हैं। उनके परिवार में कुल पाँच सदस्य हैं। आजीविका का मुख्य सहारा कृषि ही था। बच्चों की पढ़ाई, घर के खर्च और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना आसान नहीं था। सीमित संसाधनों के कारण खेती से नियमित और पर्याप्त आय हासिल करना कठिन था। परिवार की स्थिति साधारण थी—मेहनत तो थी, लेकिन स्थायी आय का कोई ठोस आधार नहीं।

ऐसे समय में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने किरण के परिवार को एक नया अवसर दिया। ह्लकिरण मिन्ज का आम बागवानी 2021-22ह्व नाम से योजना 29 मई 2021 को स्वीकृत हुई। कुल ?3,71,591 की लागत से आम बागवानी की परिसंपत्ति तैयार की गई। कार्य 30 जनवरी 2026 को पूरा हुआ और इस दौरान 992 मानव-दिवस का रोजगार भी सृजित हुआ।

बागवानी के साथ परिवार ने केवल फल उत्पादन पर निर्भर रहने के बजाय मिश्रित और अंतरवर्ती खेती का मॉडल अपनाया। आम के पौधों के बीच अरहर, मक्का तथा मौसमी सब्जियाँ—भिंडी, लौकी और टमाटर—उगाई गईं। इससे जमीन का बेहतर उपयोग हुआ और परिवार को अलग-अलग फसलों से आय का अवसर मिला। मनरेगा के तहत सिंचाई के लिए कुएँ जैसी सुविधा भी उपलब्ध हुई, जिससे मिश्रित खेती को मजबूती मिली। धीरे-धीरे बागवानी सिर्फ एक परिसंपत्ति नहीं रह गई, बल्कि परिवार की आजीविका का मजबूत आधार बन गई।

परियोजना से पहले इस गतिविधि से परिवार की वार्षिक आय शून्य थी। हस्तक्षेप के बाद वार्षिक आय ?12,000 दर्ज की गई। सिंचित भूमि का क्षेत्रफल शून्य से बढ़कर एक एक-ड़ हो गया और कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई। परिवार के पास दो पशु भी हैं, जिससे कृषि के साथ पशुपालन आधारित आजीविका की संभावनाएँ और बढ़ी हैं।

यह बदलाव बताता है कि जब ग्रामीण परिवार को रोजगार के साथ टिकाऊ परिसंपत्ति उपलब्ध कराई जाए, तो मनरेगा केवल मजदूरी देने वाली योजना नहीं रह जाती। यह स्थायी आजीविका निर्माण का माध्यम बन जाती है।

आज किरण मिन्ज का आम बागान सिर्फ पेड़ों का समूह नहीं है। यह उस बदलाव का प्रतीक है, जिसमें मनरेगा का रोजगार, कृषि भूमि, सिंचाई और बागवानी मिलकर ग्रामीण परिवार के लिए आय का नया आधार तैयार करते हैं। लाभार्थी ने योजना से लाभ मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए प्रखंड पदाधिकारियों, कर्मचारियों और पंचायत कर्मियों के प्रति आभार जताया।

किरण मिन्ज की यह कहानी सिमडेगा के ग्रामीण क्षेत्रों में एक विश्वास को मजबूत करती है-सही योजना, समय पर सहयोग और मजबूत प्रशासनिक निगरानी से गाँव की जमीन ही परिवार की समृद्धि का आधार बन सकती है।

तीसरी सोमवारी पर पहाड़ी मंदिर सहित अन्य शिवालयों में उमड़ी लोगों की भीड़

बिभा संवाददाता

रांची। सावन की तीसरी सोमवारी और नागपंचमी पर रांची के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर सहित अन्य शिवालयों में सोमवार की सुबह से देर शाम तक लोगों की भीड़ देखी गई। पहाड़ी मंदिर में रविवार देर रात नामकुम के स्वर्णरेखा से जल लेकर तड़के सुबह से ही भक्त भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर रहे हैं। पहाड़ी मंदिर में श्रद्धालुओं का आना तड़के सुबह 3:30 बजे से ही शुरू हो गया था। मंदिर प्रशासन ने सुबह 4 बजे से दर्शन और जलार्पण की व्यवस्था शुरू कर दी थी। इसके बाद दिनभर भक्तों की लंबी कतारें लग रही है, महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग सभी भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए उत्साह के साथ पहुंचे। भक्त अपने साथ गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, दूध, पुष्प और अन्य पूजन सामग्री लेकर मंदिर पहुंचे और विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। सुबह मंदिरों के पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ हाथों में गंगाजल, बेलपत्र और फूल लिए जलाभिषेक करने मंदिर पहुंचने लगे थे।

इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंज उठे। भगवा रंग में रंगे भक्तों से शिवालयों में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। पहाड़ी मंदिर के अलावा सुरेश्वर धाम, लिंगेश्वर मंदिर और अरगोड़ा बूढ़ा महादेव मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने कतार में खड़े होकर अपनी बारी आने पर विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक कर सुख, शांति, समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की।

सावन की सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था देखने को मिली। कुंवारे युवक-युवतियों ने भगवान शिव से मनचाहे जीवनसाथी की कामना की। वहीं नौकरीपेशा लोगों ने कारोबार में तरक्की और आर्थिक समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

जबकि स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में अच्छे अंक, सफलता और उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ भोलेनाथ के चरणों में शीश नवाया।

रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं ने भी शिवालयों में पहुंचकर भगवान शिव से जल्द नौकरी मिलने की प्रार्थना की। कई श्रद्धालुओं ने मनोकामना पूरी होने पर दोबारा मंदिर आकर जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करने का संकल्प लिया।

वहीं, जिन भक्तों की मनोकामनाएं पूरी हो चुकी थीं, उन्होंने भगवान शिव को जल चढ़ाकर, नारियल अर्पित कर और पूजा-अर्चना कर आभार जताया।

इस वर्ष श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन, पहाड़ी मंदिर विकास समिति, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों, आदिवासी समाज तथा पाहन समाज के लोगों ने मिलकर व्यापक व्यवस्था की है। मंदिर में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग बनाए गए हैं, जिससे भीड़ का दबाव एक स्थान पर न बने।

महिलाओं और पुरुषों के लिए भी अलग-अलग कतारों की व्यवस्था की गई है। मुख्य गर्भगृह में जलार्पण के दौरान पहले महिलाओं को प्रवेश दिया जा रहा है, उसके बाद पुरुष श्रद्धालुओं को दर्शन और जलाभिषेक का अवसर मिल रहा है। इससे व्यवस्था काफी अनुशासित और सुचारू बनी रही।

श्रद्धालु शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से कतारबद्ध होकर मंदिर की सीढ़ियां चढ़ते नजर आए। स्वयंसेवक लगातार श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करते रहे, जबकि प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। भीड़ अधिक होने के बावजूद कहीं भी अफरा-तफरी की स्थिति देखने को नहीं मिली। दूसरी ओर चुटिया के सुरेश्वर धाम, कोकर के शिव मंदिर, लालपुर, डोरंडा, बरियातू, हिनू, हरमू , थड़पकना सहित अन्य शिवालयों में भी सोमवार सुबह से ही भीड़ लगी हुई थी। सभी भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख समृद्धि मांग रहे थे।

जेपीएससी इंटरव्यू मैनेज के नाम पर 40 लाख की वसूली के आरोप में अजीता भट्टाचार्य का पीए बीएन राम गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही सीआईडी ने जेपीएससी की तत्कालीन सदस्य डॉ. अजीता भट्टाचार्य के निजी सहायक (पीए) बीएन राम को गिरफ्तार किया गया है। उन पर जेपीएससी के साक्षात्कार में अभ्यर्थियों को मैनेज कराने के नाम पर करीब 40 लाख रुपये की वसूली करने का आरोप है।

जांच एजेंसी को आशंका है कि साक्षात्कार में अंक बढ़वाने और चयन सुनिश्चित कराने के नाम पर अभ्यर्थियों से बड़ी रकम की मांग की गई थी। इसी मामले में बीएन राम की भूमिका की जांच की जा रही थी। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सीआईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया है।

वहीं, जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष एल. खियांग्ते से भी सीआईडी ने लगातार दो दिनों तक पूछताछ की। पूछताछ पूरी होने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है। जेपीएससी में कथित गड़बड़ी, साक्ष्य से छेड़छाड़ और परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने से जुड़े मामलों में सीआईडी पहले से ही जांच कर रही है।

बीएन राम की गिरफ्तारी और एल खियांग्ते को जेल भेजे जाने के बाद जेपीएससी मामले की जांच में एक और अहम कड़ी जुड़ गई है। अब जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इंटरव्यू मैनेज करने के नाम पर कथित तौर पर 40 लाख रुपये की रकम की वसूली कैसे और किन लोगों तक पहुंची। साथ ही इस पूरे नेटवर्क में जेपीएससी के तत्कालीन पदाधिकारियों और अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

छात्र आंदोलन को लेकर भाजपा नेताओं ने राज्यपाल से की मुलाकात, हस्तक्षेप की मांग

रांची(बिभा) : झारखंड में चल रहे छात्र आंदोलन और राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने राज्यपाल से मुलाकात की। भाजपा नेताओं ने राज्यपाल को अवगत कराया कि रांची में पिछले 24 दिनों से न्याय की मांग को लेकर आंदोलनरत और आमरण अनशन कर रहे कई छात्रों की हालत गंभीर है, अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है, लेकिन राज्य सरकार उनकी मांगों की लगातार अनदेखी कर रही है। नेताओं ने सरकार पर वार्ता के नाम पर छात्रों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए राज्यपाल से इस मामले में हस्तक्षेप कर जल्द समाधान निकालने का आग्रह किया। इस पर महामहिम राज्यपाल ने नेताओं को आश्वासन दिया कि राज्य की मौजूदा परिस्थितियों पर उनकी पैनी नजर है।

रिम्स मनोरोग विभाग के सहायक प्राध्यापक ने संभाला पद

रांची(बिभा)। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची के मनोरोग विभाग में नव चयनित सहायक प्राध्यापक डॉ विद्या केएल ने सोमवार को अपने पद पर योगदान दिया। डॉ विद्या केएल ने जियाट्रीक साईट्री में डीएम की विशेषज्ञता हासिल की है। उनके योगदान से रिम्स में वृद्धजनों से जुड़ी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। मनोरोग विभागाध्यक्ष प्रो डॉ अजय बाखला ने डॉ विद्या के योगदान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग के लिए यह खुशी की बात है कि जियाट्रीक साईट्री में डीएम विशेषज्ञता रखने वाली डॉ विद्या केएल ने सहायक प्राध्यापक के रूप में योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से जल्द ही जियाट्रीक साईट्री के लिए विशेष ओपीडी शुरू करने की योजना है। रिम्स में विशेष ओपीडी शुरू होने से वरिष्ठ नागरिकों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए विशेषज्ञ परामर्श और उपचार की समर्पित सुविधा मिल सकेगी। इससे वृद्धजनों में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं की पहचान, परामर्श और उपचार को अधिक व्यवस्थित तरीके से उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। डॉ विद्या केएल के योगदान को रिम्स के मनोरोग विभाग में विशेषज्ञ सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। रिम्स प्रबंधन ने उनका स्वागत करते हुए सफल कार्यकाल के लिए बधाई दी।

झारखंड स्टेट फामेर्सी काउंसिल के रजिस्ट्रार सह सचिव बदले, रंजीत कुमार चौधरी को मिला प्रभार

रांची(बिभा)। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने झारखंड स्टेट फामेर्सी काउंसिल, बरियातू, रांची के रजिस्ट्रार सह सचिव के पद पर प्रशासनिक बदलाव किया है। सोमवार को विभाग की ओर से जारी आदेश के तहत वर्तमान रजिस्ट्रार सह सचिव प्रशांत कुमार पाण्डेय के स्थान पर रंजीत कुमार चौधरी को औपबंधिक प्रभार सौंपा गया है। स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव दिनेश कुमार यादव के हस्ताक्षर से जारी कार्यालय आदेश 17 अगस्त 2026 को प्रभावी किया गया है। विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि रंजीत कुमार चौधरी वर्तमान में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल में सहायक निदेशक (औषधि)-कके पद पर कार्यरत हैं। विभाग ने उन्हें झारखंड स्टेट फामेर्सी काउंसिल के रजिस्ट्रार सह सचिव का औपबंधिक प्रभार प्रदान किया है। विभागीय कार्यालय आदेश के अनुसार, प्रशांत कुमार पाण्डेय को 14 अक्टूबर 2024 के विभागीय कार्यालय आदेश के माध्यम से झारखंड स्टेट फामेर्सी काउंसिल के रजिस्ट्रार सह सचिव का औपबंधिक प्रभार दिया गया था। इसके बाद तीन जुलाई 2026 को काउंसिल के अध्यक्ष को पत्र भेजकर पाण्डेय के स्थान पर अन्य नामों की अनुशंसा करने को कहा गया था। निर्धारित समयावधि बीत जाने के बावजूद इस संबंध में जवाब प्राप्त नहीं हुआ। आदेश में पाण्डेय के विरुद्ध कई परिवाद पत्र प्राप्त होने का भी उल्लेख किया गया है। इन परिस्थितियों को देखते हुए विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था के तहत रंजीत कुमार चौधरी को रजिस्ट्रार सह सचिव का औपबंधिक प्रभार देने का निर्णय लिया है। प्रस्ताव को विभागीय मंत्री का अनुमोदन भी प्राप्त है।

छात्रों की जायज मांगों के समाधान का प्रयास जारी, जल्द निकलेगा रास्ता : के. राजू

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ने कहा कि राज्य सरकार छात्रों के मुद्दे को लेकर गंभीर है और उनकी जायज मांगों के समाधान का प्रयास लगातार जारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही छात्रों की सभी जायज मांगों का समाधान कर दिया जाएगा। के. राजू सोमवार को रांची स्थित कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

के. राजू ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरे देश में ह्यछात्रों की गूंजह्न कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से छात्रों की आवाज को मजबूती से उठाया गया। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की जरूरत पर चर्चा तेज हुई है।

कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि राहुल गांधी का स्पष्ट संदेश है कि शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधार किया जाए और ऐसी प्रभावी व्यवस्था विकसित हो, जिससे पेपर लीक जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने नीट परीक्षार्थियों के आंदोलन का समर्थन करते हुए छात्रों की जायज मांगों को लेकर सदन से लेकर सड़क तक आवाज उठाने की बात कही।

के. राजू ने कहा कि उन्होंने झारखंड में आंदोलनरत छात्रों को भी अपना समर्थन दिया है। सरकार को छात्रों की जायज मांगों का जल्द समाधान करना चाहिए। छात्र देश का भविष्य हैं और उनकी मांगों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात कर छात्रों की समस्याओं के समाधान का मुद्दा उठाया गया है। सोमवार को भी समिति ने छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता की है। उन्होंने विश्वास जताया कि जल्द ही छात्रों की सभी जायज मांगों पर सकारात्मक समाधान निकलेगा।

के. राजू ने खान एवं खनिज (संशोधन) विधेयक, 2026 को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इतने महत्वपूर्ण विधेयक को संसद में पारित करने से पहले राज्य सरकारों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया जाना चाहिए था, विशेषकर उन राज्यों के साथ जिनकी अर्थव्यवस्था खनिज संसाधनों और सेस से मिलने वाले राजस्व पर काफी हद तक निर्भर है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की केंद्र सरकार जानबूझकर ऐसे निर्णय ले रही है, जिनसे झारखंड सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने विशेष रूप से ह्यमंईयां सम्मान योजनाह्न के माध्यम से महिलाओं को मिल रहे लाभ को प्रभावित करने का प्रयास किए जाने का आरोप लगाया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि मंगलवार को पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमिटी (पीएसी) की बैठक बुलाई गई है। इसमें समसामयिक राजनीतिक और संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लगातार झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है और राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं को बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य के अधिकार और हितों की रक्षा के लिए मजबूती से संघर्ष करेगी।

कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि खान एवं खनिज (संशोधन) विधेयक, 2026 संघीय ढांचे पर प्रहार है। राज्यों से पर्याप्त विचार-विमर्श और सहमति के बिना इस तरह का कानून लाना संघीय व्यवस्था की भावना के विपरीत है।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि आंदोलनरत छात्रों के प्रतिनिधियों से वार्ता हुई है और उन्हें उम्मीद है कि छात्रों के हित में सार्थक एवं सकारात्मक फैसला लिया जाएगा। मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने विधेयक को झारखंड के आदिवासी-मूलवासी हितों के विरुद्ध बताया।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कांग्रेस छात्रों की सभी जायज मांगों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से छात्रों की जायज मांगों को स्वीकार कर उनकी समस्याओं के समाधान की बात कही है।

सीबीआई जांच की मांग पर अड़े छात्र कहा, आंदोलन रहेगा जारी

बिभा संवाददाता

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच और छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो गुट ने मुख्यमंत्री की ओर से परीक्षाओं को रदद करने की घोषणा के बाद भी आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

जयपाल सिंह स्टेडियम में रिफॉर्म मंच के छात्र अभ्यर्थियों ने स्पष्ट किया कि सिर्फ परीक्षा रद्द करने से आंदोलन समाप्त नहीं होगा। छात्रों ने कहा कि जेपीएससी और सीजीएल सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

छात्र उमेश प्रसाद ने कहा कि सीबीआई जांच के बगैर छात्रों की मांग पूरी नहीं मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई जरूरी है।

मंच की ओर से छात्र प्रसन्नजीत कुमार सहित अन्य अभ्यर्थियों ने कहा कि सरकार ने अपनी बात सामने रखी है, लेकिन आंदोलन की मुख्य मांगों पर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जब तक पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक रिफॉर्म मंच का आंदोलन जारी रहेगा।

छात्र प्रतिनिधियों ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य न सिर्फ किसी एक परीक्षा को रद्द कराना नहीं, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कराना है। इस मांग को लेकर छात्र आगे भी आंदोलन को जारी रखेंगे।

सीएमपीडीआई की 51वीं वार्षिक आम बैठक वर्चुअली संपन्न

बिभा संवाददाता

रांची : सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) की 51वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 17 अगस्त 2026 को रांची स्थित कंपनी मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता सीएमपीडीआईएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक चौधरी शिवराज सिंह ने की।

बैठक में सीएमपीडीआई के कार्यकारी निदेशकों (अजय कुमार, राजीव कुमार सिन्हा, नृपेन्द्र नाथ और आनंद मोहन) के अलावा कोल इंडिया के निदेशक (वित्त) मुकेश अग्रवाल, कोयला मंत्रालय के निदेशक (तकनीकी) मारपल्ली वेंकटेश्वरलू और स्वतंत्र निदेशक राजेश दवेरा व आनंद शेखर सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही सीएमपीडीआई के सीएफओ, कंपनी सचिव और विभिन्न वैधानिक व सेक्रेटेरियल ऑडिटर्स के प्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस वार्षिक आम बैठक के दौरान शेयरधारकों ने रिमोट ई-वोटिंग और वर्चुअल प्लेटफॉर्म के जरिए सामान्य और विशेष कामकाज से जुड़े प्रस्तावों पर गहन विचार-विमर्श किया और मतदान की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

झारखंड पुलिस के 12 दारोगा बने इंस्पेक्टर, 37 पुलिसकर्मियों को मिला प्रमोशन

बिभा संवाददाता

रांची। नक्सलियों और अपराधियों के खिलाफ अभियानों में बहादुरी और उत्कृष्ट कार्य करने वाले झारखंड पुलिस के 37 पुलिसकर्मियों को प्रोन्नति दी गई है। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी आदेश के तहत इनमें 12 दारोगाओं को इंस्पेक्टर बनाया गया है। इसके अलावा एएसआई, हवलदार और आरक्षी स्तर के कर्मियों को भी पदोन्नति का लाभ मिला है। डीजीपी की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के बाद पुलिस महानिरीक्षक (मानवाधिकार) की ओर से प्रोन्नति आदेश जारी किया गया। इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति पाने वाले दारोगाओं में सुशील टुडू, प्रभात रंजन राय, फागू होरो, रामेश्वर भगत, सत्येंद्र कुमार सिंह, अर्जुन कुमार सिंह, शैलेंद्र कुमार सिंह, कुंदन कुमार, रौशन कुमार सिंह, विक्रांत कुमार, सदानंद सिंह और विश्वजीत कुमार सिंह शामिल हैं।

इन पुलिसकर्मियों ने नक्सलियों और संगठित अपराधियों के खिलाफ विभिन्न अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी बहादुरी और बेहतर कार्य को देखते हुए उन्हें प्रोन्नति प्रदान की गई है।

प्रोन्नति आदेश के अनुसार संबंधित पुलिसकर्मियों को प्रोन्नत पद पर वरीयता का लाभ बहादुरी से जुड़ी घटना की तारीख से मिलेगा। हालांकि, बढ़े हुए वेतनमान का आर्थिक लाभ प्रोन्नत पद पर योगदान देने की तिथि से ही मिलेगा।

वहीं, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, हजारीबाग और रांची में तैनात कई हवलदारों और आरक्षियों को भी क्रमशः एएसआई और हवलदार के पद पर प्रोन्नति दी गई है। कुछ पुलिसकर्मियों को बैकडेट से प्रोन्नति और वरीयता का लाभ भी प्रदान किया गया है।

पुलिस मुख्यालय ने संबंधित जिलों के एसएसपी, एसपी और समादेष्टाओं को निर्देश दिया है।

हर घर तिरंगा' अभियान के तहत गांधी नगर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के द्वारा सोमवार को ह्यहर घर तिरंगा अभियान के तहत डीएवी पब्लिक स्कूल, गांधीनगर में भव्य तिरंगा यात्रा एवं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीसी एंड पीआर विभाग, सीसीएल के प्रमुख श्री आलोक कुमार गुप्ता, विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी, डीएवी गांधी नगर के प्रधानाध्यापक श्री पी. के. झा, शिक्षकगण तथा सैंकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के तहत विद्यालय परिसर से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सीसीएल के अधिकारियों-कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ गांधी नगर कैंपस का भ्रमण किया। देशभक्ति के नारों और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान के साथ यात्रा पूरे कैंपस का भ्रमण करते हुए पुनः विद्यालय परिसर में आकर संपन्न हुई।

गौरतलब है कि सीसीएल मुख्यालय समेत विभिन्न कोयला क्षेत्रों में 9 से 17 अगस्त, 2026 तक हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत आज सीसीएल गांधी नगर कैंपस में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करना है।

इस अवसर पर सीसी एंड पीआर विभाग, सीसीएल के प्रमुख श्री आलोक कुमार गुप्ता ने कहा कि ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से विशेष रूप से युवा पीढ़ी में देश के प्रति गौरव और जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि सीसीएल सदैव सामाजिक सरोकारों एवं राष्ट्रीय अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाता रहा है और आगे भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

ई–एनआईटी सं. एसटी–आरएनसीटी3–26–सीसीटीवीयार्ड–एलसी॥, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, राँची द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम** : निम्नलिखित के संबंध में एस एंड टी कार्य का निष्पादन 1) रांची मंडल के 9 स्टेशनों पर यार्ड क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और आरंभ। 2) रांची मंडल में 5 वर्षों की अवधि के लिए व्यापक एएमसी के साथ 11 एलसी गेटों (नॉन–इंटरलॉक्ड) पर क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन प्रणाली का प्रावधान। **विज्ञापित लागत:** रु.2,72,88,031.29, **बयाना राशि:** रु.5,45,800/–, **निविदा कागजात की लागत (रु.)** :0, **ई–निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 07.09.2026 को 11.00 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 24.08.2026, **वेबसाइट का विवरण एवं वर्णन:** **www.ireps.gov.in** (कार्य निविदा)। **(PR-627)**

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के कार्य में खानापूर्ति बर्दाश्त नहीं : के. रवि कुमार

बिभा संवाददाता

धनबाद। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने सोमवार को धनबाद जिले के कतरास, झरिया एवं बाघमारा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित निर्वाचन पदाधिकारियों, बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित एवं समावेशी बनाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर खानापूर्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक ईआरओ, एईआरओ, अतिरिक्त एईआरओ, बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता, पारदर्शिता एवं पूरी जवाबदेही के साथ निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर एसआईआर से संबंधित कार्यों में शिथिलता अथवा लापरवाही पाई जाएगी, वहां के संबंधित बीएलओ सुपरवाइजर की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

उन्होंने संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) को निर्देश दिया कि एसआईआर के कार्यों में किसी भी स्तर पर कोताही पाए जाने पर उसे गंभीरता से लेते हुए सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से जुड़े प्रत्येक पदाधिकारी एवं कर्मी को यह समझना होगा कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

श्री के. रवि कुमार ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छूटे तथा किसी भी विदेशी नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो। इसके लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सूची से संबंधित तथ्यों एवं उपलब्ध अभिलेखों की गंभीरता से जांच करते हुए निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप कार्य किया जाए।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को क्षेत्र में सक्रिय रहकर मतदाताओं से संपर्क बनाए रखने तथा मतदाता सूची से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं में उन्हें समुचित सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एक परिवार एवं घर के मतदाता एक ही मतदान केंद्र पर सूचीबद्ध हों, पात्र युवा भारतीय नागरिक भी मतदाता सूची से जुड़े इस हेतु उन्हें फॉर्म 6 एवं घोषणापत्र भरने हेतु प्रेरित करें एवं किसी मतदाता को ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपने नाम, पता, उम्र आदि किसी विसंगति को ठीक करना है तो उनसे फॉर्म 8 अवश्य भरवाएं।

सदर अस्पताल में डॉक्टर नहीं, कंपाउंडर कर रहे इलाजः जख्मी कांवरिया आए तो डॉक्टर गायब रहे

बिभा संवाददाता

बोकारो। सदर अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल उठ गए हैं। जलाभिषेक के लिए जा रहे कांवरिया कैलाश कुमार चौहान की एक ट्रक से टकराने के बाद गंभीर रूप से घायल हो जाने की घटना सामने आई। घायल को भाजपा के स्थानीय नेता अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टर नहीं मिले और कंपाउंडरों ने प्राथमिक इलाज संभाला।

घायल के परिजन और भाजपा के नगर अध्यक्ष विशाल कुमार गौतम का कहना है कि अस्पताल में डॉक्टरों की अनुपस्थिति और दवाइयों की कमी आम बात हो चुकी है। गौतम ने फोन पर बताया कि बेहोशी दिलाने वाली दवाइयां उपलब्ध नहीं थीं और प्राथमिक जख्मों का इलाज अक्सर प्रशिक्षु स्टाफ या कंपाउंडर ही करते नजर आते हैं। उन्होंने कहा, यहां मरीजों के साथ जानवरों की तरह बर्ताव होता है। एक और मामला अस्पताल के आउटडोर में देखने को मिला, जहां टूटे हुए हाथ पर कच्चा प्लास्टर बिना डॉक्टर की उपस्थिति में प्रशिक्षु स्टाफ द्वारा किया गया। इस तरह की घटनाओं ने अस्पताल की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। लेकिन सिविल सर्जन का कहना है कि दवाइयों की कमी या डॉक्टरों की गैरमौजूदगी की शिकायतें निराधार हैं। उनका दावा है, ₹हमारे यहां दवाइयों की कमी नहीं है और ऐसी कोई परिस्थिति नहीं होती जहाँ डॉक्टर मौजूद न हों।₹ अधिकारियों की इस दलील को भाजपा के नेताओं और परिजनों ने खारिज किया है और कहा कि वास्तविकता बदतर है। भाजपा नगर अध्यक्ष विशाल गौतम ने कहा कि वे इस मामले को लेकर जिला प्रशासन के पास ज्ञापन सौंपेंगे और आवश्यक कार्रवाई की मांग करेंगे। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से त्वरित सुधार और इमरजेंसी वॉर्ड में डॉक्टरी ड्यूटी सुनिश्चित करने की अपील की है।

अस्पताल प्रशासन की ओर से ऊपरी बयान और स्थानीय लोगों की शिकायतों के बाद यह सवाल उभरता है कि क्या सदर अस्पताल के संचालन में सुधार के लिए तत्काल निरीक्षण और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई आवश्यक नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

शिव भक्त कांवरियों की सेवा में ही जीवन का आनन्द : बीके चौधरी

बोकारो(बिभा)। पवित्र सावन महीने के अवसर पर प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी सखा सहयोग सुरक्षा समिति की और से समिति के संरक्षक सह महामंत्री बी के चौधरी के नेतृत्व में चिडका धाम जाने वाले शिव भक्त कावरियो के लिए कुरा मोड़ चास में शिविर कैम्प लगाया गया, शिव भक्त स्थानीय दामोदर नदी से जल उठाते हैं, रास्ते में किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े इसी को ध्यान में रखते हुए कावरियो के लिए जिसमें पुरुष, बच्चें, महिलाये, माताएँ, युवा बम शामिल होते हैं उसी को ध्यान में रखते हुए गरमा गरम कड़क चाय गर्म पानी, ठंडा पानी,पानी का फव्वारा, बिस्किट, फल, फूल, अगरबत्ती दवाई इत्यादि का प्रबंध किया गया उसे श्रद्धालुओं ओर भक्त जनों के बीच सफलतापूर्वक वितरण किया गया। इस अवसर पर कावरियो के लिए समिति द्वारा बम बम भोलेनाथ का धार्मिक गाने के लिए डीजे, एवं एलईडी स्क्रीन का भी व्यवस्था किया गया था, शिव भक्त शिविर में रुककर नाचते गाते, एवं प्रसाद का ग्रहण करते हुए , चिडका धाम के लिए प्रस्थान कर जाते हैं, देर रात तक कावरियो के सेवा के लिए समिति के सदस्यगण समर्पित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका में मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष यू सी कुम्भकार, समिती के कोषाध्यक्ष आर बी चौधरी,एन के सिंह, बरिया तेली, आई अहमद, देवेन्द्र गौराई, रामदेव प्रसाद, बी एन तिवारी, रोशन कुमार,अभिमन्यू माँझी, सुभाष चंद्र महतो, राजेन्द्र प्रसाद, एस के पी साव, आमोद कुमार, धीरेन्द्र रजवार, डी एन महली, जितेन्द्र सिंह, इमरान अंसारी, सतेंदर कुमार, सुरेन्द्र शर्मा, राजेश कुमार, हरेन्द्र लहरी,प्रदीप लहरी राजेन्द्र राम इत्यादि का सफलतापूर्वक कार्यक्रम बनाने में अहम योगदान रहा है।

जिला कांग्रेस कार्यालय में 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

बोकारो (बिभा): 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बोकारो जिला कांग्रेस कार्यालय में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ नेताओं, पार्टी पदाधिकारियों और सैकड़ों कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष श्री जवाहर लाल माहथा द्वारा ध्वजारोहण था, जिसके बाद राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। उपस्थित सभी ने राष्ट्रगान गाया और भारत माता के जयकारों से परिसर देशभक्ति के रंग में रंग उठा। समारोह में बोलते हुए अध्यक्ष जवाहर लाल माहथा ने कहा कि सैकड़ों वर्षों के संघर्ष और हजारों वीर सपूतों के बलिदान के बूते हमें आजादी मिली है, जिसे व्यर्थ नहीं जाने देंगे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता की रक्षा के लिए पार्टी और देशवासी हमेशा तत्पर रहेंगे और आवश्यक होने पर अपनी कुर्बानियां देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह संकल्प भी लिया कि इस तिरंगे को कभी झुकने नहीं देंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल, अशोक मिश्रा, प्रेम राय, असीम शर्मा, अली अंसारी, राजकुमार विद्यार्थी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष नितेश भारद्वाज, पूर्व उपाध्यक्ष कमल दूबे, जिला महासचिव शैलेन्द्र राय सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तुपकाडीह में मां मनसा पूजा उत्सव की धूम

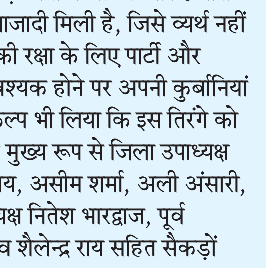

बोकारो(बिभा)। तुपकाडीह एवं आस पास के इलाकों में तीन दिवसीय मां मनसा देवी पूजा उत्सव सोमवार को उपवास के दिन से शुरू हो गया। अम्बेडकर नगर , कुरुक्षेत्र नगर आदि स्थानों में लोग मां की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा अर्चना कर रहे हैं। ढोल नगाड़ों , डीजे व पारंपरिक तरीके से मां के भक्तों के अलावे आमजन भी खुशियां मनाने में कम नहीं हैं। विस्थापित नेता निवारण दिगार ने बताया कि इस वक़्त पूरा गांव मनसा मय हो गया है। कुरुक्षेत्र नगर के राजू महतो ने बताया कि जिधर देखिए मां मनसा के ही गीत बज रहे हैं। इस पूजा का इंतजार सभी को रहता है। तुपकाडीह में प्रतिमाओं का विसर्जन देखने लायक होता है। कहीं कहीं यह पूजा दिन , तिथि बदल कर किया जाता है।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने बाबा बैद्यनाथ धाम में की पूजा-अर्चना, विश्व कल्याण की कामना

बिभा संवाददाता

देवघर, 17 अगस्त (हि.स.)। सावन की तीसरी सोमवारी के पावन अवसर पर बिहार के स्वास्थ्य मंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता निशांत कुमार ने सोमवार को बाबा बैद्यनाथ धाम में विधिवत पूजा-अर्चना की और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने बाबा बैद्यनाथ से बिहार सहित पूरे विश्व के कल्याण, सुख-शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच निशांत कुमार ने विधि-विधान के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना और आरती की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और सभी का सम्मान किया। पूजा के दौरान पार्टी के कई नेता, समर्थक और उनके चाहने वाले भी मंदिर परिसर में मौजूद रहे।

पूजा-अर्चना के बाद निशांत कुमार ने सोशल मीडिया पर अपने दौरे से संबंधित जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर में महादेव के दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने बाबा बासुकीनाथ धाम में भी विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सावन की सोमवारी को लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ उमड़ी हुई थी। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालु भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे।

शिवालय में उमड़ी शिवभक्त की भीड़, की पुजा अर्चना

बिभा संवाददाता

बोकारो। सोमवार को शिवालय में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। शिवभक्तों बोल बंम का जयकारा के साथ शिवालय पहुंचे। चास कुम्हरी चेचकाधाम, तलगडिया शिलफोरधाम, बाटबिनोर बुढा बाबा मंदिर, बुढिबिनोर शिवालय, अलकुशा शिवमंदिर, सर्वेश्वर नाथ, पंचवटी स्थित महामृत्युंजय शिवमंदिर उसरडीह, चदांहा शिवमंदिर, बुढा बाबा शिवालय सियालजोरी, बिजुलिया- टुधरी मंदीर,डुमरदा सहित मंदिरों मे श्रदालुओं की भीड़ जुटी। शिवभक्तों दामोदर नदी व जोडीय़ा तलाब से जल लेकर पहुंचे तथा जलाभिषेक कर पुजा अर्चना किया।।किया। मंदिरों में रुद्राभिषेक भी किया गया। भजन- किर्तन का भी आयोजन हुआ।

ऑल टाइम मदद के सावन मिलन समारोह में महिला उद्यमिता और सम्मान का संदेश

बिभा संवाददाता

बोकारो: सामाजिक संस्था ऑल टाइम मदद की ओर से सावन मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य आयोजक डॉ. संघमिता सिंह रहीं, जबकि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भावी सांसद अनुपमा सिंह ने शिरकत की।

समारोह का मुख्य उद्देश्य उन महिलाओं को प्रोत्साहित करना रहा, जो अपने घर से छोटे-छोटे व्यवसाय संचालित कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि ऐसी प्रतिभाशाली और मेहनती महिलाओं को भविष्य में एक बड़ा मंच उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे अपने हुनर और व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकें।

इस अवसर पर कई जरूरतमंद एवं गरीब महिलाओं को मुख्य अतिथि अनुपमा सिंह के हाथों सावन गिफ्ट वितरित किए गए। सावन मिलन समारोह में महिलाओं ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में शामिल समाजसेवी राजकुमारी जी,सोनिया बनर्जी, कविता सिंह, नीरा सिंह, सोमा, पल्लवी, भूमि, रजनी, प्रतिमा, स्निग्धा, राखी गौरभ रंजू अन्य कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

समारोह में बच्चों ने भी अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। आशी सिंह, शिवांशी, सान्वी और मानवी ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों पर कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कार्यक्रम की आयोजक डॉ. संघमिता सिंह ने कहा कि ऑल टाइम मदद का उद्देश्य केवल सामाजिक सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की महिलाओं को सम्मान, आत्मनिर्भरता और एक मजबूत मंच उपलब्ध कराना भी है। सावन मिलन समारोह इसी सोच का एक सुंदर उदाहरण रहा, जहां उत्सव के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और जरूरतमंदों की मदद का संदेश भी दिया गया।

शौण्डिक समाज महिला समिति का सावन मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो: बोकारो जिला शौण्डिक (शुढ़ी) समाज महिला समिति के तत्वावधान में सावन मिलन समारोह 2026 का आयोजन बेहद हर्षोल्लास और उमंग के साथ किया गया। इस अवसर पर समाज की बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ एक-दूसरे को सावन पर्व की मंगलकामनाएं दीं।

समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज की महिलाओं को एक साझा मंच पर संगठित कर उनके बीच आपसी सौहार्द, भाईचारा और सामाजिक एकता को प्रोत्साहित करना था। आयोजन में महिलाओं ने मिलकर सावन के इस उत्सव का आनंद लिया और महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चास नगर निगम की उप महापौर पूजा कुमारी उपस्थित रहीं। बोकारो जिला शौण्डिक समाज की ओर से उन्हें गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उपमहापौर ने इस सफल आयोजन के लिए महिला समिति को बधाई दी। उन्होंने समाज की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और एकजुटता की सराहना करते हुए कहा कि, ₹इस तरह के सांस्कृतिक आयोजनों से सामाजिक मेलजोल बढ़ता है और महिलाओं को सशक्त बनाने में काफी मदद मिलती है।₹

वहीं, शौण्डिक समाज महिला समिति ने कहा कि सामूहिक त्योहार और कार्यक्रम समाज में आपसी समन्वय व सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। समिति ने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा।

इस भव्य सावन मिलन समारोह में मुख्य रूप से रीमा गुप्ता, रूबी देवराज, लीलावती देवी, रेखा गुप्ता, लक्ष्मी प्रसाद, सुहाना कुमारी, हंसिका गुप्ता, खुशी गुप्ता, सुनीता गुप्ता, रिंकी गुप्ता, सोनम गुप्ता, गीता देवी, निशा देवी, अंजू मंडल, पूनम कुमारी, रूपराज, रोशनी कुमारी, सुमन गुप्ता, ऊषा प्रसाद, रीना मंडल, वीणा मंडल, श्रीमती लाखो देवी, करिश्मा मंडल, किशु कुमारी, नमिता प्रसाद, सुचित्रा गुप्ता, सृष्टि गुप्ता, नीलम कुमारी, प्राची कुमारी, सुनीता देवी, मनीषा देवी, वंदना देवी, प्रीति कुमारी, धर्मशिला देवी, निर्मला देवी और रीना देवी सहित समाज की कई अन्य महिलाएं शामिल रहीं।

हॉट स्ट्रिप मिल के कर्मचारियों ने उठाए सुरक्षा व सुविधागत मुद्दे, इंसेंटिव फॉर्मूला में संशोधन की मांग

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के हॉट स्ट्रिप मिल कैंटीन में बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीकेएस) की एक अहम विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विभाग के कर्मचारियों ने संघ पदाधिकारियों के सामने अपनी लंबित समस्याओं, सुरक्षा खामियों और बुनियादी सुविधाओं के अभाव का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। बैठक में मुख्य रूप से संघ के महासचिव हरिओम, अध्यक्ष दिलीप कुमार, उपमहासचिव माणिक मुंडा और कोषाध्यक्ष राहुल साव उपस्थित रहे।

बैठक में कर्मचारियों ने हॉट स्ट्रिप मिल के उत्पादन में लगातार वृद्धि के बावजूद इंसेंटिव और रिवार्ड का भुगतान 2007 के पुराने फॉर्मूले के आधार पर किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने फॉर्मूले में तत्काल संशोधन कर उत्पादन के अनुरूप इंसेंटिव बढ़ाने की मांग की। इसके अलावा, कर्मचारियों ने तकनीकी और सुरक्षा संबंधी कई खतरे भी उजागर किए। उन्होंने बताया कि क्रेन केबिन में एसी और कुर्सी नहीं है, अपर्याप्त रोशनी और शीशे धुंधले होने के कारण दुर्घटना का खतरा हमेशा बना रहता है। पोस्ट नंबर 10 पर फ्लाइंग शियर का ऑटो कट खराब होने से क्वायल को मैन्युअली काटना पड़ता है। साथ ही, ऊंचाई पर काम करने वालों के लिए रिलीवर की कोई व्यवस्था नहीं है। पुलपीट और क्वायलर केबिन में टूटी कुर्सियां, क्षतिग्रस्त फर्श और गंदगी के कारण काम करने में भारी परेशानी होती है।

कर्मचारियों ने बुनियादी सुविधाओं के घोर अभाव पर भी सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि रात्रि पाली के दौरान कैंटीन बंद रखी जाती है। मिल डाउन होने पर रेस्ट रूम नहीं है और एसी बंद कर दिए जाने से भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, मोटर 1 का वाटर कूलर खराब है और रफिंग एरिया में पटरियों पर जलजमाव के कारण शौचालय जाने में भी भारी दिक्कत होती है। शौचालयों की संख्या कम होने के साथ-साथ उनके दरवाजे भी टूटे हुए हैं।

इन तमाम समस्याओं को लेकर यूनियन प्रतिनिधियों और विभागीय प्रतिनिधि शत्रुंजय सिंह ने प्रबंधन के रवैये पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि बिक्री योग्य इस्पात का उत्पादन करने वाले इस महत्वपूर्ण विभाग में इतने गंभीर सुरक्षा और स्थानीय मुद्दों के बावजूद कर्मचारी काम कर रहे हैं, लेकिन प्रबंधन पूरी तरह मौन है। संघ ने प्रबंधन से मांग की है कि इन सभी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कर उचित कार्रवाई की जाए।

कालिका विहार महिला समिति का सावन महोत्सव धूमधाम से संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। सोमवार को ऐरोमा सेक्टर-4 में नव गठित कालिका विहार महिला समिति द्वारा अपना पहला सावन महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। महोत्सव में राधे-माँ संग गोपियों द्वारा भगवान कृष्ण के प्रति प्रेम-भक्ति के भावों का प्रदर्शन व सावन मास में बाबा भोलेनाथ के प्रति समर्पण का भाव प्रमुख रूप से देखने को मिला। आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता महिलाओं द्वारा नृत्य और भजन-कीर्तन के माध्यम से आस्था का सजीव प्रदर्शन रहा।

कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। सींक-चूड़ी-बेलन झूला प्रतियोगिता, म्युजिकल चेयर और सावन क्वीन प्रतियोगिता में क्रमशः श्रीमती अर्चना, मधु सिंह व सुनीता देवी ने प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा दिखाई। इस कार्यक्रम की मुख्य आयोजिकाओं में अर्चना चौबे और रीमा झा शामिल रहीं। साथ ही आयोजन में पूनम दास, खुशबू सिंह, मधु सिंह, अर्चना कुमारी, वन्दना तिवारी, भावना प्रिया, वीणा, कुसुम दुबे, मुन्नी झा, रम्भा मंडल, डोली कुमारी, निशा शर्मा, स्वाती, सुनीता देवी, राखी सिंह व उषा देवी आदि सक्रिय रहीं। आयोजकों ने भविष्य में इस तरह के सामुदायिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने का आश्वासन दिया।

गांव-गांव तक सड़क पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका। आजादी के करीब 80 साल बाद गंभीरकोचा-जोजोगोड़ा के बीच ग्रामीणों को पक्की सड़क की सौगात मिलने जा रही है। पोटका विधायक संजीव सरदार के प्रयास से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत गंभीरकोचा से जोजोगोड़ा तक 3.30 किलोमीटर सड़क निर्माण का शिलान्यास किया गया। करीब 3.20 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन की बड़ी सुविधा मिलेगी।

गंभीरकोचा से जोजोगोड़ा तक किसी तरह कच्चा रास्ता था, लेकिन जोजोगोड़ा के आगे कई इलाकों में सड़क की सुविधा तक नहीं थी। स्थिति यह थी कि आज तक चार पहिया वाहन भी इन इलाकों में तक आसानी से नहीं पहुंच पाते थे। सड़क के अभाव में ग्रामीणों को रोजमर्रा के काम, बाजार, अस्पताल और अन्य जरूरी सेवाओं के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सड़क नहीं होने का सबसे ज्यादा असर आपात स्थिति में देखने को मिलता था। बीमार लोगों को अस्पताल ले जाने में परेशानी होती थी और एंबुलेंस तक पहुंचना मुश्किल होता था। वहीं बच्चों को स्कूल आने-जाने में भी काफी दिक्कत होती थी। बरसात के दिनों में कच्चे रास्ते की स्थिति और खराब हो जाने से ग्रामीणों की परेशानी कई गुना बढ़ जाती थी। ग्रामीणों के अनुसार यह पूरा इलाका वन विभाग के क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। ऐसे में सड़क निर्माण की प्रक्रिया में कई तरह की प्रशासनिक एवं विभागीय अड़चनें सामने आईं। लंबे समय से सड़क की मांग के बावजूद योजना को धरातल पर उतारना आसान नहीं था। विधायक संजीव सरदार के लगातार प्रयास और संबंधित विभागों के साथ पहल के बाद अब इस सड़क निर्माण का रास्ता साफ हुआ है।

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक संजीव सरदार ने कहा कि पोटका विधानसभा के गांव-गांव तक बेहतर सड़क सुविधा पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार काम कर रही है।

विधायक ने कहा कि गंभीरकोचा-जोजोगोड़ा सड़क बनने से ग्रामीणों को सिर्फ बेहतर आवागमन की सुविधा ही नहीं मिलेगी, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के लिए भी नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि हाशिए पर खड़े समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना ही उनका संकल्प है और इसी दिशा में क्षेत्र में लगातार योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है।

उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर नजर रखें और किसी तरह की लापरवाही दिखाई देने पर तत्काल उन्हें सूचना दें। विधायक ने विभागीय अधिकारियों को भी सड़क का निर्माण गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया।

सड़क निर्माण की स्वीकृति और शिलान्यास पर ग्रामीणों ने विधायक संजीव सरदार के प्रति आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से इस क्षेत्र में सड़क की मांग की जा रही थी। विधायक को समस्या से अवगत कराने के बाद उन्होंने लगातार पहल की, जिसके परिणामस्वरूप आज सड़क निर्माण का काम शुरू हो रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क बनने के बाद एंबुलेंस, चार पहिया वाहन और स्कूली बच्चों के आवागमन में सबसे बड़ी राहत मिलेगी।

इस अवसर पर माझी बाबा गौर पुराण, माझी बाबा राजा राम माडी, झारखंड आंदोलनकारी नेता सुनील महतो, पूर्व जिला परिषद सदस्य चंद्रावती महतो, चक्रधर महतो, हितेश भगत, भुवनेश्वर सरदार, रमेश सोरेन, भारत सरदार, कार्तिक सरदार, सागर सरदार समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अनियंत्रित केटीएम बाइक खड़े वाहन से टकराई, युवक की मौत

बिभा संवाददाता

धनबाद। बलियापुर थाना क्षेत्र के बीबीएम कॉलेज के समीप सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान निरसा के डुमरिया आखबेड़िया निवासी विपुल कुमार महतो के रूप में हुई है। विपुल केटीएम बाइक से बीबीएम कॉलेज आए थे। कॉलेज के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक अज्ञात वाहन से जा टकराई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, बिपुल कुमार महतो अपने घर से बलियापुर स्थित बीबीएम कॉलेज जाने के लिए केटीएम बाइक से निकले थे। कॉलेज में काम पूरा करने के बाद उन्हें धनबाद जाना था। इसी दौरान बीबीएम कॉलेज के समीप उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक अज्ञात वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बिपुल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को घटना की सूचना दी गई। बलियापुर पुलिस ने घायल युवक को आनन-फानन में धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेजा, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद जिस अज्ञात वाहन से बाइक की टक्कर हुई, वह मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त केटीएम बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है।

संक्षिप्त खबरें

सरयू राय से मिलीं एमएलसी डॉ. भारती मेहता

जमशेदपुर(बिभा)। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय से सोमवार को बिहार विधान परिषद की एमएलसी और बिहार जदयू की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. भारती मेहता ने उनके बिष्टुपुर स्थित कार्यालय पर शिष्टाचार भेंट की। डॉ. भारती मेहता ने श्री राय का कुशलक्षेम पूछा। दोनों के बीच अनौपचारिक चर्चा हुई। डॉ. भारती के साथ झारखंड राज्य नोनिया महासंघ के लोग भी श्री राय से मिलने आए थे। इस मौके पर शिव कुमार चौहान, सुरेश महतो, मैनेजर प्रसाद, संजीत सिंह उर्फ महतो, प्रभुनाथ प्रसाद, विनोद कुमार, वीरेंद्र महतो, सुरेंद्र प्रसाद, शत्रुघ्न महतो, कृष्णा देवी, मंजू देवी, रीना देवी, सुरेंद्र प्रसाद, दूधनाथ महतो, अंशुल शरण, सुबोध श्रीवास्तव, नीरज सिंह, अमित शर्मा, अजय कुमार, मंजू सिंह समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

जमशेदपुर के तुलसी भवन में आयोजित 'भारत को जानो' प्रतियोगिता में एआईडब्ल्यूसी एकेडमी प्रथम

जमशेदपुर(बिभा) : तुलसी भवन में सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन द्वारा तुलसी जयंती समारोह के अंतर्गत 'भारत को जानो' विषय पर त्वरित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में शहर के 26 विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के कुल 103 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा ली गई, जिसके आधार पर चुनी गई छह टीमों के बीच पांच राउंड की मुख्य प्रश्नोत्तरी कराई गई। इस रोचक मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए बारीडीह स्थित एआईडब्ल्यूसी एकेडमी ऑफ एक्सीलेंस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सिदगोड़ा के एसडीएसएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस को द्वितीय और बमामाइन्स के केरला पब्लिक स्कूल को तृतीय स्थान मिला। इसके अलावा रामकृष्ण मिशन इंग्लिश स्कूल बिष्टुपुर, डीएवी पब्लिक स्कूल बिष्टुपुर और विद्या ज्योति स्कूल गम्हरिया को प्रोत्साहन पुरस्कार से नवाजा गया। संस्थान के महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी और अन्य पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में संपन्न हुए इस कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों तथा विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और साहित्य समिति के सदस्य मौजूद रहे।

एमटीएमसी में पीजी एलाइड हेल्थ साइंसेज के नए छात्रों के लिए ओरिएंटेशन आयोजित

जमशेदपुर(बिभा) : मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज (एमटीएमसी) के एलाइड हेल्थ साइंसेज विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नए पोस्टग्रेजुएट छात्रों के स्वागत में एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। उत्कृष्ट संस्थान के इस ऑफ-कैंपस में कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. टी. एम. ए. पाई को पुष्पांजलि अर्पित करने और पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विभाग के प्रमुख ने छात्रों को व्यावसायिकता, सहानुभूति, नैतिक व्यवहार और मरीज-केंद्रित देखभाल के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस विशेष कार्यक्रम में आईसीएमआर, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. संदीप कुमार और जीएमसीएच, गोवा के एसोसिएट प्रोफेसर मोहित पांडे ने ऑनलाइन सत्र के माध्यम से छात्रों को संबोधित किया। अतिथि वक्ताओं ने हेल्थकेयर में क्लिनिकल उत्कृष्टता, वैज्ञानिक रिसर्च और साक्ष्य-आधारित (एविडेंस-बेस्ड) तरीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया। ओरिएंटेशन के दौरान नए छात्रों को पाठ्यक्रम, क्लिनिकल ट्रेनिंग, शोध-प्रबंध, हॉस्टल और कैंपस में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि वे भविष्य में एक कुशल, जिम्मेदार और दयालु अलाइड हेल्थ प्रोफेशनल के रूप में अपनी पहचान बना सकें।

टीएसपीसी एरिया कमांडर मोछू गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

चतरा। लंबे समय से फरार चल रहे प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के सक्रिय एरिया कमांडर लक्ष्मण गंझू उर्फ मोछू उर्फ लखन गंझू को चतरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। लक्ष्मण श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने गांव लावालौंग थाना क्षेत्र के पारामातु पहुंचा था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर उसे उसके घर से गिरफ्तार किया।

एसपी अनिमेष नैथानी ने सोमवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी कि टीएसपीसी का एरिया कमांडर लक्ष्मण गंझू श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने पारामातु आने वाला है। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊसाहेब के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई। एसआईटी ने सूचना के आधार पर तत्काल पारामातु गांव में छापेमारी की और लक्ष्मण गंझू को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार वह लंबे समय से फरार चल रहा था और टीएसपीसी संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहा था।

एसपी ने बताया कि वर्ष 2024 में सदर थाना क्षेत्र में अफीम विनष्टीकरण अभियान से लौट रहे पुलिसकर्मियों पर घात लगाकर किए गए हमले की साजिश में लक्ष्मण गंझू शामिल था। इस हमले में दो पुलिस जवान शहीद हुए थे। उक्त मामले में पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। गिरफ्तार उग्रवादी के खिलाफ वशिष्ठनगर और सदर थाना में कुल तीन मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट, यूएपीए और सीएलए एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं।

अभियान में सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊसाहेब, लावालौंग थाना प्रभारी चंदन कुमार, पुअनि विधायक प्रसाद यादव सहित लावालौंग थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

स्व. बसंत कुमार मंडल के श्राद्धकर्म में जुटे सुंडी समाज के दिग्गज

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: परसुडीह स्थित प्रमोथ नगर में सोमवार को झारखंड सुंडी समाज के अध्यक्ष सनत मंडल के पिता स्व. बसंत कुमार मंडल के श्राद्धकर्म का आयोजन किया गया। भारी बारिश के बावजूद इस कार्यक्रम में सुंडी समाज के कई दिग्गज और प्रबुद्ध लोग शामिल हुए।

इस अवसर पर झारखंड, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के सुंडी समाज के दिनेश प्रसाद साहू, शिवरतन प्रसाद गुप्ता, बीरेंद्र साहू और कृष्णा मुरारी साहू ने स्व. मंडल के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके सामाजिक योगदान को याद किया। इस दौरान विष्णु मंडल, कार्तिक मंडल सहित समाज के कई अन्य सक्रिय सदस्यों ने कार्यक्रम में आए अतिथियों के स्वागत और व्यवस्था की कमान बखूबी संभाली।

मंडलकारा में बंदी की मौत के बाद परिजनों ने किया सड़क जाम

बिभा संवाददाता

चतरा। मंडलकारा चतरा में बंदी की मौत के बाद सोमवार को मृतक के परिजनों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पोस्ट ऑफिस चौक को जाम कर दिया। परिजनों ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की।

उल्लेखनीय है कि मंडल कारा में बंद टीएसपीसी उग्रवादी मंटू गंझू की शनिवार की देर रात मौत हो गई थी। मंटू पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केवाल गांव का रहने वाला था। जेल प्रशासन के अनुसार उसने फंदे से लटक कर खुदकुशी का प्रयास किया था, जिसके बाद उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि जेल में मंटू को प्रताड़ित किया जाता था और इसी प्रताड़ना के कारण उसकी मौत हुई है। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

सड़क जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। जाम के कारण पोस्ट ऑफिस चौक के आसपास आवागमन प्रभावित रहा। पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। बाद में सड़क जाम कर रहे लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया और जाम हटाया।

आदिम जनजाति समुदाय के समग्र विकास को लेकर जिले के विभिन्न प्रखंडों में जागरूकता शिविर आयोजित

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: जिला प्रशासन द्वारा आदिम जनजाति समुदाय के समग्र विकास और उन्हें सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने के लिए 12 से 18 अगस्त 2026 तक जिले के विभिन्न प्रखंडों के आदिम जनजाति बहुल इलाकों में 'जागरूकता सह लाभ वितरण शिविर' का आयोजन किया जा रहा है।

इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को राशन कार्ड, पेंशन, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान, और पीएम विश्वकर्मा जैसी कई महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं से सीधा जोड़ा जा रहा है। मौके पर ही स्वास्थ्य और शिक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए सिकल सेल परीक्षण, सामान्य स्वास्थ्य जांच और आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही, बच्चों का स्कूल और आंगनबाड़ी में नामांकन कराकर उन्हें जरूरी किट भी बांटे जा रहे हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पंचायती राज और पेयजल सहित लगभग सभी प्रमुख विभाग एक ही छत के नीचे मौजूद रहकर लोगों को अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

जिला प्रशासन ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का तुरंत निष्पादन किया जाए। इसके साथ ही, प्रशासन ने आदिम जनजाति समुदाय से अपील की है कि वे इन शिविरों में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपना सामाजिक-आर्थिक विकास सशक्त करें।

हजारीबाग में पहली बार होगा उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय नॉकआउट खेल टूर्नामेंट, 1288 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: एक बैनर और एक मंशा के साथ हजारीबाग में खेल और खिलाड़ियों को प्रमोट करते हुए उनमें उत्साह का संचार करने को लेकर हजारीबाग के उपयुक्त हेमंत सती की अगवाई में पहली बार अद्भुत रोमांच से भरे खेल उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय नॉक आउट टूर्नामेंट का आयोजन जिला मुख्यालय में होने जा रहा है। तीन दिनों 29, 30 और 31 अगस्त तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में प्रमंडल के अधीन जिलों हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़, चतरा, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के शामिल होने की संभावना है।

जिला प्रशासन ने बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के ठहरने और उनके भोजन पानी की व्यवस्था की है। इस तरह का पहला आयोजन हो रहा है तो शुरुआत छह खेलों आर्चरी, खोखो, बॉलीबाल, बैडमिंटन, फुटबॉल और एथलेटिक्स से की गई है। प्रतियोगिता का आकर्षण साढ़े आठ लाख का नगद पुरस्कार है। इसके अलावा मेडल, शील्ड देकर भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की तैयारी है।

यह वृहद आयोजन हजारीबाग ओलंपिक संघ की देखरेख में चल रहा है। संघ के अध्यक्ष इसके लिए जिले के सभी खेल संघों से समन्वय बनाकर आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं और इसके लिए 11 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है, जिसमें हर्ष अजमेरा के अलावा मेयर अरविंद कुमार राणा, राकेश रंजन, करण जायसवाल, आलोक कुमार, भैया मुरारी, नीलेंदु जयपुरियार, प्रोफेसर राखो हरि, चंद्रशेखर सिंह, परिमल, मंसूर आलम को शामिल किया गया है। इसके अलावा जिला खेल पदाधिकारी के नेतृत्व में तकनीकी कमिटी, खिलाड़ियों के लिए व्यवस्था, सीके दास को आयोजन के लिए समन्वय बनाने की जवाबदेही है। हर काम के लिए जवाबदेही तय करते हुए प्रभार सौंपा गया है। कहें सब कमिटी भी इसके लिए एक्टिव की गई है। आयोजन को लेकर मेयर अरविंद राणा, ओलंपिक संघ के जिलाध्यक्ष के साथ खूब लगे हुए हैं और जो पहल की गई है उसमें कर्जन ग्राउंड का नाम स्वतंत्रता सेनानी वीर कुंवर सिंह स्टेडियम का नामकरण किया गया है।

लदोनों ने कहा कि यह न केवल सभी खेल संघों बल्कि शहरवासियों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है कि हजारों की संख्या में आने वाले खिलाड़ी, हजारीबाग और इस आयोजन को लेकर सुखद यादें लेकर जाएं। तभी आयोजन को यादगार बनाने को लेकर स्टेडियम से लेकर शहर को सजाने की तैयारी है। वहीं बैंड के साथ प्रभातफेरी, मार्चपास्ट समेत कई आकर्षण दिखेंगे। आह्वान किया कि आमलोग उद्घाटन और आयोजन में शामिल होकर इस आयोजन में अपनी भागीदारी द्वारा चार चांद लगाएं।

आयोजन को लेकर सोमवार को आहूत पत्रकार सम्मेलन में मेयर अरविंद राणा और ओलंपिक संघ हजारीबाग जिला के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा ने घोषणा की, कि 25 अगस्त को ओलंपिक मशाल और बैंड के साथ सभी खेल संघ और इस आयोजन से जुड़े लोग शहर में निकलेंगे। 29 को भव्य उद्घाटन में कस्तूरबा के बच्चियों की प्रतिभा नजर आयेगी। मेयर ने कहा कि स्टेडियम में 12 स्टैंड हैं, जिसे महापुरुषों के नाम से किया जा रहा है। बताया कि 1967 में कर्जन ग्राउंड का नामकरण बाबू वीर कुंवर सिंह के नाम पर हुआ था, लेकिन उसे अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका था। लेकिन इसबार नामकरण न केवल दिखेगा, बल्कि इसे अपने बोर्ड में भी पास कर लिया जाएगा। यह भी कहा कि स्टेडियम में महापुरुषों और खिलाड़ियों की तस्वीर भी दिखेगी। हर्ष अजमेरा ने कहा कि इस खेल महोत्सव के आयोजन में बतौर चेयरमैन डीसी हेमंत सती, उपाध्यक्ष में मेयर, सचिव में वे खुद और टेक्निकल सचिव जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम, सांस्कृतिक में प्रहलाद शर्मा और खबरों के लिए नीलेंदु जयपुरियार और सांस्कृतिक के लिए प्रहलाद शर्मा को अधिकृत किया गया है। जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम ने बताया कि छह खेलों में 1288 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनके लिए सात स्थानों को चिन्हित किया गया है। जहां उन्हें ठहराया जाएगा। इस अवसर पर राकेश रंजन ने कहा कि खेल में भाग लेने वालों के लिए सर्टिफिकेट और मेडल का काफी महत्व होगा। पत्रकार सम्मेलन में भैया मुरारी, नीलेंदु जयपुरियार भी मौजूद रहें।

भारत में पाकिस्तानियों को मिल गई नागरिकता?

डॉ. रमेश ठाकुर

बीते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं। नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई है जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपार है।

किसी पाकिस्तानी को आज के दौर में हिंदुस्तान में बसाना, उन्हें पनाह देना या फिर नागरिकता देनी वाली बात, शायद ही किसी के गले उतरे? बसाना तो दूर, ऐसा सोचना मात्र भी, सूरज का पूरब की जगह पश्चिम से निकलने जैसा माना जाएगा। पर, यह कोरी कल्पना पिछले दिनों हकीकत में तब्दील हुई। भारत में 56 साल पहले आए पाकिस्तानियों को नागरिकता दी गई है। वह भी एकाध लोगों को नहीं, बल्कि हजारों को। सरकार ने पिछले महीने बकायदा एक रंगारंग कार्यक्रम कर, ढोल-नगाड़े बजाकर विस्थापित पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रमाण पत्र बांटे। ताज्जुब यह भी है कि ऐसा चमत्कार हुकूमत ने ऐसे माहौल में किया, जब समूचे भारत में विभिन्न देशों के घुसपैठियों को निकालकर उन्हें खदेड़ने का अभियान केंद्रीय व राज्य स्तरों पर छिड़ा हो। इस अभियान की बानगी हमने हाल में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधाानसभा चुनाव के दौरान भी देखा। जब दो बॉर्डर राज्य, असम और पश्चिम बंगाल, का चुनाव इसी मसले के इर्दगिर्द घूमा। घुसपैठियों के अलावा भारत में कुछ वर्षों से एनआरसी और सीएए का भी शोर है। बावजूद इसके सरकार ने पाकिस्तानियों को नागरिकता देने का बड़ा जाखिम उठाया। सरकार ने यह कदम क्यों उठाया? हालांकि, इस फैसले के सियासी मायने बहुतेरे हैं, जिसकी तस्वीर आने वाले दिनों में दिखाई भी देगी।

सरकार ने विस्थापितों को नागरिकता हिंदुस्तान के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में दी है। जिले का नाम है पीलीभीत जो नेपाल बॉर्डर से एकदम सटा हुआ है जिसकी पहचान बांसुरी निमार्ण के अलावा तराई क्षेत्र के लिए भी प्रसिद्ध है। पीलीभीत को मिनी पंजाब भी कहते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से लबरेज, जैव-विविधता के अलावा विश्व प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व तो है ही, धान की पैदावार के लिए भी जिला पूरे प्रदेश में विख्यात है। सरकार ने जिन परिवारों को बसाने का फैसला किया है उनमें बंगाली हिन्दू, बौद्ध, जैन और सिख शामिल हैं। भारत के नक्शे में देखें, तो पीलीभीत हिंदुस्तान के एक अलहदे छोर पर बसा है जहां करीब पांच दशक से भी ज्यादा पहले पाकिस्तान से आए विस्थापित लोग बस गए थे। तभी, से वह विभिन्न सरकारों से नागरिकता मांगते आए हैं। सरकारी कागजों के मुताबिक पूर्वी पाकिस्तान से वर्ष 1959 से 1971 के बीच पाकिस्तान से पीड़ित होकर कुछेक परिवार भारत आए थे। शुरूआत में यह परिवार कई राज्यों में भटकते रहे, कहीं ठिकाना नहीं मिला। आखिरकार उन्हें बाद में यही जिला मुफीद लगा। पीलीभीत के अलावा कुछ नागरिकता रामपुर और बिजनौर में बसे विस्थापितों को भी दी गई है।

पीलीभीत के जिस क्षेत्र में यह परिवार रहते आए हैं वह जगह कभी विरान होती थी। इन लोगों ने इसे रहने लायक बनाया और उबड़खाबड़ जगहों पर मेहनत करके उसे खेतीबाड़ी के लिए तैयार किया। आज इस क्षेत्र में अच्छी फसलें उगती हैं। सभी के पास कागजी दस्तावेजों के रूप में भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि पहले से मौजूद हैं। साथ ही लंबे वक्त से मतदान भी करते आए हैं। लेकिन नागरिकता और मालिकाना हक से वंचित थे, जिसे मौजूदा योगी सरकार ने पूरा कर दिया। ये परिवार पीलीभीत जिले के अमरिया, न्यूरिया, शारदा डैम की तलहटी सहित आसपास के क्षेत्रों में बसे हैं। सरकार ने उन्हें खेती और आवास के लिए जमीन तो पहले से दी हुई हैं। लेकिन मालिकाना हैसियत नहीं दी, जिसके लिए यह लोग दशकों जद्दोजहद कर रहे थे। प्रत्येक चुनावों में इनसे के झूठा आश्वासन हुआ। पूर्ववर्ती बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने भी इनको नागरिकता दिलवाने का दिलासा दिया। पर, कुछ राजनैतिक अड़चनों के चलते वादा पूरा नही कर पाए।

बीते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं। नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई हैं जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपार है। ऐसा करके सरकार ने शायद विपक्षी दलों को बड़ा सियासी मुद्दा बैठे-बिठाए थमा दिया है। ये लोग वर्ष 1960 से 1975 के बीच धार्मिक प्रताड़ना के चलते पूर्वी बंगालादेश जो अब पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा है, से भारत आए थे और उत्तर प्रदेश के तराई के जिले पीलीभीत में आकर बसे। ये क्षेत्र पीलीभीत जिले की कलीनगर व पूरनपुर तहसीलों में आते हैं जहां ये करीब 25-26 गांवों में बसे हैं। पिछले महीने 29 जून को सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जिले में दौरा हुआ जिसमें मुख्यमंत्री ने इनको ना सिर्फ नागरिकता के प्रमाण पत्र बांटे, बल्कि मालिकाना हक के सरकारी कागज भी दिए।

यह फैसला चुनाव के ऐन वक्त लिया गया। प्रदेश में मात्र 6-7 महीनों बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसलिए सरकार के इस निर्णय पर प्रदेश की राजनीति जमकर गर्माई हुई है। विपक्षी पार्टियों ने सीधे-सीधे एक बड़े वोटबैंक को साधने का आरोप मौजूदा सरकार पर लगाया है। पाकिस्तानी विस्थापियों को बसाने का यह पहला चरण है, अभी दूसरा चरण शेष है। 35 हजार लोग और हैं जो बहराईच, बाराबंकी, गोंडा, लखीमपुर, बिजनौर जैसे जिलों में बसे हैं। सभी को चिंहित किया जा चुका है, अगले कुछ महीनों बाद इन्हें भी मुकम्मल नागरिकता देने का फैसला हो चुका है। सरकारी आंकड़ों की माने तो प्रदेश के करीब सात-आठ जिलों में कुल 55 हजार विस्थापित पाकिस्तानियों की आबादी है, इनमें प्रत्येक वर्ष तेजी से इजाफा भी हो रहा है। 56 वर्ष पहले धार्मिक प्रताड़ना के रूप में मात्र 12 हजार 380 लोग आए थे। आबादी बढ़ाने के पीछे इनका मकसद था कि बढ़ी आबादी से सरकारों को वोटिंग का लालच देकर किसी भी दल पर दबाव बना सकेंगे। कमोबेश, हुआ भी वैसा ही। अपने योजनाओं में यह लोग आज सफल हुए हैं।

संपादकीय

'विकसित भारत' का संबोधन

प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से लगातार 13वीं बार राष्ट्र को संबोधित किया, लेकिन कोई नई नीतिगत घोषणा नहीं कर पाए। कुछ आंकड़े गिना दिए गए। संबोधन का फोकस 'विकसित भारत' और युवाओं पर रहा। विकसित भारत की बात प्रधानमंत्री कई बार दोहरा चुके हैं और युवाओं की बात करना 'राजनीतिक विवशता' हो सकती है। प्रधानमंत्री के करीब 77 मिनट के संबोधन का निष्कर्ष दो शब्द-युग्म रहे-'सप्तधारा' और 'दिमागी नक्सल।' इन दो शब्द-युग्मों से भारत कभी भी 'विकसित' नहीं बन सकता। प्रधानमंत्री के संबोधन का विश्लेषण करने से पहले दो तथ्य प्रस्तुत करना चाहता हूं। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम देश के राष्ट्रपति थे, तब घोषित दावा किया गया था कि 2020 में भारत 'विकसित राष्ट्र' होगा। क्या हुआ? क्या उसका कोई रिपोर्ट-कार्ड उपलब्ध है अथवा कोई प्रगति-कथा है? उसके बाद 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार को देश ने जनादेश दिया, तो बुनियादी नारा था-'अच्छे दिन आएंगे।' वह संभव नहीं लगा, तो प्रधानमंत्री मोदी ने 'अच्छे दिनों' की समय-सीमा 2047 तय कर दी और 'विकसित भारत' के उद्घोष शुरू कर दिए गए। अर्थात 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी की जवाबदेही खत्म हो गई। तब वह प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, इतना निश्चित है। जो भी प्रधानमंत्री होगा, अब जवाबदेही उसकी होगी। बहरहाल प्रधानमंत्री ने 'शक्ति की सप्तधारा' का आह्वान किया है। ये सप्तधाराएं हैं-विनिर्माण-उत्पादन, कृषि तथा खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी-नवाचार, गतिशक्ति, रक्षा-साइबर सुरक्षा, ग्रीन एनर्जी-ब्लू इकोनॉमी, सॉफ्ट पॉवर।

देश इन 'सप्तधाराओं' को पहले से ही जानता है, बेशक नामकरण बदल दिए गए हों। हालांकि प्रधानमंत्री ने इनमें देश के 'कोर सेक्टर' के कुछ महत्वपूर्ण आधार छोड़ दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले से खुलासा और दावा किया है कि भारत में मोबाइल निर्माण-उत्पादन 33 गुना, खादी-ग्रामोद्योग 5 गुना, रेलवे कोच निर्माण 31 गुना, मैन्यूफैक्चरिंग 7 गुना, इंटरनेट 4 गुना, गैस कनेक्शन 6 गुना, नल से जल 15 गुना, शौचालय 4 गुना, गरीबों को पक्के घर देना 3 गुना और डिजिटल भुगतान, लेन-देन 100 गुना बढ़ा है। यकीनन भारत ने प्रगति की है, लेकिन अमरीका, चीन, जर्मनी, जापान आदि देशों की तुलना में हम आज भी बहुत पीछे हैं। भारत में सेमीकंडक्टर के तीन प्लांट अभी शुरू हुए हैं, लेकिन चीन और ताइवान दुनिया को सेमीकंडक्टर सप्लाई कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आगामी 7-8 साल का लक्ष्य बताया है कि सेमीकंडक्टर के 5-7-8 प्लांट शुरू हो जाएंगे। निश्चित संख्या नहीं है। हम कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) के क्षेत्र में भी 'शिशुवत' हैं और प्रधानमंत्री ने आश्वस्त करने की कोशिश की है कि आगामी एक साल में 1 करोड़ युवाओं को एआई स्किल की ट्रेनिंग दी जाएगी। ऐसी ही आकर्षक घोषणा बजट में की गई थी कि देश की 500 बड़ी कंपनियों में 5 साल में 1 करोड़ युवा 'इंटर्नशिप' करेंगे। उन्हें 5000 रुपए मानदेय भी दिया जाएगा। नतीजा क्या रहा, प्रधानमंत्री इसका भी खुलासा कर देते। यह इच्छा करना सुखद लगता है कि फॉर्च्यून की 500 शीर्ष कंपनियों में 50 भारतीय भी हों, फार्मा कंपनियां शीर्ष 5 कंपनियों में हों, शीर्ष 10 बैंकों में भारतीय भी हो और भारत की अपनी रेटिंग एजेंसी हो। आज 79 साल की आजादी के बाद भी भारत का एक विश्वविद्यालय भी शीर्ष 100 तो क्या, शीर्ष 200 में भी शामिल नहीं है। करीब 73 फीसदी बच्चे 12वीं तक भी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। प्रधानमंत्री नए विश्वविद्यालय और स्कूल खोलने की घोषणा करते रहते हैं। प्रधानमंत्री ने यह नहीं बताया कि एआई ट्रेनिंग के साथ रोजगार कितना बढ़ेगा? ऑनलाइन कोचिंग निशुल्क होगी, लेकिन परीक्षा-प्रणाली कितनी पारदर्शी, ईमानदार होगी? कोचिंग का कारोबार करीब 58,000 करोड़ रुपए का है और करीब 7.10 करोड़ छात्र कोचिंग ले रहे हैं। क्या इस समीकरण को तोड़ा जा सकता है? प्रधानमंत्री ने तेल की तलाश में 'समुद्र-मंथन' शुरू कराया है। हाईड्रोजन ट्रेन एक सुखद शुरूआत है। 'सूर्यघर' का प्रयोग भी सफल हो रहा है।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

ईरान के चक्रव्यूह में फंसे ट्रंप

तनवीर जाफ़री

पूरे विश्व की निगाहें इस समय अमेरिका - ईरान के मध्य चल रहे तनावपूर्ण हालात पर लगी हुई है। इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने अपने छल से राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से एक ऐसे युद्ध में उलझा दिया है जिससे ट्रंप के लिये बड़ी परेशानी खड़ी हो गयी है। विश्व इतिहास में यह पहला मौका है जबकि ईरान जैसा देश प्रत्येक मोर्चों पर अमेरिका को बराबर की चुनौती दे रहा है। नतीजतन ट्रंप के गलत फैसलों से अब अमेरिकी सेना के जवान भी ऊब चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिकी नौसेना के एक परमाणु ऊर्जा संचालित सुपर-कैरियर विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन CVN-72 को लेकर एक ऐसी खबर आई जिसने पूरी दुनिया को हैरानी में डाल दिया। यह युद्धपोत 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो, कैलिफोर्निया से अपनी निर्धारित यात्रा पर निकला था। शुरूआत में इसे प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में तैनात किया जाना था, लेकिन जनवरी 2026 में इस्राईल -अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध छिड़ जाने के बाद इसे अचानक पश्चिम एशिया/अरब सागर की ओर मोड़ दिया गया। इस युद्धपोत पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन तैनात हैं। इन नौसैनिकों ने समुद्र में लगातार 250 से अधिक दिन बिताए हैं, जिसमें से करीब 200 दिन बिना किसी पोर्ट कॉल अर्थात बिना किसी बंदरगाह पर रुके हुये बीते हैं, जो आधुनिक अमेरिकी नौसेना के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। नौसैनिकों व मरीन की इस तैनाती को मूल रूप से मई 2026 में समाप्त होना था, लेकिन ईरान के साथ जारी जंग के कारण इसे बार-बार आगे बढ़ाया गया, जिससे सैनिकों की घर वापसी अनिश्चित हो गई। सैनिकों में पैदा हुये इसी अत्यधिक मानसिक दबाव के चलते कम से कम 6 नौसैनिकों ने युद्धपोत से समुद्र में कूदकर जान देने यानी आत्महत्या करने की कोशिश की, जिन्हें उन्हीं के सैनिक साथियों द्वारा समय रहते बचा लिया गया। इस घटना को लेकर पूरी दुनिया में बड़ी चर्चा छिड़ गई है।

माइक लेविन जैसे कई अमेरिकी सांसदों और मरीन सैनिकों के परिवारों ने भी यह खुलासा किया कि युद्धपोत पर जीवन नरक जैसा हो गया है। कई हफ़्तों तक जहाज पर गर्म पानी नहीं मिलता और टॉयलेट्स व शावर आदि खराब हो चुके हैं। लॉन्ड्री सुविधा बंद रहने से सैनिक गंदे कपड़े पहनने को मजबूर हैं। युद्धपोत पर भोजन और जरूरी सामानों की भारी कमी हो गई, यहाँ तक कि राशन कम होने पर सैनिकों को भोजन में बेहद कम व सीमित मात्रा दी जा रही है। और तो और युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से बहरीन जैसे अमेरिकी ठिकानों से जहाज तक रसद पहुँचाना भी मुश्किल हो गया है। इस हादसे,अमेरिकी सांसदों के दबाव और परिवारों के आक्रोश के बाद अब अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने घोषणा की है कि युद्धपोत को अब रोटेशन प्लान के तहत वापस बुलाया जा रहा है। मिडिल ईस्ट में इसकी जगह लेने के लिए दूसरे विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन को भेजा जा रहा है ताकि थके हुए सैनिकों को राहत मिल सके। परन्तु इस खबर ने वर्तमान समय में अमेरिकी सैनिकों की उबावपूर्ण स्थिति तो उजागर कर ही दी है। उधर ईरान की तरफ से संभावित खतरे के संदेह में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अंतिम समय में विमान बदलने से जुड़ी हुई एक हैरतअंगेज खबर सामने आई। वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार पिछले महीने तुर्की में नेटो शिखर सम्मेलन से निकलते समय ट्रंप ने गुपचुप तरीके से अपना विमान बदल लिया था। खबरों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति टेलीविजन कैमरों की मौजूदगी में एयर फोर्स वन में सवार हुए, फिर उन्हें चुपके से एक ऊंचे एयरपोर्ट कैटरिंग ट्रक में ले जाया गया और एक सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। हालांकि, अब वॉशिंगटन पोस्ट की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने एक बार फिर विमान बदल दिया था। पोस्ट ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रंप को पुराने एयर फोर्स वन विमान से एक कैटरिंग कंटेनर में बाहर निकाला गया। यह कंटेनर ट्रंप को एक छोटे सी-32ए विमान तक ले गया। इसी विमान से उन्होंने ब्रिटेन के लिए उड़ान भरी। इस दौरान विमान में सवार पत्रकारों और व्हाइट हाउस के कुछ कर्मचारियों को भी इसकी जानकारी नहीं थी। इससे पहले अंकारा में शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वो ईरान का नंबर वन निशाना हैं।

ट्रंप के ईरान से भयभीत होने की एक सबसे बड़ी वजह यह भी है कि जुलाई 2026 में ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान ईरान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या से जुड़े बेहद आक्रामक पोस्टर, बैनर और नारे खुले आम लगाए गए थे । फरवरी 2026 में अमेरिका-इस्राईल के हवाई हमलों में अयातुल्ला खामेनेई व उनके कई परिजन शहीद हो गए थे जिसके बाद हुए उनके विशाल अंतिम संस्कार में ईरानी लोगों में काफी आक्रोश देखा गया। अंतिम संस्कार के दौरान राजधानी तेहरान और खामेनेई के दफ़्न वाले शहर मशहद की सड़कों पर जगह जगह अंग्रेजी में KILL TRUMP लिखे बड़े बड़े बैनर और धमकी भरे पोस्टर देखे गये। काले कपड़ों में शामिल महिलाओं और प्रदर्शनकारियों ने अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में KILL TRUMP लिखे हुए लाल रंग के प्लेकार्ड उठा रखे थे। कई पोस्टर्स में डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और इस्राईली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीरों पर बंदूक की दूरबीन का निशाना क्रॉस हेयर बना हुआ था। उन पोस्टरों पर नीचे लिखा था- There will be blood यानी खून बहेगा। इसी तरह तेहरान में एक पुल से ट्रंप का एक विशाल बिलबोर्ड (होर्डिंग) लटकाया गया था, जिस पर उनके सिर पर गोली का निशान बना था और लिखा था अमेरिका ने हमारे पिता को मारा है, हम तुम्हें छोड़ेंगे नहीं! और वहां से गुजरती आक्रोशित भीड़ उस होर्डिंग पर पत्थर बरसा रही थी। खामेनेई के अंतिम संस्कार के जुलूस में भी भीड़ ने सामूहिक रूप से कसम खाते हुए नारे लगाए कि हम अपने सर्वोच्च नेता के खून की कसम खाते हैं, ट्रंप हम तुम्हें मार डालेंगे! मुख्य मंच से कवियों और उद्घोषकों ने लाउडस्पीकर पर चिल्लाते हुए भीड़ से पूछा, दुनिया का सबसे कमीना आदमी (डोनाल्ड ट्रंप) अभी तक जिंदा क्यों है? जिसने हमारे इमाम को मारा, हम उसे क्यों न मारें? इसके बाद पूरी भीड़ ने डेथ टू डोनाल्ड के नारे लगाए। यहाँ तक कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने भी लिखित बयान जारी कर कहा कि ईरान ने इन अपराधी हत्यारों की एक हिट-लिस्ट तैयार की है और उनसे बदला लेना अब ईरान का राष्ट्रीय संकल्प है। इसतरह के हालात ट्रंप व उनके सुरक्षा सलाहकारों में ईरान के प्रति भयभीत होने के लिए पर्याप्त हैं। यानी कहना गलत नहीं होगा कि अपने ही गलत फैसलों के चलते ट्रंप ईरान के चक्रव्यूह में बुरी तरह फंस चुके हैं।

जब आस्था की भीड़ में कुचल जाता है इंसान

कुमार कृष्णन

सावन का तीसरा सोमवार था। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए लखीसराय के प्रसिद्ध अशोक धाम मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा था। सुबह-सुबह मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते आस्था और उम्मीद से भरे थे। लेकिन कुछ ही क्षणों में वही भीड़ चीख-पुकार में बदल गई। लोग भगवान तक पहुंचने के लिए निकले थे, मौत के मुंह में पहुंच गए।

लखीसराय के इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर, अशोक धाम में सोमवार सुबह हुई भगदड़ ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि हमारे धार्मिक स्थलों पर आस्था की भीड़ के लिए सुरक्षा की तैयारी कितनी गंभीर है। शुरूआती खबरों में मृतकों की संख्या छह और सात बताई गई, जबकि बाद की प्रशासनिक जानकारी में आठ महिला श्रद्धालुओं की मौत और नौ लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की बात सामने आई। घटना की अंतिम स्थिति आधिकारिक जांच और पुष्टि से ही स्पष्ट होगी।

हादसे की वजह को लेकर भी शुरूआती सूचनाओं में अंतर रहा। पहले बिजली के तार या खंभे से करंट लगने की बात सामने आई। बाद में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार और एडीएम नीरज कुमार के हवाले से बताया गया कि बिजली आपूर्ति बंद थी और तार ढका हुआ था। अशोक धाम हाल्ट पर एक साथ दो ट्रेनें आने से अचानक भीड़ बढ़ी। कुछ युवकों की भाग-दौड़ के दौरान बिजली का एक खंभा गिर गया। इसके बाद करंट फैलने की अफवाह ने श्रद्धालुओं में दहशत पैदा कर दी। लोग इधर-उधर भागने लगे। बैरिकेडिंग टूट गई और भगदड़ में लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरते चले गए।

यही इस घटना का सबसे भयावह पक्ष है। भगदड़ में हमेशा कोई एक चीज नहीं मारती। कभी अफवाह, कभी संकरी जगह, कभी टूटी बैरिकेडिंग, कभी अचानक बढ़ा दबाव और कभी प्रशासन की तैयारी तथा वास्तविक भीड़ के बीच का अंतर मौत का कारण बन जाता है।

सवाल केवल अशोक धाम का नहीं है। सवाल यह है कि जब किसी धार्मिक आयोजन में हजारों लोगों के आने की संभावना पहले से मालूम होती है, तो भीड़ को अचानक आई आपदा की तरह क्यों देखा जाता है?

सावन का सोमवार कोई अनजान तारीख नहीं था। अशोक धाम में भारी भीड़ की संभावना पहले से थी। जिलाधिकारी के अनुसार वे रात तीन बजे के बाद से ही मौके पर मौजूद थे। सुबह छह बजे के बाद भीड़ तेजी से बढ़ रही थी। दो ट्रेनों के एक साथ आने से श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ी। इसका अर्थ है कि संकट केवल भगदड़ के क्षण में पैदा नहीं हुआ। संकट धीरे-धीरे बन रहा था। भीड़ बढ़ रही थी, रास्ते भर रहे थे और लोगों का दबाव बढ़ रहा था। फिर एक छोटी-सी घटना हुई और सामूहिक भय ने सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया।

भीड़ के मनोविज्ञान की यही विडंबना है। एक व्यक्ति दौड़ता है तो वह भाग रहा होता है। सौ लोग दौड़ते हैं तो वह भगदड़ होती है। हजार लोग दौड़ते हैं तो रास्ता नहीं बचता। गिरा हुआ व्यक्ति उठ नहीं पाता, क्योंकि पीछे आने वाले को पता ही नहीं होता कि उसके पैरों के नीचे कोई जिंदगी पड़ी है। इसलिए भीड़ प्रबंधन का अर्थ केवल पुलिस की संख्या बढ़ाना नहीं है। भीड़ को चलाना, रोकना, मोड़ना, बांटना और सुरक्षित निकालना भी उतना ही जरूरी है।

अशोक धाम केवल एक मंदिर नहीं है। यह लखीसराय की धार्मिक चेतना और स्थानीय आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इस स्थल का संबंध पाल काल से जुड़ा है। कहा जाता है कि आठवीं शताब्दी में पाल वंश के राजा नारायण पाल के समय यहां शिवलिंग की पूजा होती थी। एक अन्य परंपरा के अनुसार बारहवीं शताब्दी में राजा इंद्रद्युम्न ने यहां भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। समय के साथ पुराना मंदिर नष्ट हुआ और उसके अवशेष धरती के नीचे दब गए।

अशोक धाम की आधुनिक कहानी 7 अप्रैल 1977 से जुड़ती है। स्थानीय परंपरा के अनुसार उस दिन अशोक नाम का एक बालक गिल्ली-डंडा खेल रहा था। खेलते समय उसकी नजर जमीन के नीचे दबे एक विशाल काले पत्थर पर पड़ी। बाद में उसे शिवलिंग माना गया। शिवलिंग इतना विशाल था कि उसे बाहर निकालना संभव नहीं हुआ। उसी बालक के नाम पर यह स्थान अशोक धाम कहलाने लगा। मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य आगे बढ़ा और 11 फरवरी 1993 को जगन्नाथपुरी के शंकराचार्य ने नए मंदिर के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। बाद के वर्षों में श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से मंदिर परिसर का विकास हुआ। आज सावन में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इतिहास और आस्था से जुड़ा यह स्थल अब आधुनिक भीड़ प्रबंधन की बड़ी चुनौती के सामने है।

धार्मिक स्थलों की भीड़ का अपना अनुभव है। अजमेर शरीफ दरगाह में एक बार मुझे वीआईपी प्रवेश की सुविधा मिली। एक खादिम ने व्यवस्था कर दी थी और एक युवक चादर चढ़ाने में सहायता के लिए साथ था। फिर भी मुख्य द्वार तक पहुंचने में जिस भीड़ से गुजरना पड़ा, उसने समझा दिया कि वीआईपी प्रवेश भी भीड़ के भय को समाप्त नहीं करता।

अंदर मजार पर चादर चढ़ाने की जगह छोटी और बंद थी। लगभग दो मिनट का वह समय बेहद परेशान करने वाला था। मेरी पोती भीड़ देखकर डर गई और रोने लगी। तब समझ आया कि धार्मिक आस्था व्यक्ति को भीतर से मजबूत करती है, लेकिन भीड़ का दबाव उम्र, शरीर और आस्था नहीं देखता।

इसीलिए मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि बड़े धार्मिक आयोजनों में बच्चों, बीमारों और बहुत बुजुर्ग लोगों को अत्यधिक भीड़ से बचना चाहिए। युवा और शारीरिक रूप से सक्षम लोग जाएं, लेकिन भीड़ की प्रकृति और निकासी के रास्तों का ध्यान रखें। यह आस्था पर टिप्पणी नहीं, भीड़ के व्यवहार की व्यावहारिक समझ है। खाटू श्याम से लेकर वैष्णो देवी, अजमेर, काशी, उज्जैन, जगन्नाथ पुरी और कुंभ-महाकुंभ तक, जहां आस्था का समुद्र उमड़ता है, वहां सुरक्षा भी उसी अनुपात में मजबूत होनी चाहिए।

भारत का इतिहास ऐसी त्रासदियों से भरा पड़ा है। 1954 के प्रयाग कुंभ की भगदड़ देश की सबसे भयावह धार्मिक भीड़ त्रासदियों में गिनी जाती है। 2005 में महाराष्ट्र के मंधारदेवी मंदिर में तीन सौ से अधिक लोगों की मौत हुई। 2008 में जोधपुर के चामुंडा देवी मंदिर में दो सौ से अधिक लोग मारे गए। 2010 में प्रतापगढ़ के मनगढ़ आश्रम में 63 लोगों की मौत हुई। 2011 में सबरीमाला के पास पुलमेडु में सौ से अधिक श्रद्धालुओं की जान गई। 2015 में राजमुंदरी के गोदावरी पुष्करम में 27 लोगों की मौत हुई और उसी वर्ष देवघर के बैद्यनाथ धाम में भगदड़ में 11 श्रद्धालु मारे गए।

ये केवल आंकड़े नहीं हैं। हर संख्या के पीछे एक परिवार है। किसी की मां, पत्नी, बेटी या पिता है। सवाल इसलिए यह नहीं होना चाहिए कि हादसा हुआ तो किसे दोष दें। सवाल यह होना चाहिए कि हादसा होने की स्थिति पैदा ही क्यों हुई?

अशोक धाम की घटना में अफवाह की भूमिका महत्वपूर्ण है। खंभा गिरा, लोगों ने करंट की आशंका समझी, डर फैला, लोग भागे, बैरिकेडिंग टूटी और लोग गिरते चले गए। इसलिए बड़े धार्मिक आयोजनों में केवल भजन और सामान्य घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। अफवाह के मुकाबले सूचना की गति अधिक होनी चाहिए। किसी खंभे के गिरने पर तुरंत बताया जाए कि बिजली बंद है या चालू, लोगों को भागने के बजाय शांत रहने की सलाह दी जाए और वैकल्पिक रास्ते बताए जाएं। घबराई भीड़ को डंडे से नहीं, स्पष्ट सूचना और भरोसे से नियंत्रित किया जा सकता है।

धार्मिक आयोजनों की जिम्मेदारी केवल मंदिर प्रशासन की नहीं हो सकती। मंदिर प्रबंधन, जिला प्रशासन, पुलिस, रेलवे, बिजली विभाग, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय निकायों को एक साझा सुरक्षा योजना बनानी होगी। अशोक धाम में दो ट्रेनों के एक साथ आने से भीड़ बढ़ी तो रेलवे स्टेशन से मंदिर तक का रास्ता भी सुरक्षा योजना का हिस्सा होना चाहिए था।

धार्मिक स्थल का सुरक्षा नक्शा केवल प्रवेश द्वार तक सीमित नहीं होना चाहिए। उसमें निकास द्वार, आपातकालीन मार्ग, चिकित्सा केंद्र, एंबुलेंस की पहुंच, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा और खुले सुरक्षित क्षेत्र शामिल होने चाहिए।

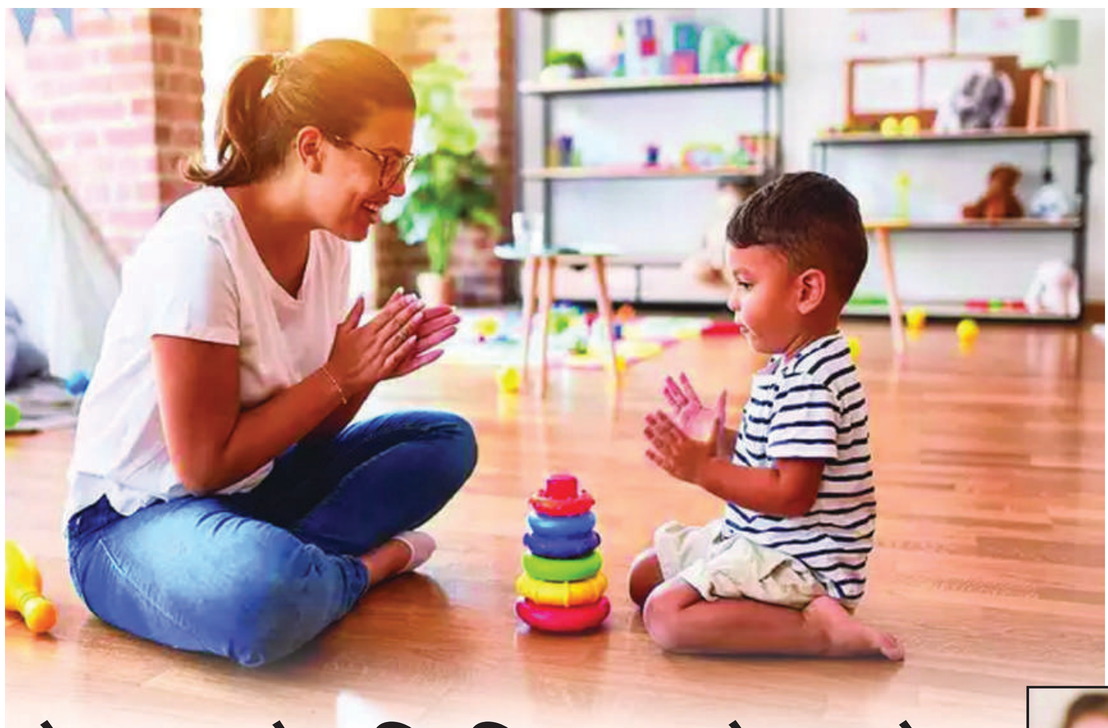

अपने छोटे बच्चों को स्कूल भेजना और उसके सुनहरे भविष्य की कामना करना हर माता-पिता का हक होता है। अपने बच्चे के जन्म से ही वह उसके भविष्य के बारे में सोचने लगते हैं। प्री-स्कूलिंग, कॉलेज सब तय हो गया होता है, लेकिन विशेषज्ञों का दावा किसी और ही तरफ इशारा करता है। उनके अनुसार कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गलत असर डालता है।

मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए बुरा हो सकता है, कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना

बच्चों को प्री-स्कूलिंग के लिए भेजना हर पेरेंट्स के लिए काफी बड़ा कार्य होता है। यह पहली बार होता है उनका नन्हा-सा बच्चा अपने जीवन को सुधारने और उससे नई चीजों को सीखने के लिए वास्तविक दुनिया में कदम रखता है। स्कूलिंग के दौरान मिलने वाली औपचारिक शिक्षा उसे उसके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करती है। हम में से अधिकांश लोगों का मानना है कि यदि आपका बच्चा इसके लिए तैयार है, तो उसे प्री-स्कूल में एडमिशन दिलाने का कोई सही या गलत समय नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ वास्तव में इससे सहमत नहीं हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भले ही आपका बच्चा प्रतिभाशाली हो और उसमें जल्दी सीखने की कौशलता हो, फिर भी उन्हें बहुत जल्दी स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। रिसर्चरों का कहना है कि आपका अपने बच्चों को प्री-स्कूल जल्दी भेजने का आग्रह स्वाभिक है, लेकिन अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही समय का इंतजार करना ही बेहतर होगा।

बच्चों को जल्दी स्कूल भेजना इसलिए होता है हानिकारक नए अध्ययन के शोधकर्ता सलाह देते हैं कि माता-पिता किंडरगार्टन में अपने साथियों के साथ अपने बच्चों की उम्र पर विचार करें। एक बड़ा अंतर आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे अपने साथियों से छोटे होते हैं (स्कूल शुरू करने के लिए न्यूनतम आयु कट-ऑफ के करीब), वह कक्षा में खराब प्रदर्शन करते हैं और उन्हें साथियों की तुलना में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इंग्लैंड में यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि बहुत जल्दी स्कूल शुरू करना आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

स्टडी क्या कहती है

अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं की टीम ने एक मौजूदा अध्ययन से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग किया, जिसे ''स्कूल अध्ययन में सहायक शिक्षक और बच्चे'' कहा जाता है। यह अध्ययन डेवोन, इंग्लैंड के 80 विभिन्न स्कूलों के 2,075 प्राथमिक विद्यालय के पांच से नौ वर्षों के छात्रों पर किया गया था। अध्ययन में माता-पिता और शिक्षकों से पूछे गए सवालों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिससे यह पता चला कि जल्दी स्कूल भेजने से बच्चों में चिंता और भय, अपने साथियों के साथ खराब संबंध, व्यवहार और एकाग्रता के मुद्दों जैसी नकारत्मक भावनाएं जन्म लेती हैं।

परिणाम क्या निकला

अध्ययन के अंत में, यह निष्कर्ष निकाला गया कि छोटे बच्चों में उनके साथियों की तुलना में खराब मानसिक स्वास्थ्य होने की संभावना अधिक होती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कम उम्र में बड़े साथियों के साथ रहना थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। समस्या उन बच्चों में विशेष रूप से प्रमुख थी जो नई चीजें सिखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे और समय से पहले पैदा हुए थे। यह खोज माता-पिता को इस बारे में विचार करने में मदद कर सकती है कि औपचारिक शिक्षा सेटिंग में बच्चे का नामांकन कब करना है, ताकि उनके स्वास्थ्य के लिए कुछ भी हानिकारक सिद्ध नहीं हो।

एडमिशन की सही उम्र

ज्यादातर लोगों का मानना है कि जितनी जल्दी वह अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे, उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए 3 साल एक आदर्श उम्र है। हालांकि, अपने बच्चे को स्कूल भेजने से पहले आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- उन्हें शौचालय प्रशिक्षित होना चाहिए।
- वह थोड़े समय के लिए स्थिर बैठ सकते हैं।
- वह अपने माता-पिता से दूर आराम से समय बिता सकते हैं।
- वह अपनी जरूरतों को बता सकते हैं और दूसरों की बातें सुन सकते हैं।

आपके किचन में मौजूद है सन टैन हटाने के आसान नुस्खे

अगर आप भी बीच पर छुट्टियां बिताकर हॉलिडे की यादों के साथ-साथ सन टैन लेकर लौटी हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं। गर्मियों में कितना भी धूप से बचो, सन टैन हो ही जाता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं सन टैन रिमूवल के कुछ तरीके, जिन्हें आप घर पर ही आजमा सकती हैं। खास बात ये कि ये चीजें आपके किचन में ही मिल जाएंगी.

खीरे की फ्रेश स्लाइस

खीरे की फ्रेश स्लाइस लें। इसे फेस के साथ-साथ सन टैन प्रभावित क्षेत्रों पर हल्के हाथों से रगड़ें। लगाने के बाद तकरीबन 10 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। टैनिंग दूर हो जाएगी।

हल्दी, बेसन और दही का पैक

दो चम्मच बेसन, दो चम्मच हल्दी पाउडर और दो चम्मच दही लें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस और सन टैन प्रभावित बॉडी पार्ट्स पर लगाएं। तब तक लगा रहने दें, जब तक वह पूरी तरह से सूख न जाए। जब सूख जाए, तो पानी से धो लें।

शहद और नींबू का पैक

दो चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस लें। इसे मिक्स करके तकरीबन 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। अब पानी से धो लें। टैनिंग दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

कच्चा दूध

थोड़ा सा कॉटन ले लें और बिना उबले हुए कच्चे दूध में कॉटन को भिगोएं और इसे फेस पर लगाएं। इसे 10 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर चेहरे को पानी से धो लें।

बच्चे का वेट बढ़ने में पैरंट्स का होता है इंपॉर्टेंट रोल

अक्सर ही खुद और बच्चे के वेट को लेकर टेंशन हो जाती है कि लगातार वजन कैसे बढ़ता ही जा रहा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चे के वेट बढ़ने में पैरंट्स का इंपॉर्टेंट रोल होता है। हाल ही में इसपर एक स्टडी भी सामने आई। आइए जानते है.

अक्सर ही यह देखा गया है कि परिवार में अगर कोई एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है तो दूसरों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। हालांकि अधिकतर यह पैरंट्स और बच्चों में देखने को मिलता है। यानी कि जिन पैरंट्स का वेट ज्यादा होता है उनके बच्चों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। वहीं पैरंट्स इस बात को लेकर खासे परेशान नजर आते हैं कि कैसे बच्चे का वजन कम हो। हाल ही में ऐसे मामलों पर की गई स्टडी से यह बात सामने आई है कि कैसे अपनी लाइफस्टाइल में कुछ तब्दीलियां लाकर पैरंट्स अपने साथ ही बच्चों के वेट बढ़ने पर नियंत्रण कर सकते हैं। स्टडी के मुताबिक पैरंट्स बच्चों को जो भी खिलाते हैं बच्चे वह खाते जाते हैं। इससे उनका वजन बढ़ने लगता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे को हेल्दी खाने और अच्छी आदतों के अनुसार ढालते हैं तो वह वजन बढ़ने की समस्या से निजात पा सकता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) रिसर्च किया। यानी कि खाने और एक्सरसाइज के जरिए बच्चों और उनके पैरंट्स को बढ़े हुए वजन को नियंत्रित या कम करने के लिए प्रेरित किया। इस बारे में अमेरिका के लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसचर्स केली हॉकिन्स और कॉर्बी के मार्टिन कहते हैं कि बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव उनके माता-पिता का ही पड़ता है।

रिसर्च में 16 परिवारों पर हुई स्टडी

पैरंट्स और उनके बच्चों के बढ़ते वजन को कैसे नियंत्रित और कम किया जा सके इसके लिए 16 परिवारों को 19 सप्ताह तक ऑब्जर्व किया गया। हालांकि इस दौरान उन्हें अपनी और बच्चों की लाइफस्टाइल में शामिल करने की बात कही गई थी। इसके बाद स्टडी में 2 से 6 साल के बच्चों का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) 75प्रतिशत से अधिक पाया गया। बता दें कि (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) के सेशन्स में यह बात सामने आई कि इसमें नियमित स्नैक और खाने के साथ ही फिजिकल ऐक्टिविटीज के होने से बच्चों के बीएमआई में कमी देखी गई। साथ ही उनका वजन भी नियंत्रित था। वहीं पैरंट्स के वजन में भी थोड़ी तब्दीलियां देखने को मिलीं। लेकिन जिन बच्चों को ड्राइव के सेशन में शामिल नहीं किया गया केवल जानकारी ही दी गई थी उनके वजन में वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं के मुताबिक संयमित, नियमित खानपान और एक्सर्साइज से खुद और बच्चे दोनों के ही वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए लगाएं टमाटर का जूस

टमाटर प्रकृति का दिया एक ऐसा उपहार हैं जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटमिन से भरपूर है। टमाटर खाना सेहत ले लिए लाभदायक है और इसे चेहरे पर लगाने से स्किन हेल्दी बनती है। इतना ही नहीं अगर आप इसे अपने बालों पर लगाएंगे तो रुखे और बेजान बाल चमकदार और रेशमी हो जाएंगे। आइए, यहां जानते हैं कि टमाटर का जूस बालों पर लगाने से क्या-क्या फायदे होते हैं.

- टमाटर का जूस बालों पर लगाने से बालों का टेक्चर स्मूद होता है और बालों की शाइनिंग में बढ़ती है।
- टमाटर का जूस बालों में पीएच लेवल बैलंस करता है, जिससे रुखे और बेजान बालों में वॉल्यूम आ जाता है।
- टमाटर में बड़ी मात्रा में विटमिन ए और विटमिन सी होता है। इसके जूस को बालों पर लगाने से बालों की स्कल्प को मजबूती मिलती है।
- टमाटर का जूस लगाने से बालों में मजबूती आती है और बाल जल्दी से दोमुहे नहीं होते हैं। साथ ही ग्रोथ अच्छी बनी रहती है।

ऐसे बनाएं कंप्लीट पैक

अगर आपके बालों में डाईनेस बहुत ज्यादा हो गई है और डैंड्रफ से भी परेशान हैं तो टमाटर के जूस में शहद मिलाकर हेयर मास्क बनाकर बालों पर लगाएं। आधा घंटा लगाए रखने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। हो सकता है लगाने के तुरंत बाद आपको सिर में हल्की जलन महसूस हो या खुजली हो लेकिन आप परेशान न हों। ऐसा टमाटर में एसिडिक प्रॉपर्टी होने के कारण होता है।

आज के जमाने में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जो डियोड्रेंट और परफ्यूम का इस्तेमाल न करता हो। फिर चाहे आपकी एज कुछ भी हो और आप महिला हों या पुरुष इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, हर कोई चाहता है कि उसके शरीर से अच्छी स्मेल आए। ऐसे में रोज, लैवेंडर और फ्रूटी स्मेल से भरपूर डियोड्रेंट और परफ्युम गर्मी के दिनों में पसीने की बदबू से लड़ने में मदद करते हैं।

घर में छोटे बच्चे हैं तो परफ्यूम और डियोड्रेंट यूज करते वक्त बरतें सावधानी

बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन न करने से नुकसान हालांकि इन परफ्यूम्स और डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करते वक्त जिस एक चीज का हम सब ध्यान नहीं रखते वह है बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन करना जो कई बार हानिकारक साबित हो सकता है। हाल ही में हुई एक स्टडी में यह बात साबित भी हो चुकी है कि बच्चों को लगने वाली चोट में 12.7 प्रतिशत चोटें पर्सनल केयर प्रॉडक्ट्स की वजह से लगती हैं जिनमें खुशबू और सुगंध से जुड़ी परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजें शामिल हैं। इस तरह की चीजें बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकती हैं इसलिए इनका इस्तेमाल करते वक्त माता-पिता को भी काफी सावधानी बरतनी चाहिए।

इन चीजों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें

परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजों को बच्चों की पहुंच से बहुत दूर रखें क्योंकि अगर बच्चे गलती से भी इन्हें अपनी आंख, नाक, कान या मुंह में स्प्रे कर लें तो यह बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इतना ही नहीं अगर घर में बहुत ज्यादा छोटे बच्चे हैं तब भी पैरंट्स को बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए वरना बच्चों द्वारा इन चीजों की बॉटल, ढक्कन आदि चीजों को मुंह में लेने की वजह से चोकिंग का भी खतरा रहता है।

बच्चे अगर यूज करें तो सेहत से जुड़ी समस्याओं का खतरा

अगर आपके घर में 13 से 17 साल के बीच के किशोर हैं तो उनमें संगी-साथियों के प्रेशर की वजह से समस्याएं अलग होती हैं। बड़े बच्चे खुद भी अच्छा स्मेल करने के लिए इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं। ऐसे में छोटी उम्र में परफ्यूम या डियोड्रेंट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से बच्चों में फिजिकल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही बच्चे बॉटल पर लिखे निर्देश पढ़े बिना इसे सीधे स्किन पर स्प्रे कर लेते हैं जिससे उन्हें स्किन ऐलर्जी, रिऐक्शन, अस्थमा और सांस लेने में दिक्कत जैसी कई समस्याएं भी हो सकती हैं।

छात्रों का दर्द: देशद्रोही और आतंकवादी कहा, 6 घंटे बंधक बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर देश के युवाओं और छात्र-छात्राओं के साहस की सराहना की है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के खिलाफ मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की और यह संघर्ष शांति, संयम, प्रेम और हास्य के साथ लड़ा। राहुल गांधी ने करीब साढ़े दस मिनट का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वे नीट प्रदर्शन में शामिल रहे छात्रों से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। छात्रों ने बातचीत के दौरान पुलिस कार्रवाई, कथित लाठीचार्ज और हिरासत से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उनका आरोप था कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बर्बरता की और कई छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया। कुछ छात्रों ने पैलेट गन के इस्तेमाल का भी दावा किया और गंभीर रूप से घायल होने की घटनाएं बताईं।

छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को देशद्रोही और आतंकवादी कहा गया, कई लोगों को घंटों तक हिरासत में रखा गया और उनके मोबाइल फोन ले लिए गए। कुछ छात्राओं ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों और वीडियो के गलत इस्तेमाल तथा मानसिक प्रताड़ना का आरोप भी लगाया।

छात्रों ने दावा किया कि कुछ लड़कियों को कैमरे के सामने माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया, जबकि उन्होंने कोई गलती नहीं की थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब माफी स्वेच्छा से नहीं मांगी गई थी तो उसे स्वीकार करने का क्या औचित्य था। छात्रों ने पूरी घटना को दिखावा करार दिया।

राहुल गांधी ने विशेष रूप से छात्राओं के संघर्ष और हिम्मत की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुश्किल परिस्थितियों, कथित बदसलूकी, धमकियों और दबाव के बावजूद लड़कियों का हौसला नहीं टूटा है। उनका कहना है कि देश की बेटियों की आवाज अब दबाई नहीं जा सकेगी। राहुल गांधी ने बताया कि 22 अगस्त को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से लड़कियों के लिए होगा, जहां वे खुलकर अपनी बात रखेंगी। उन्होंने युवाओं और आम लोगों से इस मुहिम से जुड़ने की अपील की है। इसके लिए पोस्ट में रजिस्ट्रेशन की जानकारी और क्यूआर कोड भी साझा किया गया है।

कर्नाटक में 3 तमिलों की हत्या की मुख्यमंत्री विजय ने कड़ी निंदा की, निष्पक्ष जांच की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कर्नाटक वन विभाग की गोलीबारी में तीन ''तमिलों'' के मारे जाने की कड़ी निंदा की है। यह घटना 15 अगस्त की सुबह चामराजनगर जिले के हनूर तालुक में कावेरी वन्यजीव अभयारण्य इलाके में हुई थी, जिसमें एंथनी सैमी, जॉन रोज पीटर और कुमार नामक 3 लोग मारे गए थे। मुख्यमंत्री विजय ने घटना को बेहद पीड़ादायक और निर्मम हत्या बताकर कर्नाटक वन विभाग द्वारा दी गई सफाई को अस्वीकार्य बताया है। उन्होंने एक उच्च-स्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है, जिससे दोषियों को उचित सजा मिले और पीड़ितों के परिवारों को पड़ोसी राज्य से आवश्यक मुआवजा प्राप्त हो सके। विजय ने कर्नाटक सरकार से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया। वहीं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और पूर्व सीएम एम.के. स्टालिन ने क्रूर और अमानवीय कृत्य पर हैरानी जताकर तमिलनाडु सरकार से मेकेदातु बांध के मुद्दे की तरह मामले में चुप नहीं रहने का आग्रह किया है। दूसरी ओर, कर्नाटक वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह घातक घटना शनिवार सुबह शग्या रेंज के घने वन क्षेत्र में हुई, जब संदिग्ध शिकार गतिविधि की सूचना पर वनकर्मियों का सामना चार लोगों से हुआ, जिसमें से एक मौके से फरार हो गया। मारे गए लोगों में से एक की पत्नी की शिकायत के आधार पर, हनूर पुलिस ने घटना में शामिल वन अधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) (हत्या की सजा से संबंधित) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश देने की बात कहकर मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में गोलीबारी से जुड़ी परिस्थितियों, जिसमें आत्मरक्षा या गोलीबारी की शुरुआत किसने की, का पता लगाया जाएगा।

दिल्ली मार्च की अनुमति दें : डल्लेवाल ने मोदी और हरियाणा सरकार से की अपील

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन एकता (सिद्धूपुर) के प्रमुख जगजीत सिंह डल्लेवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा सरकार से अपील की है कि वे भारत-अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते का विरोध कर रहे किसानों को दिल्ली की ओर बढ़ने दें। किसान खनौरी बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। डल्लेवाल ने कहा कि किसान सीमित संख्या में शांतिपूर्ण पैदल मार्च करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें खनौरी बॉर्डर पर रोक दिया गया है। उन्होंने बताया कि रात होने पर भी किसान सड़क किनारे सो रहे हैं, पर दृढ़ हैं। उनका कहना था कि हरियाणा सरकार से उनका कोई झगड़ा नहीं है, वे केवल दिल्ली तक पहुंचना चाहते हैं। किसान नेता ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए एमएसपी की कानूनी गारंटी, कृषि ऋण माफी और स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने को मुख्य मांग बताया। उन्होंने सरकार से इन मांगों पर तुरंत कार्रवाई का आग्रह किया। डल्लेवाल ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से मामले का संज्ञान लेकर रास्ता दिखाने की मांग की। हरियाणा पुलिस ने किसानों के दिल्ली मार्च को रोकने के लिए खनौरी चेकपॉइंट पर भारी बैरिकेडिंग की है, जिससे किसान वहीं रात बिताने को मजबूर हैं।

गाजियाबाद में चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कटी, मौत

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक बार फिर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का कहर देखने को मिला। एनएच-9 पर मीडिया हाउस के पास चाइनीज मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार रवि राज (28) की गर्दन बुरी तरह कट गई, जिससे अधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर प्रशासन के दावों और जानलेवा मांझे के प्रतिबंध पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नोएडा के अकबरपुर बहरामपुर निवासी रवि राज अपने साथी नरेश के साथ स्वतंत्रता दिवस के दिन एनएच-9 से बाइक पर गुजर रहा था। इसी दौरान अचानक हवा में लटका एक तेज धार वाला चाइनीज मांझा उसकी गर्दन में उलझ गया। मांझे की धार इतनी तेज थी कि उसने रवि राज की गर्दन को बुरी तरह काट दिया, जिससे वह बाइक से गिरकर सड़क पर लहूलुहान हो गया। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। साथी नरेश ने खून रोकने की भरसक कोशिश की, लेकिन गहरा जख्म होने के कारण रक्तस्राव अनियंत्रित रहा। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल रवि राज को वैशाली स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। इस घटना से जुड़ा एक भयावह वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें रवि राज गंभीर हालत में सड़क पर पड़ा दिखाई दे रहा है। यह हादसा एक बार फिर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खुलेआम इस्तेमाल और बिक्री को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोगों का आरोप है कि प्रतिबंध के बावजूद यह जानलेवा मांझा बाजारों में धड़ल्ले से बिक रहा है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस और प्रशासन से मांझे की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और इसकी सप्लाई चेन को पूरी तरह तोड़ने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी कोई और जान इस खतरनाक डोर की वजह से न जाए। प्रशासनिक निगरानी की कमी और प्रभावी प्रतिबंध लागू न हो पाना ऐसे हादसों का मुख्य कारण बनता जा रहा है।

पीएम मोदी से हाथ मिलाने वाले बच्चे का रिएक्शन हुआ वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्कूली बच्चों के साथ एक यादगार और भावुक पल सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हुआ है। हाल ही में हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, भाषण समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों, एनसीसी कैडेट्स और माई भारत स्वयंसेवकों के बीच पहुंचे। इस दौरान बच्चों में प्रधानमंत्री मोदी को अपने करीब देखकर अभूतपूर्व उत्साह और उत्सुकता देखने को मिली। वायरल वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी को लाल साफा पहने बच्चों की कतार की तरफ बढ़ते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही बच्चों को एहसास होता है कि पीएम मोदी उनकी तरफ आ रहे हैं, उनका एक्साइटमेंट लेवल बढ़ जाता है। इसी दौरान भीड़ में से एक उत्साहित आवाज़ सुनाई देती है- यार! ओ भाई! गाइज मैंने अभी-अभी पीएम मोदी से हाथ मिलाया है, सब्सक्राइब माय फ्रेंड। यह हल्का-फुल्का और मासूम पल तुरंत सबका ध्यान खींचने लगा और लोगों को खूब पसंद आया। इस मौके पर एक और हृदयस्पर्शी दृश्य भी सामने आया, जब एक बच्ची का पैर छूते वक्त उसकी टोपी गिर गई और प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं झुककर टोपी उठाकर बच्ची को पहनाई। ये दोनों ही क्षण दिखाते हैं कि कैसे बच्चे और युवा प्रधानमंत्री मोदी को करीब से देखकर अपनी खुशी छिपा नहीं पा रहे थे। यह वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग बच्चों की मासूमियत और उत्सुकता भरे रिएक्शन को खूब सराह रहे हैं। हजारों की संख्या में शेयर किया जा रहा है।

वंदे मातरम् न गाने के विरोध में सीएम सतीशन का पुतला फूंका

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस पर केरल में वंदे मातरम् नहीं गाए जाने के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने रविवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के पुतले जलाए। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 'क्लिफ हाउस' तक पहुंचे और वहां विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा के प्रदेश महासचिव एस. सुरेश ने प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए आरोप लगाया कि भारत के विभाजन का नेतृत्व करने वाले जिन्ना की तरह ही मुख्यमंत्री सतीशन भी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और जमात-ए-इस्लामी के दबाव में काम कर रहे हैं। एस. सुरेश ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित अन्य राज्यों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वंदे मातरम् गाया गया, लेकिन केरल में ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस मुस्लिम लीग और अन्य संगठनों के दबाव में है। भाजपा नेता ने कहा कि वंदे मातरम् को लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन किए गए। प्रदर्शन के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शोन जॉर्ज, शहर जिला अध्यक्ष करमना जयन और युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वी. मनुप्रसाद समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता ने आरएसएस को जैश-तालिबान से जोड़ा, रजिस्ट्रेशन पर बहस गर्म

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना जैश-ए-मोहम्मद और तालिबान से कर नया विवाद खड़ा किया है। बेंगलुरु में कांग्रेस नेता हरिप्रसाद ने कहा कि इन तीनों संगठनों में कोई अंतर नहीं है क्योंकि ये सभी भारत में रजिस्टर्ड नहीं हैं।

उन्होंने वंदे मातरम और राष्ट्रगान से जुड़े विवादों का जिक्र कर कहा कि केरल के वाइस चांसलर मोहनन कुन्नुम्मल ने आरएसएस के बारे में बिल्कुल सही कहा था, जो न राष्ट्रगान गाते हैं और न ही तिरंगा फहराते हैं। ये टिप्पणियां सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ वंदे मातरम में कथित बाधा डालने पर एफआईआर दर्ज होने और वीसी कुन्नुम्मल द्वारा हाल ही में राष्ट्रगीत का विरोध करने वालों की निंदा के बाद आई हैं।

आरएसएस के पंजीकरण को लेकर छिड़ी बहस के बीच, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल.संतोष ने पलटवार कर कहा कि संघ को कानूनी रजिस्ट्रेशन की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठन की पहचान कागज़ी कार्रवाई से नहीं, बल्कि जनता के भरोसे से होती है और यह 1925 से बिना किसी कानूनी दर्जे के सफलतापूर्वक काम कर रहा है। संतोष ने विभाजन जैसे मुश्किल समय में भी आरएसएस के योगदान को रेखांकित किया।

इस पर प्रतिक्रिया देकर कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने संघ से स्पष्ट करने की मांग की कि वह किन भारतीय कानूनों के तहत संपत्ति रखती है, बैंक खाते चलाती है और दान प्राप्त करती है। उन्होंने कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन वाली संस्थाएं सीधे तौर पर संपत्ति कैसे रख सकती हैं? खड़गे ने संगठन के ऑडिट किए गए खातों और टैक्स फाइलिंग की जानकारी भी मांगी, यह कहते हुए कि कानूनी पारदर्शिता की जगह इतिहास नहीं ले सकता और बढ़ती पहुंच के साथ सार्वजनिक जवाबदेही भी बढ़नी चाहिए।

मैं आर्टिकल 370 को सपोर्ट करती हूं, मैं दिमागी नक्सल हूं

यह कहते हुए महबूबा मुफ्ती ने किया किरन रिजिजू पर पलटवार

-पीएम मोदी के 'दिमागी नक्सल' बयान पर सियासी घमासान तेज, मनोज झा और पी. चिदंबरम ने भी साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण में इस्तेमाल किए गए 'दिमागी नक्सल' शब्द को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा प्रधानमंत्री के बयान का समर्थन किए जाने के बाद पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने उन पर पलटवार किया है। महबूबा ने रिजिजू की पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर री-शेयर करते हुए लिखा, 'मैं आर्टिकल 370 का समर्थन करती हूं। मैं दिमागी नक्सल हूं।'

दरअसल, किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री मोदी के बयान को लेकर सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे विपक्ष को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है। उन्होंने दावा किया कि यह शब्द उन लोगों के लिए इस्तेमाल किया गया है जो माओवादियों का समर्थन करते हैं, भारतीय संविधान को खारिज करते हैं, अलगाववादियों के साथ खड़े होते हैं या अनुच्छेद 370 का समर्थन करते हैं। रिजिजू ने यह भी कहा

कि पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने के लिए 'चिकन नेक' काटने की बात करने वालों को भी इस श्रेणी में रखा जा सकता है।

उनके इसी बयान पर जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने निशाना साधते हुए अपने पिता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर साझा की और रिजिजू के दावे पर व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया दी है।

मनोज झा बोले- राजनीतिक शब्दावली का विस्तार कर रहे पीएम

आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने भी प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि 'अर्बन नक्सल' से लेकर 'दिमागी नक्सल' तक प्रधानमंत्री राजनीतिक शब्दावली का लगातार विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि यदि 'अर्बन नक्सल' पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री है तो 'दिमागी नक्सल' निश्चित रूप से पीएचडी होगी। उन्होंने कहा कि इसी रफ्तार से जल्द ही एक पूरे विश्वविद्यालय और नए शब्दकोश की जरूरत पड़ सकती है।

चिदंबरम ने 'अर्बन नक्सल' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से जोड़ा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने भी प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने 'दिमागी नक्सल' को बीजेपी की पुरानी राजनीतिक शब्दावली का नया रूप बताया। चिदंबरम ने इसे 'अर्बन नक्सल', 'आंदोलनजीवी' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' जैसे शब्दों से जोड़ते हुए सवाल किया कि इन शब्दों का इस्तेमाल किन लोगों को निशाना बनाने के लिए किया गया था।

पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर किया था जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल करते हुए देशवासियों को ऐसे लोगों से सतर्क रहने की अपील की थी, जो उनके अनुसार व्यवस्था में गहराई तक पैठ बना चुके हैं और नीतियों के साथ खिलवाड़ कर समाज के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा था कि देश जंगलों में सक्रिय सशस्त्र नक्सलवाद को समाप्त करने में काफी हद तक सफल रहा है, लेकिन उसके वैचारिक समर्थक अब भी हिंसा और अराजकता फैलाने के अवसर तलाश रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें अलग-थलग करने की अपील की थी। इसी बयान के बाद विपक्षी दलों ने सरकार पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए नई शब्दावली गढ़ने का आरोप लगाया है।

'उन्हें बार-बार बदनाम किया गया...', आशीष के निधन पर ममता की भावुक पोस्ट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बनर्जी के निधन पर गहरा दुख जताया है। रामपुरहाट विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रहे आशीष बनर्जी की देह रविवार को बीरभूम जिले में स्थित पार्टी कार्यालय में फंदे से लटकी मिली थी। उनके निधन के बाद राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया है।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक पोस्ट में कहा कि आशीष बनर्जी के निधन से वह बेहद दुखी और व्यथित हैं। उन्होंने लिखा कि आशीष बनर्जी ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा अध्यापन और समाजसेवा को समर्पित किया। अपने सरल स्वभाव और रामपुरहाट तथा बीरभूम के लोगों के साथ करीबी जुड़ाव के कारण वह हमेशा याद किए जाएंगे। ममता ने कहा कि इस घटना को और भी दर्दनाक बनाने वाली बात यह है कि अपने जीवन के अंतिम दिनों में आशीष बनर्जी भारी मानसिक और भावनात्मक दबाव से गुजरते दिखाई दिए। पांच बार विधायक, पूर्व डिप्टी स्पीकर और चेयरमैन के रूप में उन्होंने रामपुरहाट के विकास तथा लोगों के हित के लिए महत्वपूर्ण काम किए।

'बार-बार बदनाम किया गया'

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि लंबे सार्वजनिक जीवन के बावजूद आशीष बनर्जी को बार-बार बदनाम किया गया, उन पर झूठे आरोप लगाए गए और लगातार दबाव में रखा गया। उन्होंने कहा कि जिस तरह के उत्पीड़न और मानसिक दबाव का उन्हें सामना करना पड़ा, वह राजनीतिक दुश्मनी की लगातार चल रही स्थिति की मानवीय कीमत पर सोचने के लिए मजबूर करता है। उन्होंने आशीष बनर्जी के परिवार, प्रियजनों, पूर्व छात्रों और उनके समर्थकों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी प्रार्थनाएं परिवार के साथ हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस जांच की मांग की

आशीष बनर्जी के निधन पर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने भी शोक जताया। उन्होंने कहा कि आशीष बनर्जी के साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी। अधिकारी ने परिवार से पुलिस जांच में सहयोग करने की अपील की और मामले की निष्पक्ष जांच के लिए कॉल रिकॉर्ड की भी जांच किए जाने की मांग की। आशीष बनर्जी के निधन के बाद टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी सहित पार्टी के कई नेताओं ने भी भाजपा और मीडिया के एक वर्ग पर पार्टी नेताओं के खिलाफ कथित बदनामी अभियान चलाने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच पुलिस जांच पर भी सबकी नजर है।

हरसिमरत कौर ने सुखबीर बादल पर हमलों की एनआईए जांच की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर अपने पति और शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमलों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है। यह मांग 13 अगस्त, 2026 को महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित श्री हजूर साहिब गुरुद्वारे में शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल पर हुए हमले और 4 दिसंबर, 2024 को अमृतसर के गोल्डन टेम्पल में उनकी जान लेने की कोशिश के संदर्भ में की गई है।

हरसिमरत ने नांदेड़ की घटना को हत्या की एक कायराना और जघन्य कोशिश बताया। उन्होंने घटना की गंभीरता, उसके तरीके और परिस्थितियों का हवाला देकर केंद्र से इसकी जांच एनआईए को सौंपने की अपील की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में 13 अगस्त, 2026 के हमले और 4 दिसंबर, 2024 की पिछली घटना, दोनों की उच्च-स्तरीय जांच का आदेश देने की मांग की है। उन्होंने दोनों घटनाओं के बीच संभावित संबंध और किसी बड़ी साजिश की भी जांच करने को कहा। हरसिमरत ने केंद्रीय मंत्री शाह को लिखे अपने पत्र में कहा कि इन दोनों जानलेवा कोशिशों में कई परेशान करने वाली समानताएं थीं, जिससे गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने पंजाब में राजनीतिक संघर्ष के लिए हिंसा को सामान्य और उचित ठहराने के तरीके पर चिंता व्यक्त की।

सांसद हरसिमरत ने कहा कि केवल एक स्वतंत्र केंद्रीय जांच ही घटनाओं की पूरी कड़ी का पता लगा सकती है, इसमें शामिल व्यक्तियों और संगठनों की पहचान हो सकती है, हमलों के जुड़ाव की पुष्टि कर सकती है, किसी भी संभावित चरमपंथी या विदेशी लिंक की जांच कर सकती है, और यह भी निर्धारित कर सकती है कि क्या सरकारी अधिकारियों की ओर से कोई विफलता, मिलीभगत या जानबूझकर कर्तव्य में लापरवाही बरती गई थी।

'मुझे व्यवस्था से मुक्त करें!' शहजाद पूनावाला ने दोबारा भेजा इस्तीफा

-पहले इस्तीफे के बाद पार्टी ने कहा था- फैसले पर पुनर्विचार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व को इस्तीफा भेजकर संगठनात्मक जिम्मेदारियों से मुक्त करने का आग्रह किया है। पार्टी की ओर से उनका पहला इस्तीफा स्वीकार नहीं किए जाने के बाद पूनावाला ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को नया पत्र लिखा है। उन्होंने पद और सक्रिय सदस्यता छोड़ने के अपने फैसले को दोहराते हुए नेतृत्व से इस्तीफा स्वीकार करने की अपील की है।

पूनावाला ने अपना पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी साझा किया। उन्होंने कहा कि वह आभारी हैं कि पार्टी ने शुरुआती दौर में उनका इस्तीफा स्वीकार करने से इनकार किया और उनसे फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। हालांकि, लंबे और गहन चिंतन के बाद उन्होंने संगठन की भूमिका और सक्रिय सदस्यता से हटने का अंतिम निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं ने उन्हें अपने पहले के फैसले पर कायम रहने के लिए मजबूर किया है। पूनावाला ने उन लोगों का नाम नहीं लिया, जिनकी वजह से कथित तौर पर ये घटनाएं हुईं।

अपने इस्तीफे के कारणों पर पूनावाला ने कहा कि वह अत्यंत जरूरी वित्तीय और व्यक्तिगत परिस्थितियों के कारण निजी क्षेत्र में जाने का निर्णय ले रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के विजन तथा काम का समर्थन जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ÷मैं केवल 'व्यवस्था'

छोड़ रहा हूं, 'व्यक्ति' या 'विचार' नहीं।÷ पूनावाला ने कहा कि उनका फैसला नाराजगी से प्रेरित नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार, स्नेह और सम्मान व्यक्त किया।

'पसमांदा मुस्लिम, गैर-वंशवादी की कहानी'

पूनावाला ने पार्टी के साथ अपने करीब पांच वर्ष के सफर को याद करते हुए कहा कि भाजपा ने उन्हें मंच और अवसर प्रदान किए। उन्होंने एक्स पर पत्र साझा करते हुए लिखा कि किसी अन्य देश और किसी अन्य पार्टी में उनके जैसी कहानी- एक युवा, पसमांदा मुस्लिम और गैर-वंशवादी व्यक्ति की कहानी- शायद संभव नहीं होती।

कांग्रेस से शुरू किया था सियासी सफर

38 वर्षीय पूनावाला ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत कांग्रेस से की थी। राहुल गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने का विरोध करने और कांग्रेस छोड़ने के बाद वह राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा में आए। इसके बाद वह भाजपा में शामिल हुए और पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ताओं में शामिल हो गए। भाजपा में रहते हुए पूनावाला टीवी डिबेट, प्रेस ब्रीफिंग और सोशल मीडिया पर पार्टी का पक्ष रखने वाले प्रमुख नेताओं में रहे। वर्ष 2021 में उन्हें भाजपा के दिल्ली आईटी और सोशल मीडिया विभाग की जिम्मेदारी भी दी गई थी।

मुस्लिम चेहरा के कारण आगे किया?

कहा जाता है कि भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख मुस्लिम चेहरों में शामिल पूनावाला को अक्सर विवादित और हाई-प्रोफाइल राजनीतिक मुद्दों पर भाजपा का पक्ष रखने के लिए आगे किया जाता था। अब उन्होंने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व से संगठनात्मक जिम्मेदारियों से औपचारिक रूप से मुक्त करने का आग्रह किया है। हालांकि, उनके पत्र में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के विजन के प्रति समर्थन जारी रखने की बात कही गई है।

तीसरी सोमवारी पर मोतीझरना में उमड़ा आस्था का सैलाब, 80 हजार श्रद्धालुओं ने चढ़ाया जल

बिभा संवाददाता

तालझारी। सावन की तीसरी सोमवारी पर प्रकृति की गोद में बसे बाबा मोतीनाथ धाम मोतीझरना में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से देर शाम तक मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंजता रहा। रुक-रुककर हुई बारिश भी शिवभक्तों की आस्था को डिगा नहीं सकी। मंदिर परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। मोतीझरना विकास समिति के अनुसार, तीसरी सोमवारी पर करीब 80 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में जल चढ़ाया।

मोतीझरना की धार्मिक आस्था केवल साहेबगंज तक सीमित नहीं है। सावन के अवसर पर झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा पश्चिम बंगाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। समिति का अनुमान है कि सावन की चौथी सोमवारी पर श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ सकती है।

ऊंची पहाड़ी से गिरता झरना और गुफा के भीतर विराजमान प्राचीन शिवलिंग मोतीझरना को खास धार्मिक पहचान देते हैं। मान्यता है कि यहां भगवान शिव अपने परिवार के साथ विराजमान हैं। मंदिर में माता पार्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेय की प्रतिमाएं भी स्थापित हैं। वहीं पंडित चंदन ने बताया कि राजा मानसिंह के समय से उनके पूर्वज यहां पूजा-अर्चना करते आ रहे हैं। श्रद्धालुओं के बीच बाबा मोतीनाथ के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना पूरी होने की आस्था है।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस बल को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया। पुलिस पदाधिकारियों और जवानों के अलावा मजिस्ट्रेट तथा समिति के स्वयंसेवक भी व्यवस्था संभालते रहे।

सावन की तीसरी सोमवार पर जलाभिषेक के लिए उमड़ा आस्था का सैलाब

साहेबगंज । सावन की तीसरी सोमवारी पर तालझारी प्रखंड के प्रमुख आपरूपी बाबा दुधनाथ धाम दुधकोल मंदिरों पर श्रद्धालु शिव भक्तजनों का जनसैलाब उमड़ पड़े। सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया जो जलाभिषेक के लिए दिन भर तांता लगा रहा। श्रद्धालु भक्त बाबा भोलेनाथ का पूजा अर्चना कर अपने घर में सुख समृद्धि की कामना कर रहे थे। इस दौरान शिव भक्तों का उत्साह बढ़ा रहा था साथ ही बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे से शिव मंदिरों में गूंज रहे थे। इस दौरान मंदिर के आस पास कई जगहों पर पूजन सामग्री, फल, फूल की दुकानें सजी है। सोमवारी को ले कई लोग फल, फूल, पूजन सामग्री खरीदते नजर आए।

तिसरी सोमवारी को शिवगादी धाम में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

साहेबगंज । बोलबम हर, हर महादेव के जयकारों के साथ कांवरिया व श्रद्धालुओं ने सावन की तृतीय सोमवारी पर शिवगादी धाम में जलाभिषेक किया। तृतीय सोमवारी को लेकर बाबा मंदिर में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मेला परिसर में स्थित दान कांउटर में दान देने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी थी। मेला व मंदिर में लोगों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रबंध समिति के सदस्य सुबह से मुश्तैद थे। सुरक्षा को लेकर जगह - जगह पुलिस तैनात थी। वहीं तृतीय सोमवार को यहां करीब एक लाख से अधिक कांवरियों ने जलाभिषेक किया। सुबह तीन बजे से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार बाबा के जलाभिषेक के लिए लग गई थी। मंदिर का पूरा वातावरण ब्रह्म मुहूर्त के समय से ही बाबा के भक्ति में लीन हो गया था। श्रावण माह की तृतीय सोमवार को बाबा के दर्शन करने के लिए रात से ही गुफा में प्रवेश के लिए कांवरियों की लंबी लाइन लगी थी। बताया गया कि एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन के लिए रात से ही लाइन में लग गए थे। बता दें कि शिवगादी धाम के दर्शन करने के लिए न सिर्फ झारखंड से, बिहार के अन्य जिलों और पश्चिम बंगाल से भी लोग धाम में दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचे थे।

प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बने वसीम रेजा और नमिता देवी बनी उपाध्यक्ष

बिभा संवाददाता

उधवा । प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा में सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पतौड़ा पंचायत की मुखिया धनी पहाड़िन ने किया। इस दौरान सर्वसम्मति से वसीम रेजा को प्रबंधन समिति का अध्यक्ष एवं नमिता देवी को उपाध्यक्ष बनाया गया। जबकि कमेला बीबी,फातेमा बीबी, जोशनारा बीबी,सोनी बीबी, तसनार खातून,साजेदा खातून, सबीना खातून, मीरा बीबी,आलम शेख, नेहाल अंसारी, राजन रजवाड़, दुर्गा किस्कू, मंगल लोहारा, जयराम रिक्ख्यासन,मीनू शेख,मो. यासिन शेख और अहिया आलम को सदस्य बनाया गया। वहीं विद्यालय पोषक क्षेत्र से आए दर्जनों अभिभावकों की उपस्थिति में विद्यालय के बेहतर संचालन और शैक्षणिक विकास को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष वसीम रेजा ने कहा कि विद्यालय के सर्वांगीण विकास और छात्र-छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए मैं अपनी जिम्मेदारी का शत-प्रतिशत निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा। वहीं नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष नमिता देवी ने कहा कि नव गठित समिति के सभी सदस्य आपसी समन्वय के साथ विद्यालय के बेहतर विकास के लिए काम करेंगे। मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नुसरत जहां, पर्यवेक्षक के रूप में प्रखंड संसाधन कर्मी इंतखाब आलम, शिक्षक हबीबुर रहमान, रौशन कुमार, तारिक अनवर के अलावा मुखिया प्रतिनिधि फिरोज शेख, मो. मुरसलीम, मो. जमीरुल इस्लाम, आरिफ आलम, इंजामुल हक, ताहिर शेख, बबलू शेख सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

मखानी के पास सड़क हादसा, दो युवक गंभीर

तालझारी(बिभा) । राजमहल थाना क्षेत्र के मंगलहाट-तालझारी मुख्य सड़क के मखानी गांव के समीप हुए सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। वही घायलों की पहचान राजमहल थाना क्षेत्र के मखानी निवासी उदय उर्फ तिलका उरांव और आदित्य उरांव उर्फ छोटू के रूप में हुई है। इधर घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए साहिबगंज रेफर कर दिया। वहीं प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे के पीछे नशे में वाहन चलाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, दुर्घटना किस वाहन से हुई और इसका वास्तविक कारण क्या था, इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और हादसे के अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। इधर, प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नशे की हालत में वाहन न चलाएं, तेज गति से वाहन चलाने से बचें और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करें। सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी गंभीर हादसों का कारण बन सकती है।

उधवा के एक मजदूर की तमिलनाडु में ट्रेन से गिरकर मौत, छाया मातम

उधवा(बिभा)। राधानगर थाना क्षेत्र के अमानत दियारा पंचायत निवासी 26 वर्षीय मजदूर निताय साहा की तमिलनाडु के कोयंबटूर रेलवे स्टेशन के आसपास ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। वह मजदूरी के लिए केरल जा रहा था। मृतक की पहचान भारत साहा के पुत्र निताय साहा (26) वर्ष के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार निताय साहा बीते मंगलवार को घर से मजदूरी करने के लिए केरल के लिए निकला था। शुक्रवार की रात्रि को तमिलनाडु के कोयंबटूर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के गेट पर खड़े होने के दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वे चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। इस हादसे में उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही वहां की रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। शव को एंबुलेंस के माध्यम से पैतृक गांव अमानत दियारा लाया जा रहा है। मंगलवार को शव घर पहुंचने की संभावना है। युवक की मौत की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर है।

छत से गिरने से सहायक अध्यापक की हालत गंभीर, रेफर

उधवा(बिभा)। उधवा प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय सुभान टोला के सहायक अध्यापक तजबुल हक बीते शनिवार को छत से गिरने से उनकी हालत गंभीर हो गई है। पश्चिम बंगाल के मालदा जिला में इलाजरत शिक्षक की गंभीर स्थिति देख हायर सेंटर रेफर कर दिया है। परिजनों के अनुसार शनिवार को ध्वजारोहण के बाद विद्यालय के ऊपरी मंजिल में ही थे। बताया कि काफी देर तक नीचे नहीं आने पर दोपहर करीब 3 बजे विद्यालय के ऊपरी मंजिल में देखने गए तो विद्यालय से सटा हुआ घर के नीचे (ग्राउंड फ्लोर) अचेत अवस्था में गिरा हुआ है। आनन-फानन में परिजनों ने उन्हें लेकर पश्चिम बंगाल के मालदा के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उपचार शुरू किया गया। बताया जा रहा है कि अचेत अवस्था के दौरान घायल शिक्षक का नाक और कान से ब्लीडिंग भी हुई है। इधर डॉक्टरों ने स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। खबर लिखें जाने तक परिजन उन्हें सिलीगुड़ी ले जाने की तैयारी में लगे हुए है।

आठ ग्राम ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार, बुलेट बाइक व मोबाइल जब्त

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 08 ग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ ब्राउन शुगर स्मेक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से बुलेट हंटर मोटरसाइकिल और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किया है। जिसकी जानकारी सदर एसडीपीओ सुशील कुमार ने जिरवाबाडी थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिया। उन्होंने बताया कि 16 अगस्त 2026 की शाम करीब 7:30 बजे नगर थाना प्रभारी को गुप्त सूचना मिली थी कि राजमहल की ओर से एक व्यक्ति बुलेट हंटर मोटरसाइकिल से ब्राउन शुगर स्मेक लेकर जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के स्टेडियम की ओर आने वाला है। सूचना के आधार पर वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद अंचलाधिकारी साहेबगंज, नगर थाना एवं जिरवाबाड़ी थाना के पुलिस पदाधिकारियों और सशस्त्र बल की टीम ने आजाद नगर पुलिस लाइन रोड स्थित विवाह भवन के समीप वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान रात करीब 8:30 बजे जिरवाबाड़ी की ओर से आजाद नगर की तरफ तेज गति से आ रहे एक बुलेट हंटर बाइक सवार को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। तो युवक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन छापेमारी दल ने उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद खैनी के डिब्बे से छोटे-बड़े तीन एल्युमिनियम फॉयल में रखा करीब 08 ग्राम ब्राउन शुगर/स्मेक बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ को विधिवत जब्त कर लिया। वहीं गिरफ्तार युवक की पहचान राजकुमार हरी (20 वर्ष), पिता कमल हरी, निवासी झरना कॉलोनी, संध्या कॉलेज के पास थाना जिरवाबाड़ी जिला साहेबगंज के रूप में हुई है।

कहा इस मामले में जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 157/26, दिनांक 16 अगस्त 2026 के तहत धारा 21(बी)/29 एनडीपीएस एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं छापेमारी अभियान में नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता, जिरवाबाडी थाना प्रभारी शशी सिंह, पुअनि अजीत लकड़ा, पुअनि आफताब अंसारी, सअनि टिपण रविदास, सअनि सोम हांसदा सहित पुलिस बल शामिल थे।

खाना बनाने के दौरान आगलगी से एक घर जलकर राख

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल थाना क्षेत्र के दाहु टोला पंचायत अंतर्गत चुआर (4 नंबर दियारा) में रविवार की दोपहर करीब एक बजे खाना बनाने के दौरान अचानक आग लगने से एक घर जलकर राख हो गया। इस घटना में घरेलू सामान सहित लाखों रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। अग्नि पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे आ गए है। अग्नि पीड़ित परिवार कुर्बान शेख ने बताया कि उनकी पत्नी रविवार की दोपहर करीब 1 बजे रसोईघर में खाना बना रही थी। इसी बीच वह पानी लाने के लिए रसोईघर से चापानल गई थी। इतने में चूल्हे से आग की चिंगारी धीरे-धीरे उठने लगी। देखते ही देखते आग विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे घरों में आग अपनी चपेट में ले लिया। आगलगी की खबर सुनते ही गांव में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं अग्नि पीड़ित ने बताया कि आगलगी की घटना में तीन कमरा, अनाज, कपड़ा, बिस्तर ,घरेलू सामान सहित नगदी बीस हजार रूपया जलकर राख हो गया। उन्होंने अंचल प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

श्रावणी मेले में कांवड़ियों की सेवा का केंद्र बना नमो सेवा शिविर, सांसद निशिकांत दुबे ने की बाबा भक्तों की सेवा

बिभा संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेले के अवसर पर देवघर में आस्था और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। सुल्तानगंज से देवघर तक कांवड़िया पथ पर जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए हैं, जहां श्रद्धालुओं की निस्वार्थ भाव से सेवा की जा रही है। इन शिविरों में कांवड़ियों की सुविधा के साथ उन्हें भक्तिमय और आध्यात्मिक वातावरण भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

इन्हीं सेवा शिविरों में गोड्डा से सांसद डॉ. निशिकांत दुबे के निर्देशन में संचालित नमो सेवा शिविर अपनी व्यवस्थित और आधुनिक सेवा व्यवस्था के कारण श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। शिविर में कांवड़ियों के लिए आवास, भोजन, शरबत, शुद्ध पेयजल, फल और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। थके-मांदे कांवड़ियों को राहत देने के लिए दर्द निवारक दवाओं के साथ विभिन्न मशीनों के माध्यम से भी सेवा उपलब्ध कराई जा रही है।

श्रद्धालुओं के मनोरंजन और आध्यात्मिक माहौल को बनाए रखने के लिए प्रतिदिन भजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कांवड़ियों की जरूरत के अनुसार विभिन्न प्रकार की भोजन सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। सेवा कार्य को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए सैकड़ों सदस्यों की टीम लगातार सक्रिय है। सांसद डॉ. निशिकांत दुबे के निर्देश पर कार्यकर्ता दिन-रात कांवड़ियों की सेवा में जुटे हुए हैं। समय-समय पर भाजपा के विभिन्न कार्यकर्ता भी शिविर में पहुंचकर सेवा कार्य में योगदान दे रहे हैं। सोमवार को सांसद डॉ. निशिकांत दुबे स्वयं नमो सेवा शिविर पहुंचे। उन्होंने कांवड़ियों के बीच सेवा कार्य किया और शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि महादेव की नगरी में जुटने वाली इतनी बड़ी भीड़ को स्वयं महादेव संभालते हैं। उनके आशीर्वाद और प्रेरणा से ही सेवा का यह कार्य संभव हो पा रहा है। शिविर के संचालन में हरि किशोर सिंह, अभयानंद झा, देवता पांडेय समेत दर्जनों कार्यकर्ता और सेवा भावी लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

राजस्व व भू-अर्जन योजनाओं की मासिक समीक्षा, लंबित प्रमाण-पत्र आवेदनों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में राजस्व विभाग के कार्यों एवं भू-अर्जन योजनाओं की मासिक समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के राजस्व संग्रहण और निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान वाणिज्य कर विभाग ने 9009 लाख रुपये के वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध 3549.41 लाख रुपये राजस्व प्राप्ति की जानकारी दी। उत्पाद विभाग ने 1022 लाख रुपये का राजस्व संग्रहित करते हुए 33.77 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया। परिवहन विभाग ने 32.85 प्रतिशत, राजमहल नगर पंचायत ने 51.78 प्रतिशत, बरहरवा नगर पंचायत ने 47.44 प्रतिशत, मत्स्य विभाग ने 58.24 प्रतिशत तथा विद्युत बोर्ड ने 38.94 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया। वहीं उपायुक्त ने ऑनलाइन जाति, निवास, आय एवं ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र आवेदनों की लंबित स्थिति की भी समीक्षा की। विभिन्न सेवाओं से संबंधित 10,296 आवेदन 30 दिनों से अधिक समय से लंबित पाए गए। उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में भू-लगान, भू-सेस, दाखिल-खारिज, परिशोधन एवं भूमि अधियाचना से जुड़े मामलों की भी समीक्षा हुई। उपायुक्त ने राजस्व संग्रहण की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता के साथ त्वरित निष्पादन पर जोर दिया, ताकि आम लोगों को सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। भू-अर्जन मामलों की समीक्षा के दौरान एन एच 80 पैकेज-02 के मुआवजा भुगतान तथा संरचना एवं वृक्षों से संबंधित भुगतान को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता विजय कुमार, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी सहित संबंधित कार्यकारी एजेंसियों के पदाधिकारी मौजूद थे।

छात्र समस्याओं को लेकर एनएसयुआई ने सौंपा पांच सूत्री ज्ञापन

बिभा संवाददाता

बरहरवा । बीएसके महाविद्यालय बरहरवा में छात्र-छात्राओं की विभिन्न समस्याओं को लेकर एनएसयुआई प्रतिनिधिमंडल ने कॉलेज अध्यक्ष सोयेब अख्तर के नेतृत्व में प्रभारी प्राचार्य कविता मंडल को पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। वहीं प्रतिनिधिमंडल ने छात्रहित से जुड़े मामलों का शीघ्र समाधान करने की मांग की। वहीं ज्ञापन में यूजी सेमेस्टर-4 के अंकपत्र में त्रुटि सुधार, आंतरिक परीक्षाओं में प्रशासनिक अनियमितताओं को दूर करने, यूजी सेमेस्टर-5 की नामांकन प्रक्रिया शुरू करने तथा आगामी परीक्षाओं के दौरान महाविद्यालय में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग प्रमुख रही। एनएसयुआई ने बताया कि यूजी सेमेस्टर-4 (सत्र 2023-27) के ऑनलाइन अंकपत्र में माइनर पेपर आपदा प्रबंधन की आंतरिक परीक्षा में शामिल होने वाले कई विद्यार्थियों को अनुपस्थित दशार्या गया है। संगठन ने मामले की जांच कर दो दिनों के भीतर आवश्यक सुधार कराने की मांग की है। वहीं प्रतिनिधिमंडल ने आंतरिक परीक्षाओं की व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए कहा कि कई बार परीक्षा नोटिस पर प्राचार्य या परीक्षा नियंत्रक के हस्ताक्षर एवं आधिकारिक मुहर नहीं होती। वहीं मेजर और माइनर विषयों की परीक्षाएं एक ही समय निर्धारित होने तथा नोटिस अचानक रद्द किए जाने से विद्यार्थियों को परेशानी होती है। कई विभागों में केवल व्हाट्सएप के माध्यम से सूचना दिए जाने पर भी आपत्ति जताई गई। इसके अलावा यूजी सेमेस्टर-4 का परिणाम जारी होने के बाद सेमेस्टर-5 (सत्र 2023-27) की नामांकन प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग की गई। 19 अगस्त से शुरू होने वाली यूजी सेमेस्टर-2 (सत्र 2025-29) एवं एक्स-रेगुलर एनईपी परीक्षाओं को देखते हुए पेयजल, बिजली और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था की मांग भी की गई। दूर-दराज से परीक्षा देने आने वाले विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा के लिए गर्ल्स और बॉयज कॉमन रूम को उपयोग योग्य बनाने तथा बैठने, पंखा, बिजली, पेयजल और साफ-सफाई की व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। वहीं प्रभारी प्राचार्य कविता मंडल ने कहा कि सभी मांगें जायज हैं और महाविद्यालय प्रशासन इन्हें जल्द पूरा करने का प्रयास करेगा। आंतरिक परीक्षा में विद्यार्थियों को अनुपस्थित दर्शाए जाने के मामले में रिपोर्ट तैयार कर विश्वविद्यालय को भेजी जाएगी। परीक्षा नोटिस से संबंधित व्यवस्था को लेकर शिक्षकों से विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि सेमेस्टर-5 की नामांकन प्रक्रिया को लेकर महाविद्यालय प्रशासन कार्य कर रहा है और अगले कुछ दिनों में नामांकन शुरू होने की संभावना है। परीक्षा एवं कक्षा के दौरान पेयजल और बिजली की सुविधा उपलब्ध है। किसी प्रकार की समस्या होने पर उसे शीघ्र दूर किया जाएगा। गर्ल्स कॉमन रूम की स्थिति ठीक है, जिसे साफ-सफाई के बाद उपयोग में लाया जा सकता है, जबकि बॉयज कॉमन रूम के लिए विज्ञान भवन में एक कमरे की व्यवस्था की जाएगी। एनएसयुआई कॉलेज अध्यक्ष सोयेब अख्तर ने कहा कि छात्रों की समस्याओं और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छात्रों को मिलने वाली सभी सुविधाएं सुनिश्चित होनी चाहिए। छात्रहित से जुड़े प्रत्येक मुद्दे के समाधान के लिए एनएसयुआई लगातार आवाज उठाता रहेगा। मौके पर मीडिया प्रभारी अफजल शेख, सदस्य फैसल आलम, मुसलेउद्दीन, रबीउल इस्लाम, सरफराज नवाज, राशिद आलम सहित छात्र आमिर सोहेल, तन्नू कुमारी, सबिता कुमारी, सानिया रागिब एवं अन्य उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-21, दिनांक: 14.08.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस है और निम्नलिखित कार्य को करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा केस सं. : टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-21, कार्य का नाम: (क)** आसनसोल मंडल के अण्डाल-सांइथिया, देवघर-दुमका, मोहनपुर जंक्शन-हंसडीहा खंडों में 10,000 से ज़्यादा टीवीयू वाले लेवल क्रॉसिंग गेटों की इंटरलॉकिंग। **(ख)** अण्डाल-बाराबनी, अण्डाल/एलसी-बख्तारनगर, मधुपुर-गिरिडीह खंड में 10,000 से ज़्यादा टीवीयू वाले लेवल क्रॉसिंग गेटों की इंटरलॉकिंग। **(ग)** आसनसोल मंडल-वरिष्ठ डीईएन/I/आसनसोल के खंड में सीतारामपुर और बराकर स्टेशनों पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(घ)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/I/आसनसोल के खंड में कालुबथान स्टेशन पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(ङ)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/IV/आसनसोल के खंड में चिनपाई और कचूजोर स्टेशनों पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(च)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/III/आसनसोल के खंड में वारिया स्टेशन पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(छ)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/I/आसनसोल के खंड में कुलटी और मुगमा स्टेशनों पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(ज)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/III/आसनसोल के खंड में राजबांध स्टेशन पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(झ)** आसनसोल मंडल - महेशमुंडा (एमएमडी) स्टेशन पर रैंप और शेड के साथ फुट ओवरब्रिज बनाना। **(ञ)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/IV/आसनसोल के खंड में भीमगड़ा जंक्शन स्टेशन पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **निविदा मूल्य :** रु. 3,21,29,273.47, **बयाना राशि:** रु. 6,42,600/-, **कार्य की समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 12 (बारह) माह। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तिथि से 60 दिन। **खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 15.09.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट: www.ireps. gov.in में देखा जा सकता है।

ASN-218/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त डायरी

लखीसराय अशोक धाम हादसा: सदर अस्पताल की लापरवाही पर फूटा परिजनों का गुस्सा, शव को सड़क पर रखकर किया रामगढ़ चौक मार्ग जाम

पटना (एजेंसी) लखीसराय के अशोक धाम मंदिर परिसर में भगदड़ की घटना के बाद सदर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खुल गई. परिजनों ने अस्पताल में घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव को सड़क पर रखकर मुख्य मार्ग को घंटों जाम रखा. लखीसराय के श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर (अशोक धाम) परिसर में हुई भगदड़ की दर्दनाक घटना के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खुलने से परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा है. सदर अस्पताल में आपातकालीन स्थिति के दौरान वरीय चिकित्सकों की अनुपस्थिति और स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा मृतक के शव को बाहर रखने जैसी घोर लापरवाही से आक्रोशित परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर लखीसराय-रामगढ़ चौक मुख्य मार्ग को जाम कर दिया. इस दौरान परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, जिसके कारण घंटों तक यातायात ठप रहा. शव सड़क पर रख किया प्रदर्शन, वाहनों की लगी कतारें सदर अस्पताल में हुई लापरवाही और बदसलूकी से आहत मृतकों के परिजनों ने न्याय की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. आक्रोशित लोगों ने हादसे में जान गंवाने वाले एक श्रद्धालु के शव को सदर अस्पताल के बाहर मुख्य सड़क पर रख दिया और लखीसराय-रामगढ़ चौक मार्ग को पूरी तरह से जाम कर दिया. परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की. इस अचानक हुए सड़क जाम की वजह से मुख्य मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे आम यात्रियों और राहगीरों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा. पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद शांत हुए परिजन सड़क जाम और हंगामे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कवैया थानाध्यक्ष रणधीर कुमार और तेतरहाट थानाध्यक्ष इलू उपाध्याय पुलिस बल के साथ फौरन मौके पर पहुंचे. दोनों थानाध्यक्षों ने आक्रोशित परिजनों को शांत कराने की कोशिश की और उनके साथ काफी देर तक बातचीत की. पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का पक्का भरोसा दिलाया. म हटने के बाद बहाल हुआ यातायात पुलिस अधिकारियों द्वारा काफी समझाने-बुझाने और ठोस आश्वासन मिलने के बाद परिजनों का गुस्सा शांत हुआ. परिजनों की सहमति के बाद सड़क से शव को हटाया गया और जाम को समाप्त किया गया. जाम हटने के बाद लखीसराय-रामगढ़ चौक मार्ग पर रुके हुए वाहनों का परिचालन दोबारा शुरू हो पाया और यातायात व्यवस्था पूरी तरह से सामान्य हो सकी.

लखीसराय में अशोकधाम मंदिर भगदड़ हादसे पर उट सम्राट का ऐलान, मृतकों के परिजनों को मिलेगा 4 लाख रुपये मुआवजा

पटना (एजेंसी) लखीसराय जिले में अशोकधाम मंदिर के पास मची भगदड़ में 7 महिलाओं की मौत हो गई. इस हादसे पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दुख जताया. साथ ही 4-4 लाख रुपये मुआवजा देने का भी ऐलान किया. अन्य नेताओं ने भी इस हादसे पर दुख जताया. बिहार के लखीसराय जिले में सोमवार की सुबह घटना हुई. जिले के अशोकधाम मंदिर में तीसरी सोमवारी पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी थी. लेकिन अचानक भगदड़ मच गई और 7 महिलाओं की मौत हो गई. इसके बाद जल्द ही मौके पर राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया. कई घायल श्रद्धालुओं को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सीएम सम्राट चौधरी ने किया मुआवजे का ऐलान दूसरी तरफ, इस हादसे पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दुख जताया. इसके साथ ही उन्होंने मृतक के परिजनों के लिए मुआवजे का भी ऐलान किया. सीएम सम्राट चौधरी ने हादसे में मरने वाले लोगों के परिजनों के लिए 4-4 लाख रुपये मुआवजा देने का ऐलान किया है. इस घटना पर सीएम के अलावा नीतीश कुमार, संजय झा और अन्य नेताओं ने भी दुख जताया. सीएम ने एक्स पर पोस्ट कर जताया शोक लखीसराय में हुई इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स के जरिए पोस्ट शेयर किया. इसमें उन्होंने लिखा, 'लखीसराय के अशोकधाम की घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है. हादसे में श्रद्धालुओं की मृत्यु की खबर से मन व्यथित है. शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं. घायलों के समुचित एवं त्वरित इलाज के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं. ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें.' बिहार की अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें नीतीश कुमार और संजय झा ने क्या लिखा? नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा, 'लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में भगदड़ की घटना अत्यंत दुःखद है. हादसे में श्रद्धालुओं की मृत्यु की खबर से मर्माहत हूं. शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना है. घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है.' संजय झा ने एक्स पर लिखा, श्रावण सोमवार के अवसर पर आज सुबह लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में भगदड़ में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु की सूचना से मन व्यथित है. हम सभी की संवेदनाएं शोकाकुल परिवारजनों के साथ हैं. ईश्वर से उन्हें यह अपार दुख सहने की शक्ति प्रदान करने और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करने की प्रार्थना करता हूं. डीएम ने हादसे के बारे में दी जानकारी डीएम शैलेंद्र कुमार ने बताया कि अशोक धाम हॉल्ट पर दोनों ओर से ट्रेन आ गई थी. ट्रेन को देखकर कुछ युवकों ने अचानक भाग-दौड़ शुरू कर दी. युवकों की भाग-दौड़ के कारण वहां मौजूद बिजली का एक पोल नीचे गिर गया. पोल गिरते ही मौके पर करंट फैलने की अफवाह उड़ गई. उस समय बिजली आपूर्ति वास्तव में बंद थी और तार कवर किया हुआ था, लेकिन अफवाह के कारण श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई. अफवाह सुनते ही भीड़ में भगदड़ मच गई. इसी अफरा-तफरी में दबने से आठ महिला श्रद्धालुओं की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए.

लखीसराय: अशोक धाम हादसे के बाद अस्पताल की लापरवाही, नदारद रहे डॉक्टर, खुले में रखा शव, परिजनों का हंगामा

पटना (एजेंसी) अशोक धाम हादसे के बाद लखीसराय सदर अस्पताल में डॉक्टरों की अनुपस्थिति और शव के साथ अमानवीय व्यवहार पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया। जानें पूरी खबर। लखीसराय के सुप्रसिद्ध श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर (अशोक धाम) में हुए दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय अस्पताल प्रशासन की घोर लापरवाही और अमानवीयता सामने आई है. आपातकालीन स्थिति में जब हादसे के शिकार घायलों और पीड़ितों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, तो वहां कोई भी वरीय चिकित्सक मौजूद नहीं था. संवेदनहीनता की हद तो तब पार हो गई जब एक स्वास्थ्य कर्मी द्वारा पीड़ित को मृत घोषित कर उसके शव को सम्मानपूर्वक अंदर रखने के बजाय अस्पताल के बाहर ही रख दिया गया. इस लचर व्यवस्था और बदसलूकी से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया. आपातकाल में डॉक्टरों की गैरमौजूदगी, स्वास्थ्य कर्मियों के भरोसे अस्पताल अशोक धाम जैसे बड़े धार्मिक स्थल पर हुए इतने बड़े हादसे के बावजूद सदर अस्पताल प्रशासन अलर्ट मोड पर नहीं था. घटना के बाद जब बदहवास परिजन पीड़ितों को लेकर आपातकालीन वार्ड पहुंचे, तो उन्हें वहां कोई भी अनुभवी या वरीय डॉक्टर मौजूद नहीं मिला. हादसे से प्रभावित लोगों को तत्काल आपातकालीन और विशेषज्ञ चिकित्सा की सख्त आवश्यकता थी, लेकिन डॉक्टरों की गैरमौजूदगी में स्वास्थ्य कर्मियों ने ही प्राथमिक जांच की औपचारिकता पूरी की. आपात स्थिति में अस्पताल प्रबंधन की यह लापरवाही घायलों की जान पर भारी पड़ गई. फोटो- अस्पताल के बाहर रखे शव अस्पताल के बाहर रखे शव शव बाहर रखने पर फूटा गुस्सा, परिजनों ने किया जमकर बवाल जांच के दौरान ही एक स्वास्थ्य कर्मी ने एक पीड़ित को मृत घोषित कर दिया. इसके बाद अस्पताल प्रबंधन की संवेदनहीनता अपने चरम पर नजर आई. शव को अस्पताल के अंदर सुरक्षित और सम्मानजनक स्थान पर रखने के बजाय उसे बाहर खुले में रख दिया गया. अस्पताल की इस लचर व्यवस्था, वरीय डॉक्टरों की अनुपस्थिति और शव के साथ किए गए इस अमानवीय व्यवहार को देखकर मृतक के परिजनों का धैर्य जवाब दे गया. आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में भारी हंगामा करते हुए प्रबंधन पर इलाज में देरी और घोर लापरवाही का सीधा आरोप लगाया. ख्त कार्रवाई की मांग, स्वास्थ्य महकमे की खुली पोल परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था और उनका स्पष्ट कहना था कि यदि समय पर वरिष्ठ डॉक्टर अस्पताल में मौजूद होते और उचित इलाज मिलता, तो शायद स्थिति कुछ और हो सकती थी. इस हृदयविदारक घटना ने लखीसराय के स्वास्थ्य महकमे की बदहाल व्यवस्था और आपातकालीन तैयारियों की पूरी तरह से पोल खोलकर रख दी है. पीड़ित परिवार और स्थानीय लोग अब इस लचर व्यवस्था के लिए जिम्मेदार स्वास्थ्य कर्मियों और आपात स्थिति में ड्यूटी से नदारद रहे वरीय डॉक्टरों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की मांग कर रहे हैं.

विधायक बने प्रशांत किशोर, विधानसभा अध्यक्ष ने दिलाई शपथ, ढङने किए थे ये 4 ऐलान

पटना (एजेंसी) जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर अब आधिकारिक तौर पर बांकीपुर विधानसभा के विधायक बन गए हैं. सोमवार को उन्होंने विधायक पद की शपथ ली. बांकीपुर सीट जीतने के बाद प्रशांत किशोर ने तीन महीने के अंदर बदलाव दिखने की बात कही थी. पटना के बांकीपुर विधानसभा की जनता को नया विधायक मिल गया है. प्रशांत किशोर ने सोमवार को शपथ ग्रहण किया. विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने अपने चैंबर में प्रशांत किशोर को विधायक पद की शपथ दिलाई. इसके बाद प्रशांत किशोर अब आधिकारिक रूप से सदन की कार्यवाही में हिस्सा ले सकेंगे और कामकाज शुरू करेंगे. शपथ ग्रहण के बाद पीके ने क्या कहा? शपथ ग्रहण के बाद प्रशांत किशोर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, बिहार के इस सदन में सदस्य के तौर पर भारत रत्न कपूर्री ठाकुर, अनुग्रह नारायण सिंह, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद, रामविलास पासवान और सुशील मोदी रहे हैं. इस सदन के सदस्य के तौर शपथ लेना मेरे लिए गौरव की बात है. ये मेरे लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी है. मैं समाज की बेहतरी के लिए आगे काम करूंगा. 19,246 वोटों से बीजेपी को हराया था सोमवार को प्रशांत किशोर जन सुराज के समर्थकों के साथ विधानसभा पहुंचे थे. बांकीपुर सीट के लिए 30 जुलाई को वोटिंग हुई थी और 3 अगस्त को रिजल्ट जारी किया गया था. प्रशांत किशोर ने बीजेपी के कैंडिडेट नीरज सिन्हा को 19,246 वोटों से हराया था. जबकि आरजेडी की कैंडिडेट रेखा गुप्ता की जमानत जब्त हो गई थी. इस वजह से चैंबर में दिलाई गई शपथ सामान्य तौर पर नए विधायक को विधानसभा सत्र के दौरान ही शपथ दिलाई जाती है. लेकिन अभी विधानसभा का कोई भी सत्र नहीं चल रहा है. बिहार विधानसभा का मॉनसून सत्र भी खत्म हो चुका है. शीतकालीन सत्र की शुरूआत होने में अभी काफी समय है. ऐसे में सदन की कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में स्पीकर अपने चैंबर में ही नए विधायक को शपथ दिला सकते हैं. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें तीन महीने में बदलाव दिखने की कही थी बात बांकीपुर सीट पर जीत के बाद प्रशांत किशोर ने तीन महीने में बदलाव दिखने की बात कही थी. मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा था, अगले 2 से 3 महीने के अंदर बांकीपुर विधानसभा में स्पष्ट बदलाव दिखने लगेगा. इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को रोजगार, राशन की व्यवस्था समेत 4 ऐलान भी किए थे. बांकीपुर सीट जीतने के बाद ही प्रशांत किशोर सियासत में एक्टिव हो गए थे. उन्होंने अपनी आगे की रणनीति भी बना ली है. प्रशांत किशोर का अब मुख्य रूप से फोकस आने वाले चुनावों पर है. बिहार में विधान परिषद की शिक्षक-स्नातक सीटों और पंचायत चुनाव होने वाले हैं, जिसके लिए अभी से ही उन्होंने तैयारी शुरू कर दी है. इतना ही नहीं, वे फिर बिहार की यात्रा भी शुरू करने वाले हैं.

लखीसराय अशोक धाम हादसा: हाई-टेंशन तार नहीं, अफवाह और भगदड़ ने ली 7 महिलाओं की जान, मृतकों की हुई पहचान

पटना (एजेंसी) लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में सावन के पावन अवसर पर एक भयावह हादसा हुआ. शिवकुंड के पास 11 हजार वोल्ट का बिजली का तार गिरने से मची भगदड़ में 7 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई. प्रशासन ने घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं. लखीसराय के प्रसिद्ध श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर (अशोक धाम) के पास सोमवार की सुबह हुए दर्दनाक हादसे की असली वजह सामने आ गई है. इस भीषण दुर्घटना में आठ महिला श्रद्धालुओं की जान चली गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. शुरूआती दौर में 11 हजार वोल्ट का तार गिरने और करंट लगने से मौतों की बात कही जा रही थी, लेकिन जिला प्रशासन ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है. जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार और एडीएम नीरज कुमार ने प्रेस वार्ता कर आधिकारिक रूप से स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की मौत करंट लगने से नहीं, बल्कि एक झूठी अफवाह के बाद मची भीषण भगदड़ के कारण हुई है. हॉल्ट पर ट्रेनों का आगमन और पोल गिरने से फैली दहशत प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, घटना की मुख्य वजह अशोक धाम हॉल्ट पर एक ही समय में दोनों दिशाओं से ट्रेनों का आ जाना था. ट्रेनों को देखकर स्टेशन और मंदिर के आसपास मौजूद कुछ युवकों ने अचानक भाग-दौड़ शुरू कर दी. इसी भारी अफरा-तफरी के बीच वहां लगा एक बिजली का पोल भीड़ के दबाव या भाग-दौड़ के कारण नीचे गिर गया. पोल के गिरते ही वहां मौजूद हजारों श्रद्धालुओं के बीच यह अफवाह तेजी से फैल गई कि जमीन पर करंट दौड़ गया है. कटी थी बिजली और कवर्ड था तार, फिर भी मची अंधी दौड़ जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिस समय पोल गिरा, उस समय इलाके की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद थी. इसके अलावा जो तार जमीन पर गिरा था, वह पूरी तरह से कवर्ड यानी इंसुलेटेड था. इसके बावजूद अफवाह ने श्रद्धालुओं के बीच ऐसी दहशत फैलाई कि लोग बिना सोचे-समझे अपनी जान बचाने के लिए बेतहाशा भागने लगे. इसी अंधी दौड़ में कतार में लगी महिलाएं बेकाबू भीड़ के धक्के से नीचे गिर गईं और लोगों के पैरों तले कुचले जाने से आठ महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई. मृतकों की हुई पहचान, राहत कार्य और जांच के आदेश जारी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे तथा स्थानीय लोगों की मदद से राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया. सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है.

बिहार में कहीं भगदड़ तो कहीं डूबने से 12 लोगों की मौत, सावन की तीसरी सोमवारी पर कई परिवारों में मातम

पटना (एजेंसी) बिहार के अलग-अलग जिलों में हुए हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई. आज सावन की तीसरी सोमवारी है. इस मौके पर कहीं मंदिर में जलाभिषेक के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी तो कहीं गंगा स्नान के लिए. इस तरह से तीन जिलों में हुए हादसे में 12 लोगों ने जान गंवा दी. आज सावन की तीसरी सोमवारी पर बिहार के तीन जिलों में कई परिवार में मातम पसर गया. लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में सुबह-सुबह जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. इस दौरान अचानक भगदड़ मचने से 7 महिलाओं की मौत हो गई. इसके अलावा कटिहार जिले में तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई. साथ ही पटना जिले में भी 2 बच्चियों की मौत डूबने से हो गई. लखीसराय में 7 की मौत, कई घायल लखीसराय जिले में हुई घटना की बात करें तो, यहां अशोकधाम मंदिर में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी थी. अशोक धाम हॉल्ट पर दोनों ओर से ट्रेन आ गई थी. ट्रेन को देखकर कुछ युवकों ने अचानक भाग-दौड़ शुरू कर दी. युवकों की भाग-दौड़ के कारण वहां मौजूद बिजली का एक पोल नीचे गिर गया. पोल गिरते ही मौके पर करंट फैलने की अफवाह उड़ गई. लेकिन जिले के डीएम ने पुष्टि किया कि उस समय बिजली आपूर्ति बंद थी और तार कवर किया हुआ था, लेकिन करंट होने की अफवाह के कारण श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई. अफवाह सुनते ही भीड़ में भगदड़ मच गई. इसी अफरा-तफरी में दबने से 7 महिला श्रद्धालुओं की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए. मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है. हादसे में घायलों का इलाज फिलहाल जारी है. कटिहार में डूबने से 3 बच्चों की मौत दूसरी तरफ, कटिहार जिले में 3 बच्चे डूब गए. जिले के फलका थाना इलाके के मोरसंडा गांव में घटना घटी. सावन की तीसरी सोमवारी पर बरंडी नदी में स्नान करने गए सात बच्चों में से तीन बच्चे गहरे पानी में डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई. मृतकों में दो सगे भाई और उनका एक पड़ोसी शामिल है. इतनी बड़ी घटना के बावजूद अंचल और प्रखंड मुख्यालय से किसी भी वरीय प्रशासनिक अधिकारी के मौके पर न पहुंचने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई. पटना में तीन बच्चियों की मौत पटना के बख्तियारपुर में सोमवार की सुबह गंगा स्नान के दौरान हादसा हो गया. रानीसराय गंगा घाट पर एक ही परिवार की 7 बच्चियां गंगा स्नान के लिए गईं थीं. लेकिन अचानक बच्चियां डूबने लगीं. उन्होंने एक-दूसरे को बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे और गहरे पानी में डूबतीं चलीं गईं. स्थानीय लोगों ने तीन बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि चार बच्चियां गहरे पानी में बह गयीं. हादसे की सूचना मिलते ही घाट पर ग्रामीणों और परिजनों की भीड़ जुट गई. एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची. नदी में तलाशी अभियान के दौरान 2 बच्चियों का शव बरामद किया गया है, जबकि 2 की तलाशी जारी है.

सोना-चांदी में तेजी, कमजोर डॉलर और फेड दर संभावना ने दी चमक

सोने का भाव 1,649 बढ़कर 1,56,155 रुपए, चांदी 2,37,750 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना कमजोर पड़ने से सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। शुरुआती कारोबार में वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में इन कीमती धातुओं के भाव तेजी से बढ़े, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल दिखा। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,450 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 65.75 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रही थी। सोने में 14.40 डॉलर और चांदी में 0.65 डॉलर की प्रभावी तेजी दर्ज की गई। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर भी यही रुझान देखा गया। खबर लिखे जाने तक सोने के वायदा भाव 1,55,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब और चांदी के वायदा भाव 2,37,750 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब कारोबार कर रहे थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 1,649 रुपये की अच्छी तेजी के साथ 1,56,155 रुपये पर खुला, जो पिछले बंद भाव 1,54,506 रुपये से काफी ऊपर था। वहीं, चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,576 रुपये की उछाल के साथ 2,37,500 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,35,924 रुपये था। यह शुरुआती तेजी दिनभर बनी रही, जिससे दोनों कीमती धातुओं ने महत्वपूर्ण लाभ दर्ज किए। कमजोर डॉलर और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की कमजोर संभावना इन धातुओं के लिए प्रमुख उत्प्रेरक बनी हुई है।

एलपीजी- ई-केवायसी की अंतिम तिथि बढ़ी, ग्राहकों को राहत

अब 23 अगस्त तक पूरा करें ई-केवाईसी

नई दिल्ली। एलपीजी गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। आधार आधारित ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले यह तारीख 16 अगस्त थी, जिसे अब बढ़ाकर 23 अगस्त कर दिया गया है। जिन ग्राहकों ने अभी तक अपनी केवायसी पूरी नहीं की है, उन्हें अब अतिरिक्त समय मिल गया है। यह फैसला स्वतंत्रता दिवस और लगातार छुट्टियों के कारण लिया गया है, जिसके चलते कई ग्राहक समय पर अपनी ई-केवायसी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। हालांकि, राहत मिलने के बावजूद ग्राहकों को तय समय सीमा में ई-केवायसी पूरा करना अनिवार्य है। अगर 23 अगस्त तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की जाती है, तो फिलहाल गैस कनेक्शन तो बंद नहीं होगा, लेकिन भविष्य में उन्हें घरेलू दरों पर सिलेंडर मिलने में परेशानी हो सकती है और अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए आखिरी तारीख का इंतजार न करते हुए जल्द से जल्द इसे पूरा कर लेना चाहिए। ई-केवायसी के लिए ग्राहक अपने गैस वितरक के पास जाकर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके अलावा, इंडेन ग्राहक हैं डियन आयल वन ऐप भारतगैस ग्राहक हैलोबीपीसीएल और एचपी गैस ग्राहक एचपी पे ऐप का उपयोग कर आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से भी इसे आसानी से पूरा कर सकते हैं।

मोलबायो डायग्नोस्टिक्स की शानदार लिस्टिंग, शेयर 21 फीसदी उछला

नई दिल्ली। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड के शेयर ने सोमवार को शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 807 रुपये के मुकाबले 21 प्रतिशत से अधिक के प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ, जिससे निवेशकों को बंपर मुनाफा हुआ। बीएसई पर शेयर 980 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो इसके निर्गम मूल्य से 21.43 प्रतिशत अधिक था। कारोबार के दौरान यह 24.16 प्रतिशत चढ़कर 1,002.05 रुपये तक पहुंच गया। एनएसई पर भी इसने 980 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 10,875.77 करोड़ रुपये रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 281, निफ्टी 78 अंक गिरा

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमत में तेजी से भी बाजार गिरा। आज प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों पर भारी दबाव देखा गया, जिसमें टीसीएस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियों को एक बार फिर बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। इस गिरावट के चलते निवेशकों की संपत्ति में कमी आई और बाजार में निराशा का माहौल बना रहा।सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने पूरे दिन कमजोर प्रदर्शन किया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 281.09 अंकों की गिरावट के साथ 77,728.16 अंकों पर बंद हुआ। वही 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी तकरीबन 78.35 अंकों के नुकसान के साथ ही 24,287.65 अंकों पर बंद हुआ। इस प्रकार देखा जाये तो आज दिन भर गिरावट हावी रही। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से केवल 7 कंपनियों के शेयर ही आज लाभ के साथ ऊपर आये

जबकि बचे हुए 23 कंपनियों के शेयर गिरे है। इसी प्रकार निफ्टी में भी 50 में से केवल 18 कंपनियों के शेयरों में तेजी आई, जबकि 31 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बंद हुए और श्रीराम फाइनेंस का शेयर बिना किसी बदलाव के सपाट रहा। यह आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि गिरावट का असर पूरे बाजार पर व्यापक रूप से पड़ा।टाटा ग्रुप की मेटल कंपनी टाटा स्टील के शेयरों में आज तेजी रही। निवेशकों की नजर देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस पर थी, जिसके शेयरों में आ भारी गिरावट रही। सेंसेक्स के अन्य प्रमुख शेयरों में, एक्सिस बैंक), रिलायंस इंडस्ट्रीज, बीईएल, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी और बजाज फाइनेंस ने कुछ हद तक सकारात्मक कारोबार किया।

सात्विक सोलर ओडिशा में लगाएगा 3.6 गीगावाट की विशाल सौर सेल इकाई

आईपीआईसीओएल के साथ हुआ प्रारंभिक समझौता

मुंबई। सात्विक सोलर इंडस्ट्रीज ने ओडिशा के गोपालपुर में 3.6 गीगावाट (जीडब्ल्यू) क्षमता की एक विशाल सौर सेल विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए औद्योगिक प्रोत्साहन एवं निवेश निगम ओडिशा लिमिटेड (आईपीआईसीओएल) के साथ एक प्रारंभिक समझौता किया है। इस परियोजना से क्षेत्र में व्यापक औद्योगिक विकास और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

कंपनी द्वारा जारी बयान में बताया गया कि यह नई इकाई गोपालपुर में सात्विक सोलर के व्यापक विनिर्माण विस्तार का हिस्सा होगी, जहां कंपनी पहले से ही प्रथम चरण की एकीकृत इकाई पर काम कर रही है। सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा, यह कदम बड़े पैमाने पर उत्पादन क्षमता विकसित करने, एकीकरण को मजबूत करने और वृद्धि के अगले चरण के लिए मजबूत आधार तैयार करने की दिशा में निर्णायक है।

ओडिशा सात्विक के लिए सिर्फ एक विनिर्माण पड़ाव नहीं, बल्कि उनकी महत्वाकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। कंपनी अपनी 2.4 जीडब्ल्यू सेल और 4 जीडब्ल्यू मॉड्यूल विनिर्माण लाइनों को उत्पादन की ओर बढ़ा रही है, जो इस निवेश के साथ मिलकर भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

इस परियोजना से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और कुशल श्रमशक्ति के लिए नए अवसर पैदा होने की भी आशा है।

एचडीएफसी बैंक को गलत सीआईबीआईएल रिपोर्टिंग पड़ी भारी, कोर्ट ने लगाया जुर्माना

कोल्लम उपभोक्ता कोर्ट का फैसला- बंद लोन खाते को डिफ़ॉल्ट बताने पर बैंक को 50 हजार मुआवजा देना होगा

कोल्लम। केरल के कोल्लम जिला उपभोक्ता कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में एचडीएफसी बैंक को एक ग्राहक की गलत क्रेडिट जानकारी को सुधारने और उसे 50,000 रुपये का मुआवजा व 10,000 रुपये मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया है। यह आदेश बैंक द्वारा ग्राहक के एक बंद हो चुके लोन खाते को डिफ़ॉल्ट के रूप में गलत तरीके से रिपोर्ट करने के मामले में आया है। यह मामला अलुम्मूड़ निवासी एक व्यक्ति से जुड़ा है, जिसने पहले सेंट्रियन बैंक (जो बाद में एचडीएफसी बैंक में विलय हो गया) से बाइक लोन लिया था। ग्राहक ने 2009 में अपने सभी बकाये चुका दिए थे, जिसमें गुम हुए दो चेक के बदले नकद भुगतान भी शामिल था, और उसका लोन खाता बंद हो गया था। बावजूद इसके, बैंक ने इस खाते को डिफ़ॉल्ट के तौर पर रिपोर्ट किया, जिससे ग्राहक की सीआईबीआईएल रिपोर्ट खराब हो गई। उसे अक्टूबर 2023 में इस गड़बड़ी का पता चला, जब उसे खराब क्रेडिट स्कोर के कारण बिजनेस लोन मिलने में दिक्कत हुई। कोर्ट ने बैंक को 30 दिनों के भीतर गलत जानकारी ठीक करने और सीआईबीआईएल को सूचित करने का निर्देश दिया है, जिसके बाद सीआईबीआईएल को भी 30 दिनों में रिकॉर्ड अपडेट करना होगा।

प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी का अपडेटेड मॉडल बीई 6 स्पोर्टेक पेश

नई दिल्ली। भारत में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी का अपडेटेड मॉडल बीई 6 स्पोर्टेक लॉन्च कर दिया है। इसमें एक खास रिव्यू एसओएस फीचर दिया गया है, जो बैटरी 0 प्रतिशत यानी पूरी तरह खत्म होने के बाद भी कार को 13किमी तक चला सकता है। ईवी को नए वैरिएंट्स, बड़े बैटरी पैक, री-डिजाइन डैशबोर्ड और एडवांस कनेक्टेड फीचर्स के साथ मार्केट में उतारा गया है। वहीं, फुल चार्ज पर कार 683किमी चलेगी। महिंद्रा बीई 6 स्पोर्टेक की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 19.45 लाख से शुरू होकर रुपए 26.95 लाख तक जाती है। इसके साथ ही कंपनी ने बैटरी एज अ सर्विस मॉडल भी पेश किया है। बीएएएस प्रोग्राम के तहत 59 केडब्ल्यूएच बैटरी वाले बेस वैरिएंट को सिर्फ रुपए 11.45 लाख में खरीदा जा सकता है, जिसके बाद ग्राहक को रुपए 3.75 प्रति किलोमीटर के हिसाब से बैटरी का सब्सक्रिप्शन चार्ज देना होगा। कंपनी इस गाड़ी की डिलीवरी 26 अगस्त से शुरू करने जा रही है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी के बाहरी डिजाइन को काफी एग्रेसिव और स्पोर्टी रखा गया है। इसके पिछले हिस्से में स्पोर्टेक की बैजिंग मिलती है। कार में वेरिएंट के हिसाब से 19-इंच के बड़े अलॉय व्हील्स, फ्लश-फिटिंग डोर हैंडल्स (बॉडी में छिपे रहने वाले हैंडल) और ऑल-एलईडी लाइटिंग सेटअप दिया गया है। इसके अलावा इसके खास लंच एडिशन में ग्रेफाइट स्टॉर्म कलर का ऑप्शन मिलेगा। कार के पिछले हिस्से में कस्टमाइजेबल एलईडी टेल-लैंप दिए गए हैं, जिसकी स्क्रीन पर ओनर अपने हिसाब से पर्सनल टेक्स्ट मैसेज भी डिस्प्ले कर सकते हैं। कार के केबिन के अंदर सबसे बड़ा और आकर्षक बदलाव देखने को मिलता है। इसके टॉप वेरिएंट्स में अब 12.3-इंच के तीन डिस्प्ले (टचस्क्रीन) वाला एक शानदार ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट दिया गया है। डैशबोर्ड को पूरी तरह नया और साफ-सुथरा हॉरिजॉन्टल लुक दिया गया है, जिससे वायरलेस चार्जिंग पैड और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट्स का इस्तेमाल करना आसान हो जाता है। इसके लॉन्च एडिशन में फुल रेसिंग टैन इंटीरियर थीम के साथ प्रीमियम लेदर अपहोल्स्ट्री और फिक्स पैनोरमिक ग्लास रूफ दी गई है। महिंद्रा ने इस कार में 6 नए टीक्यू टेक्नोलॉजी सूट्स जोड़े हैं। इसमें टीडब्ल्यू एमई फीचर है जो ड्राइवर को पहचानकर उसकी प्रोफाइल सेट कर देता है। इसके अलावा इसमें गूगल जेमिनी एआई इंटीग्रेशन के साथ टीक्यू टाक वॉयस असिस्ट दिया गया है। कार में मनोरंजन और आराम के लिए डॉल्बी एटमॉस के साथ हरमन कार्डन का प्रीमियम साउंड सिस्टम, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो, हेड-अप डिस्प्ले और एनएफसी डिजिटल की जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। यह एसयूवी तीन अलग-अलग बैटरी पैक विकल्पों में उपलब्ध है, जो रियर-व्हील ड्राइव सेटअप के साथ आते हैं, इनमें 59केडब्ल्यूएच बैटरी 231एचपी की पावर जनरेट करती है और सिंगल चार्ज में 548किमी की रेंज देती है। 70केडब्ल्यूएचबैटरी नया बैटरी पैक 245एचपी की पावर और 651किमी की रेंज देता है।

भारत सरकार घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाएगी, आयात पर निर्भरता घटेगी

21 कंपनियों को मिला एलपीजी उत्पादन का टारगेट, रिलायंस को बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की उपलब्धता बढ़ाने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। पहली बार देश की प्रमुख रिफाइनरी और तेल-गैस कंपनियों के लिए एलपीजी उत्पादन के अधिकतम सीमा तय की गई है। पश्चिम एशिया संकट और हॉरमुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने के अनुभवों के बाद यह फैसला लिया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा 13 अगस्त को जारी आदेश में 21 रिफाइनरी और अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए कुल 63,810 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। यह वित्त वर्ष 2026 के अनुमानित घरेलू उत्पादन से दोगुना तथा देश की दैनिक खपत का लगभग 70 फीसदी है।इस पहल के तहत रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी को सबसे बड़ा लक्ष्य दिया गया है, जिसे जरूरत पड़ने पर 18,000 टन एलपीजी प्रतिदिन तक उत्पादन करना होगा। नायरा एनर्जी को 4,480 टन, जबकि ओएनजीसी और गेल जैसी कंपनियों को मिलाकर 6,460 टन प्रतिदिन का लक्ष्य मिला है। सार्वजनिक क्षेत्र की 18 रिफाइनरियों के लिए कुल 31,470 टन प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का 64 फीसदी से अधिक आयात करता है, जिसमें से लगभग 90 फीसदी आपूर्ति पश्चिम एशिया और हॉरमुज जलडमरूमध्य मार्ग से होती है। यही निर्भरता पश्चिम एशिया संकट के दौरान एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी थी, जब सरकार को पेट्रोकेमिकल्स के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल को एलपीजी उत्पादन की ओर मोड़ना पड़ा था। सरकार ने केवल उत्पादन लक्ष्य ही नहीं, बल्कि भंडारण, परिवहन और आपूर्ति के लिए पर्याप्त बुनियादी ढाँचा तैयार रखने का भी निर्देश दिया है। कंपनियों को तकनीकी और आर्थिक रूप से संभव उपायों जैसे नेफ्था को एलपीजी में बदलने पर भी विचार करने को कहा गया है।

इस शेड्यूल की समीक्षा हर छह महीने में की जाएगी, जिसका लक्ष्य भारत को एलपीजी के लिए विदेशी आपूर्ति पर कम निर्भर बनाना और भविष्य में किसी भी संकट से निपटना है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.62 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को तीन पैसे मजबूत होकर 95.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ ही 99.54 पर रहा।

8वें वेतन आयोग में 69000 रुपए हो जाएगी न्यूनतम सैलरी

केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ी उम्मीदें, फिटमेंट फैक्टर बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग से बड़ी उम्मीदें हैं, खासकर फिटमेंट फैक्टर में बढ़ोतरी को लेकर।

कर्मचारी यूनियनों ने इसे 3.83 करने की मांग की है, जिससे न्यूनतम मूल वेतन में 18,000 रुपए से बढ़कर करीब 69,000 रुपए तक का बंपर उछाल आ सकता है। आइए समझते हैं इस मांग का गणित और पिछले बदलावों को। फिटमेंट फैक्टर और वेतन वृद्धि का गणित 8वें वेतन आयोग को लेकर कर्मचारी यूनियनों की सबसे प्रमुख मांग फिटमेंट फैक्टर को 3.83 करना है। फिटमेंट फैक्टर वह आंकड़ा है जो मूल वेतन को नई संरचना में बदलता है।

7वें वेतन आयोग में 2.57 फिटमेंट फैक्टर लागू होने से न्यूनतम मूल वेतन 7,000 रुपए से बढ़कर 18,000 रुपए हुआ था। यदि अब यह बढ़कर 3.83 होता है, तो वर्तमान 18,000 का न्यूनतम बेसिक-पे सीधे 18,000 × 3.83 = 68,940 (लगभग 69,000 रुपए) हो जाएगा, जो एक बड़ा उछाल होगा। पहले वेतन आयोग से अब तक का सफर भारत में पहला वेतन आयोग 1946 में 55 रुपए न्यूनतम मूल वेतन के साथ लागू हुआ था।

समय के साथ इसमें लगातार बढ़ोतरी हुई और दूसरे वेतन आयोग में 80, तीसरे में 196, चौथे में 750 और पांचवें (1.74 एफएफ) में 2,550 हुआ। छठे वेतन आयोग (2006) में 1.86 फिटमेंट फैक्टर के साथ न्यूनतम वेतन 7,000 और सातवें (2016) में 2.57 फिटमेंट फैक्टर से 18,000 निर्धारित हुआ। अधिकतम मूल वेतन भी 2,000 से 2.5 लाख रुपए तक बढ़ा।

हालांकि, आठवें वेतन आयोग के तहत न्यूनतम मूल वेतन को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

वेतन वृद्धि पर अंतिम निर्णय आयोग की सिफारिशों और सरकार की आधिकारिक अधिसूचना के बाद ही स्पष्ट होगा।

महिंद्रा का बीई6 स्पोर्टेक लाइन-अप में नया फार्मूला ई फीडम एडिशन लॉन्च

मुंबई। महिंद्रा ने अपनी बीई6 स्पोर्टेक लाइन-अप में नया फार्मूला ई फीडम एडिशन लॉन्च कर दिया है। ई फीडम एडिशन के दो वेरिएंट एफई और एफई फोर बाजार में उतारे गए हैं। यह नया मॉडल पिछले फार्मूला ई एडिशन के लॉन्च होने के एक साल से भी कम समय के भीतर पेश किया गया है। नए फार्मूले ई फीडम एडिशन में पिछले मॉडल की तरह पतली फ्रंट और रियर डीआरएलएस, गोल एलईडी हेडलाइट्स और भारी बंपर नहीं दिए गए हैं। अब इसका लुक स्टैंडर्ड बीई6 स्पोर्टेक जैसा ही रखा गया है, जिसमें सी-शेप की फ्रंट-रियर डीआरएलएस और स्लीक बंपर मिलते हैं। हालांकि, इस फीडम एडिशन की पहचान बनाए रखने के लिए फ्रंट फेंडर पर फार्मूला ई की बैजिंग दी गई है। साथ ही इसमें नया रोसो इम्पुल्सो कलर ऑप्शन और बॉडीवर्क पर तिरंगे यानी ट्राई कलर के डेकल्स दिए गए हैं। पुरानी बीई6 फार्मूला ई एडिशन को महिंद्रा ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट से हटा दिया है। इंटीरियर लेआउट में कोई बड़ा बदलाव नहीं है, लेकिन इसमें फायरस्टॉर्म ऑरेंज कलर स्कीम के साथ लेदरेट और सुएड अपहोल्स्ट्री दी गई है। डैशबोर्ड पर फार्मूला ई फीडम एडिशन की प्लेक, पैनोरमिक ग्लास रूफ पर फार्मूले ई डेकल्स और खास वर्चुअल इंजन साउंड्स जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं। इस एडिशन में डैशबोर्ड पर ड्राइवर और को-ड्राइवर को अलग करने वाला खास हेलो-लाइक लूप दिया गया है। इसी वजह से फार्मूला ई फीडम एडिशन में केवल डुअल 12.3-इंच स्क्रीन का सेटअप मिलेगा। इसमें स्टैंडर्ड स्पोर्टेक वेरिएंट्स की तरह ट्रिपल-डिस्प्ले सेटअप का विकल्प नहीं मिलेगा।

कम्फर्ट और सेफ्टी के लिए इसमें 16-स्पीकर वाला हरमन कार्डन साउंड सिस्टम, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग पैड, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और पावर्ड ड्राइवर सीट दी गई है। सुरक्षा के लिए इसमें 540-डिग्री कैमरा (360 डिग्री + अंडरफ्लोर व्यू) और लेवल 2 अडास तकनीक मिलती है। कनेक्टेड कार फीचर्स की बात करें तो इसमें गूगल जेमिनी इंटीग्रेशन, इन-कार गेमिंग और कराओके सूट्स, ऑटो-डिटेक्शन वाले यूजर प्रोफाइल्स और कस्टम ड्राइव मोड शामिल हैं। महिंद्रा बीई 6 स्पोर्टेक फार्मूला ई फीडम एडिशन में 683 किमी की रेंज मिलेगी। महिंद्रा बीई6 स्पोर्टेक फार्मूले ई फीडम एडिशन केवल 79केडब्ल्यूएच के टॉप-स्पेक्ट्रम बैटरी पैक और रियर-व्हील ड्राइव मोटर के साथ आता है। इसका इलेक्ट्रिक मोटर 286एचपी की पावर और 380एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें एडैप्टिव सस्पेंशन भी दिया गया है।

एसजेएस इंटरप्राइजेस ने एक साल में दोगुना किया निवेशकों का पैसा

मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और कर्जमुक्त स्थिति के दम पर निवेशकों को 100 फीसदी से अधिक का रिटर्न

नई दिल्ली। शेयर बाजार में अक्सर उन कंपनियों को बेहतर माना जाता है जिन पर कर्ज कम होता है। इसी कसौटी पर खरी उतर रही ऑटो कंपोनेंट कंपनी एसजेएस एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। बीते एक साल में इस शेयर ने निवेशकों की पूंजी को दोगुने से भी ज्यादा कर दिया है। शुक्रवार को कंपनी का शेयर 5.54 फीसदी की तेजी के साथ 2539.60 रुपये पर बंद हुआ था, जो एक महीने में करीब 19 फीसदी और एक साल में 100 फीसदी से अधिक का उछाल दिखाता है। एसजेएस एंटरप्राइजेज प्रीमियम विजुअल और डेकोरेटिव ऑटो कंपोनेंट बनाती है, जिनका उपयोग कारों और टू-व्हीलर में होता है। कंपनी लगातार 27 तिमाहियों से उद्योग की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में इसका राजस्व 24.5 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 261 करोड़ रुपये रहा, जबकि ऐबिटा 36.2 फीसदी बढ़कर 80 करोड़ रुपये हो गया। एकमुश्त लाभ को हटाने पर एडजस्टेड नेट प्रॉफिट भी 45.2 फीसदी की वृद्धि के साथ 50.3 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो कंपनी के मजबूत परिचालन को दर्शाता है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में 45.4 फीसदी की ऑर्गेनिक वृद्धि कंपनी के लिए बड़े अवसरों की ओर इशारा करती है। एसजेएस की सबसे बड़ी ताकत इसकी मजबूत बैलेंस शीट है।` वित्त वर्ष 27 के अंत में, कंपनी के पास लगभग 338 करोड़ रुपये का कैश था, जबकि कुल कर्ज सिर्फ 9.3 करोड़ रुपये था, यानी यह लगभग 329 करोड़ रुपये की नेट कैश स्थिति में थी। कंपनी पर कोई लॉन्ग टर्म डेट भी नहीं है। तिमाही में 81 करोड़ रुपये का ऑपरेटिंग कैश फ्लो और लगभग 84 करोड़ रुपये का फ्री कैश फ्लो इसकी वित्तीय मजबूती को और पुख्ता करता है। शेयर बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यही कर्जमुक्त स्थिति और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन एसजेएस एंटरप्राइजेज के शेयरों में तेजी का मुख्य कारण है, जिससे निवेशकों को शानदार रिटर्न मिल रहा है।

स्वतंत्रता दिवस सेल में इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

स्मार्टफोन, लैपटॉप और टीवी की बंपर बिक्री, त्योहारी सीजन के लिए शुभ संकेत

नई दिल्ली। देश में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्मार्टफोन, लैपटॉप और टेलीविजन जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की बिक्री में शानदार वृद्धि दर्ज की गई। इन उत्पादों की कीमतों में 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी के बावजूद ग्राहकों का उत्साह देखने लायक था, जो आगामी त्योहारी सीजन के लिए बाजार में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। बिक्री में जबरदस्त इजाफा ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल के मुकाबले बिक्री मूल्य में 25 फीसदी और वॉल्यूम में 5-7 फीसदी तक का इजाफा हुआ। ब्रांड्स, रिटेलर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स, सभी को इस सेल का भरपूर फायदा मिला। फ्लिपकार्ट पर कई आईफोन और टेलीविजन मॉडल पूरी तरह बिक गए, वहीं ऐमजॉन इंडिया पर प्रीमियम उत्पादों की मांग सामान्य से दोगुनी से अधिक बढ़ी। ऑनलाइन टीवी निर्माता सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स ने अपने लाइसेंस वाले टीवी ब्रांड्स का पूरा स्टॉक ऐमजॉन और फ्लिपकार्ट दोनों पर बेच दिया।

रिटेल सेक्टर का शानदार प्रदर्शन भारत की सबसे बड़ी रिटेल चेन रिलायंस रिटेल ने अपनी अब तक की सबसे अच्छी स्वतंत्रता दिवस सेल दर्ज की, जिसमें ग्रॉसरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों जैसी श्रेणियों में 20 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई। इसी तरह, डिपार्टमेंट स्टोर चेन लाइफस्टाइल ने भी दोहरे अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर विजय सेल्स ने मूल्य में 20 फीसदी से अधिक और वॉल्यूम में 5 फीसदी की वृद्धि देखी।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस उछाल की मुख्य वजह बढ़ती भीड़, वॉल्यूम में वृद्धि और प्रीमियम उत्पादों की मजबूत मांग है।

प्रीमियम सेगमेंट ने बढ़ाई रौनक देश की तीसरी सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता कंपनी हायर इंडिया ने बताया कि सभी कैटेगरी में स्वतंत्रता दिवस की सेल शानदार रही।

खास तौर पर प्रीमियम कैटेगरी जैसे फ्रंट-लोड वॉशिंग मशीन, साइड-बाय-साइड रेफ्रिजरेटर और 55 इंच या उससे बड़े टीवी की बिक्री में भारी इजाफा हुआ।

कंपनी ने पिछले साल की तुलना में मूल्य के हिसाब से 45-50 फीसदी और वॉल्यूम के हिसाब से 30-35 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की।

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि त्योहारी सीजन से पहले उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ा है और बाजार में खरीदारी की मजबूत मांग बनी हुई है।

युवा और प्रोफेशनल्स अपनी विशेषज्ञता से झारखंड को दे सकते हैं नई दिशा : के राजू

बिभा संवाददाता

रांची। ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस, झारखंड की ओर से बीएनआर चाणक्य होटल, रांची में थिंक झारखंड थिंक फयूचर के अंतर्गत प्रोफेशनल कॉन्क्लेव का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह प्रोफेशनल्स कांग्रेस प्रभारी आदित्य विक्रम जायसवाल ने की। संचालन प्रदेश मीडिया संयोजक लाल किशोर नाथ सहदेव ने किया।

कार्यक्रम में झारखंड के सामाजिक-आर्थिक विकास, रोजगार, उद्योग, शिक्षा, प्रोफेशनल्स की भूमिका सहित राज्य के उज्ज्वल भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के राजू, प्रदेश के सह प्रभारी डॉ सिरीवेल्ला प्रसाद और भूपेंद्र मरावी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, नेता विधायक दल प्रदीप यादव, उपनेता राजेश कच्छप, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, कुनिका सदानन्द (अभिनेत्री), झारखंड चेंबर के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, मिस यूनिवर्स सिमरन और सीए अनिश जैन (चेयरमैन, रांची ब्रांच, सीआईआरसी ऑफ आईसीएआई), महानगर अध्यक्ष कुमार राजा सहित अन्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम में अतिथियों ने प्रोफेशनल्स कांग्रेस की ओर से तैयार किए गए न्यूज लेटर का लोकार्पण किया गया।

वहीं इस अवसर मुख्य अतिथि के राजू ने कहा कि झारखंड की विकास यात्रा में प्रोफेशनल्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य के युवा, विशेषज्ञ और प्रोफेशनल्स अपनी विशेषज्ञता और नए विचारों के माध्यम से झारखंड को नई दिशा दे सकते हैं। कांग्रेस पार्टी चाहती है कि प्रोफेशनल्स की आवाज नीति निर्माण तक पहुंचे और झारखंड के विकास का एक मजबूत रोडमैप तैयार हो।

राजू ने कहा कि आजादी की लड़ाई से लेकर अब तक कांग्रेस पार्टी में वकील, पत्रकार, लेखक, बुद्धिजीवी और समाजशास्त्री जैसे पेशेवरों का बड़ा योगदान रहा है। कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो पेशेवरों को महत्व देती है।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखंड के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए सभी वर्गों और विशेषकर प्रोफेशनल समुदाय की भागीदारी जरूरी है।

अभिनेत्री कुनिका सदानन्द ने कहा कि झारखंड का सबसे बड़ा खनिज जमीन के नीचे कोयला-लोहा नहीं है, बल्कि झारखंड के बच्चे, युवा और महिलाएं हैं। स्कूल में बैठे बच्चे, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र, कॉलेज जाने वाली लड़की और अवसर चाहने वाला आदिवासी बच्चा ही असली पूंजी है।

चेंबर के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि झारखंड में उद्योग, व्यापार और रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। सरकार, उद्योग जगत और प्रोफेशनल्स के बीच बेहतर समन्वय से राज्य में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। व्यापारिक वातावरण को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

सीए अनिश जैन ने कहा कि वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और प्रोफेशनल विशेषज्ञता किसी भी राज्य के सतत विकास की आधारशिला है। झारखंड के विकास में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सहित सभी प्रोफेशनल्स अपनी विशेषज्ञ भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

वहीं आयोजक आदित्य विक्रम जायसवाल ने कहा कि झारखंड के पास भरपूर संसाधन हैं, लेकिन अवसरों की कमी है। इसे दूर करने के लिए सभी स्टेकहोल्डर्स को एक साथ आना होगा।

उन्होंने झारखंड की खनिज आधारित अर्थव्यवस्था को मूल्य-वर्धन आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने पर बल दिया, ताकि राज्य में नए रोजगार सृजित हों। उन्होंने कहा कि थिंक झारखंड, थिंक फयूचर का उद्देश्य झारखंड के भविष्य को लेकर प्रोफेशनल्स, उद्योग जगत, युवाओं और राजनीतिक नेतृत्व को एक मंच पर लाना था। आज मिले सुझावों और विचारों को आगे नीति एवं विकास के विमर्श का हिस्सा बनाया जाएगा।

कार्यक्रम को लेफ्टिनेंट जनरल कर्नल अनीश रंजन प्रसाद, पूर्व कार्यपालक अभियंता नशिम अली, चारू लता विश्वास, विधायक राजेश कच्छप, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, मनोरंजन जायसवाल सहित अन्य ने संबोधित किया।

वहीं कार्यक्रम में कांग्रेस नेत्री यशस्विनी सहाय, उज्जवल प्रकाश तिवारी, हिमांशु, विकास आनंद, सरवर पाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

हाजीपुर-सहरसा होते हुए पाटलिपुत्र और पूर्णिया कोर्ट के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

हाजीपुर : यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने पाटलिपुत्र और पूर्णिया कोर्ट के बीच एक नई स्पेशल ट्रेन (गाड़ी सं. 03216/03215) चलाने का निर्णय लिया है। यह स्पेशल ट्रेन हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, खगड़िया, सहरसा और बनमनखी के रास्ते सप्ताह में पांच दिन चलेगी, जिससे इस रूट के यात्रियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। गाड़ी संख्या 03216 पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट स्पेशल 17 अगस्त 2026 से 16 सितंबर 2026 तक सप्ताह में पांच दिन (बुधवार और शनिवार को छोड़कर) चलेगी। यह ट्रेन पाटलिपुत्र से रात 11:00 बजे खुलेगी और विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन सुबह 08:30 बजे पूर्णिया कोर्ट पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 03215 पूर्णिया कोर्ट-पाटलिपुत्र स्पेशल 18 अगस्त 2026 से 17 सितंबर 2026 तक सप्ताह में पांच दिन (गुरुवार और रविवार को छोड़कर) चलेगी। यह ट्रेन पूर्णिया कोर्ट से सुबह 09:10 बजे खुलेगी और शाम 05:45 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी। अपनी यात्रा के दौरान यह स्पेशल ट्रेन सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, रूसेरा घाट, हसनपुर रोड, सलौना, खगड़िया, मानसी, सिमरी बख्तियारपुर, सहरसा, दौरम मधेपुरा, मुरलीगंज और बनमनखी स्टेशनों पर रुकेगी। यात्रियों की सहूलियत के लिए इस ट्रेन में कुल 20 कोच लगाए गए हैं, जिनमें द्वितीय वातानुकूलित का एक, तृतीय वातानुकूलित के तीन, शयनयान के 10, साधारण श्रेणी के चार और एसएलआर के दो कोच शामिल हैं।

सिंगरौली-जबलपुर एक्सप्रेस अब जबलपुर की जगह मदन महल से चलेगी

हाजीपुर : यात्रियों की जानकारी के लिए बता दें कि सिंगरौली और जबलपुर के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन (गाड़ी संख्या 11651/11652) के टर्मिनल में बदलाव किया गया है। 17 अगस्त 2026 से यह ट्रेन जबलपुर के बजाय मदन महल और सिंगरौली के मध्य चलेगी। नई समय-सारणी के अनुसार, गाड़ी संख्या 11651 मदन महल-सिंगरौली एक्सप्रेस अब जबलपुर के बजाय मदन महल से शाम 04:05 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन 16:15 बजे जबलपुर पहुंचेगी और वहां से आगे की यात्रा करते हुए रात 11:45 बजे (पहले के 23:15 की जगह) सिंगरौली पहुंचेगी। वहीं वापसी में, गाड़ी संख्या 11652 सिंगरौली-मदन महल एक्सप्रेस सिंगरौली से अपने पूर्व निर्धारित समय सुबह 04:40 बजे ही प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन सुबह 11:25 बजे जबलपुर होते हुए दोपहर 12:05 बजे अपने नए अंतिम स्टेशन मदन महल पहुंचेगी।

जबलपुर-सिंगरौली एक्सप्रेस अब मदन महल स्टेशन से खुलेगी और वहीं समाप्त होगी

धनबाद: रेलवे द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया गया है कि 17 अगस्त 2026 से जबलपुर-सिंगरौली-जबलपुर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 11651/11652) के प्रारंभिक और अंतिम स्टेशन में बदलाव किया गया है। अब इस ट्रेन का परिचालन जबलपुर स्टेशन के बजाय मदन महल स्टेशन से किया जाएगा। नई समय-सारणी के अनुसार, 17 अगस्त से गाड़ी संख्या 11651 मदन महल-सिंगरौली एक्सप्रेस मदन महल स्टेशन से शाम 04:05 बजे खुलेगी। इसके बाद यह 16:15 बजे जबलपुर पहुंचेगी और वहां से 16:20 बजे प्रस्थान कर रात 11:45 बजे सिंगरौली स्टेशन पहुंचेगी। वहीं, वापसी में गाड़ी संख्या 11652 सिंगरौली-मदन महल एक्सप्रेस सिंगरौली से अपने निर्धारित समय सुबह 04:40 बजे ही प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन सुबह 11:25 बजे जबलपुर पहुंचेगी और 11:35 बजे आगे के लिए प्रस्थान कर दोपहर 12:05 बजे अपने नए गंतव्य मदन महल स्टेशन पहुंचेगी।

राजनीति और सामाजिक मामलों में सोच की कमी, चिंता की बात : नितिन गडकरी

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को पुणे में कहा कि राजनीति और सामाजिक मामलों में, सोच की कमी, सोच की विविधता से ज्यादा बढ़ रही है, यह चिंता की बात है। अगर हम किसी की राय से सहमत नहीं भी हैं, तो भी हम उसका सम्मान करते हैं। लेकिन, विचारधारा और सिद्धांतों के बजाय हालात के हिसाब से अपनी राय बदलने की रफ्तार बढ़ी है। न लेफ्ट न राइट, हम मौकापरस्त हैं का ट्रेंड बढ़ रहा है। ऐसे समय में, समर्पित, सिद्धांतवादी लोग समाज के लिए रोशनी बनते हैं। पुणे जर्नलिस्ट्स फाउंडेशन और पुणे श्रमिक जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन की ओर से, सीनियर पत्रकार एस. के. कुलकर्णी को पत्रकारिता में उनके योगदान के लिए आज केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी ने सम्मानित किया। इस मौके पर मेयर मंजुषा नागपुरे, पुणे जर्नलिस्ट्स फाउंडेशन के प्रेसिडेंट राजेंद्र पाटिल, जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट उमेश शेल्के, प्रतिष्ठान के वर्किंग ऑफिसर पांडुरंग सांडभोर और अन्य लोग मौजूद थे।

भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में अनुभव, युवा ऊर्जा और सामाजिक समावेश का संतुलन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम में संगठनात्मक अनुभव, युवा ऊर्जा, क्षेत्रीय विविधता और सामाजिक समावेश का व्यापक संतुलन देखने को मिला है। सोमवार को जारी नई राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची में देश के 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। करीब 65 सदस्यों की नई टीम में महिलाओं और पूर्वोत्तर क्षेत्र को विशेष ध्यान दिया गया है। त्रिपुरा, असम और नागालैंड से तीन क्षेत्रीय नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही समर्पित नॉर्थ-ईस्ट कोऑर्डिनेशन सेल को भी जारी रखा गया है, जिसकी जिम्मेदारी डॉ. संबित पात्रा संभालेंगे। उत्तर-पूर्व से युवा नेता मृगांक बर्मन को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। वहीं, उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य से आठ नेताओं को जगह दी गई है। इसमें रेखा वर्मा व प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तो पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी व हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। वहीं, डॉ. भोला सिंह व संगीता यादव को राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया है। अमर पाल मौर्या को ओबीसी मोर्चा का अध्यक्ष और कुंवर बासित अली अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष बनाए गए हैं।

सामाजिक प्रतिनिधित्व के लिहाज से भी नई टीम में विभिन्न वर्गों को स्थान दिया गया है। इस टीम में पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर से चार आदिवासी प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है, जिनमें दो महिलाएं हैं। वहीं उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश से तीन अनुसूचित जाति प्रतिनिधियों को जगह मिली है।

राष्ट्रीय संगठन में देश के विभिन्न हिस्सों से 10 अनुभवी महिला नेताओं को शामिल किया गया है। पार्टी ने इसे वरिष्ठ संगठनात्मक भूमिकाओं में महिला भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

नई टीम में विभिन्न धार्मिक समुदायों का भी प्रतिनिधित्व है। हिंदू नेताओं के साथ एक सिख, दो ईसाई, एक मुस्लिम, एक जैन और एक पारसी सदस्य को शामिल किया गया है।

अनुभवी नेताओं पर भरोसा

नई टीम में प्रशासनिक और राजनीतिक अनुभव को भी प्रमुखता दी गई है। इसमें तीन पूर्व मुख्यमंत्री—वसुंधरा राजे, तीरथ सिंह रावत और बिप्लब कुमार देब शामिल हैं। पूर्व संगठन मंत्री सुनील बंसल को दोबारा संगठन मंत्री बनाया गया है, वहीं राम माधव की टीम में वापसी हुई है उन्हें उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा कई पूर्व प्रदेश अध्यक्षों को भी राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी दी गई है।

टीम में केंद्र सरकार में पूर्व अनुभव रखने वाले चार नेता और एक मौजूदा केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं। वहीं लोकसभा और राज्यसभा से जुड़े 18 सक्रिय जनप्रतिनिधियों को जगह दी गई है, जो विधायी अनुभव और जमीनी राजनीतिक संपर्क को राष्ट्रीय टीम में लेकर आएंगे। आंध्र प्रदेश से डी पुरंदेश्वरी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनी और तमिलनाडु के मा व्यंकटेशन को राष्ट्रीय सचिव बनाया।

भाजपा की राष्ट्रीय टीम में राजनीतिक अनुभव के साथ विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों की विशेषज्ञता को भी जगह मिली है। सूची में प्रोफेसर, पीएचडी धारक, डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट और वकील जैसे पेशेवर शामिल हैं। इनमें कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. मधुचंद्रा कर और कर्नाटक में प्रोफेसर एम नागराज को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा जेएनयू में एबीवीपी कार्यकर्ता रहे और मौजूदा समय में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. स्वदेश सिंह को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। इसके साथ दिल्ली से नगर निगम मे रहे जय प्रकाश को राष्ट्रीय सचिव और डीडीए के सदस्य रहे राजीव बब्बर को नॉर्थ इस्ट सह संयोजक बनाया गया है। आम आदमी पार्टी से भाजपा में आए संदीप पाठक को भी टीम में राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। कुल मिलाकर, नई राष्ट्रीय टीम में अनुभव और युवा ऊर्जा के साथ क्षेत्रीय, सामाजिक, महिला तथा धार्मिक प्रतिनिधित्व का संतुलन बनाने की कोशिश दिखाई देती है। पार्टी के अनुसार, इससे राष्ट्रीय संगठन को देश की अलग-अलग सामाजिक और क्षेत्रीय परिस्थितियों की बेहतर समझ के साथ काम करने में मदद मिलेगी।

बासुकीनाथ धाम में तीसरी सोमवारी पर दो लाख कावरियां ने किया जलाभिषेक

बिभा संवाददाता

दुमका। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के 19 वें दिन तीसरी सोमवारी की शाम 05 बजे तक कुल 1,81,984 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया। शीघ्रदर्शनम से 2483 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया। शीघ्र दर्शनाम से 12,41,500 रुपये,गोलक से 1,44,670 रुपये सहित अन्य स्रोत से 16170 रुपये प्राप्त हुए।

बासुकीनाथ में सावन की तीसरी सोमवारी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित तरीके से बाबा बासुकीनाथ का जलार्पण कराने को लेकर प्रशासन की ओर से मेला क्षेत्र में व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

इसी क्रम में डीसी अभिजीत सिन्हा ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर विधि-व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कंट्रोल रूम पहुंचकर सीसीटीवी के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की। कंट्रोल रूम से श्रद्धालुओं की भीड़, कतार की स्थिति, प्रवेश एवं निकास मार्ग, बैरिकेडिंग, जलार्पण व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों की स्थिति का अवलोकन किया गया। डीसी ने कंट्रोल रूम में मौजूद पदाधिकारियों से मेला क्षेत्र की पल-पल की स्थिति की जानकारी ली और भीड़ के बढ़ने वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया।

उन्होंने निर्देश दिया कि प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं पुलिस बल अपने-अपने निर्धारित कर्तव्य स्थल पर पूरी मुस्तैदी के साथ उपस्थित रहें और अनावश्यक रूप से अपने कर्तव्य स्थल को नहीं छोड़ें। श्रद्धालुओं की कतार को व्यवस्थित रखने, बैरिकेडिंग का पालन कराने और निर्धारित मार्ग से ही श्रद्धालुओं के आवागमन को सुनिश्चित करने को कहा गया।

पूर्व रेलवे ने सतर्कता जागरूकता अभियान का किया शुभारंभ

बिहान भारत

कोलकाता: पूर्व रेलवे ने सोमवार, 17 अगस्त 2026 को अपने सतर्कता जागरूकता अभियान - 2026 का औपचारिक शुभारंभ किया। तीन महीने तक चलने वाला यह अभियान 16 नवंबर 2026 तक जारी रहेगा। इस वर्ष अभियान का मुख्य विषय समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा है, जो सभी सार्वजनिक सेवाओं में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित करता है।

औपचारिक उद्घाटन पूर्व रेलवे मुख्यालय में आयोजित किया गया, जहां पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पांडेय ने अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई तथा अपने आधिकारिक दायित्वों के निर्वहन में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराया।

पूर्व रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक सह मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री दीपक निगम के मार्गदर्शन में सतर्कता विभाग इस अभियान के दौरान विभिन्न निवारक सतर्कता उपायों, प्रणालीगत सुधारों और जागरूकता कार्यक्रमों का नेतृत्व करेगा।

अभियान की अवधि के दौरान पूर्व रेलवे नैतिक शासन, भ्रष्टाचार की रोकथाम और संस्थागत जवाबदेही से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगी। इस पहल का उद्देश्य जनता के विश्वास को और मजबूत करना तथा सभी हितधारकों को नैतिक आचरण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि सतत संस्थागत विकास की मजबूत नींव तैयार की जा सके।

पूर्व रेलवे आरपीएफ ने सुरक्षा जागरूकता अभियान के साथ मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

बिहान भारत

कोलकाता : पूर्व रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अपने हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदा मंडलों में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष सुरक्षा जागरूकता और सामुदायिक संपर्क अभियान का आयोजन किया। पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पांडेय के मार्गदर्शन में की गई इस पहल का उद्देश्य स्थानीय समुदायों के साथ मजबूत संबंध स्थापित कर रेल यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाना था।

अभियान के दौरान आरपीएफ कर्मियों ने स्थानीय बच्चों, युवाओं और निवासियों से सीधा संवाद किया। उन्हें विशेष रूप से चलती ट्रेनों पर पत्थरबाजी, पटरियों पर अनधिकृत प्रवेश (ट्रेसपासिंग), मानव तस्करी और बेवजह अलार्म चेन खींचने के खतरों तथा इसके कानूनी परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना रेलवे सुरक्षा हेल्पलाइन '139' पर देने की अपील की गई।

लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए आरपीएफ ने फुटबॉल, कबड्डी और एथलेटिक्स जैसी खेल गतिविधियां आयोजित कीं और बच्चों के बीच फुटबॉल, पुरस्कार व मिठाइयां बांटीं। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने इस पहल पर कहा कि इसका मुख्य लक्ष्य जनता के साथ विश्वास और सहयोग का रिश्ता कायम करना है, ताकि रेलवे नेटवर्क पर निर्भर लाखों यात्रियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार किया जा सके।

पोर्टरों की मनमानी पर उत्तर रेलवे का शिकंजा, डिकॉय जांच में 13 मामले पकड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। यात्रियों से निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली करने वाले लाइसेंसधारी पोर्टरों के खिलाफ उत्तर रेलवे ने सख्त रुख अपनाते हुए औचक और डिकॉय जांच अभियान तेज कर दिया है। नई दिल्ली, दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन और आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशनों पर की गई विशेष जांच में कुल 13 पोर्टरों के खिलाफ अधिक वसूली के मामले सामने आए हैं।

जांच के दौरान आनंद विहार टर्मिनल पर एक पोर्टर यात्री से अधिक राशि वसूलते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। पोर्टर ने पहले सामान ढोने के लिए 800 रुपये की मांग की और बाद में 500 रुपये में सौदा तय कर यात्री से 500 रुपये ले लिए, जबकि निर्धारित शुल्क केवल 230 रुपये था।

इसी तरह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 20 किलोग्राम सामान के लिए यात्रियों से 300 और 250 रुपये वसूले गए, जबकि निर्धारित शुल्क 140 रुपये था। दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी पांच पोर्टर दो सामानों के लिए निर्धारित 280 रुपये से अधिक राशि लेते पाए गए। इन मामलों में यात्रियों से 300 से 500 रुपये तक वसूले गए।

हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर भी अधिक वसूली के कई मामले सामने आए। जांच में पोर्टरों द्वारा यात्रियों से मनमानी रकम को लेकर सौदेबाजी करने और यूपीआई व क्यूआर कोड के जरिए डिजिटल भुगतान लेने के प्रमाण मिले। एक मामले में पोर्टर के पास पहचान-पत्र नहीं मिला, जबकि एक अन्य पोर्टर ने अपनी पहचान बताने से इनकार कर दिया।

उत्तर रेलवे ने इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पोर्टरों के बैज और बैच तत्काल जब्त कर उन्हें ड्यूटी से हटाने तथा अग्रिम आदेश तक काम पर रोक लगाने की कार्रवाई प्रस्तावित की है। इसके अलावा लाइसेंस की शर्तों और लागू रेलवे नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

रेलवे का कहना है कि अभियान का उद्देश्य केवल दोषियों को दंडित करना नहीं, बल्कि यात्रियों से अधिक वसूली के खिलाफ मजबूत निवारक प्रभाव पैदा करना और पोर्टर सेवाओं को पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाना है।

उत्तर रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे पोर्टर सेवाओं के लिए केवल निर्धारित टैरिफ का ही भुगतान करें। यदि कोई पोर्टर अधिक राशि की मांग करता है या दुर्व्यवहार करता है तो यात्री तुरंत रेल मदद पर शिकायत दर्ज कराएं। शिकायत में स्टेशन का नाम, पोर्टर का बैज या बैच नंबर और अन्य उपलब्ध विवरण देने की सलाह दी गई है।

रेलवे के अनुसार औचक निरीक्षण और डिकॉय ऑपरेशन का असर भी दिखाई दे रहा है। यात्रियों ने जांच टीमों की सक्रियता और दोषी पोर्टरों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

उत्तर रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान किसी एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा। सभी मंडलों और प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर रैंडम डिकॉय ऑपरेशन, औचक निरीक्षण और यात्रियों की शिकायतों के सत्यापन के जरिए पोर्टरों की कार्यप्रणाली पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। निर्धारित टैरिफ या लाइसेंस शर्तों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com